जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, बुधवार 12 अगस्त, 2026

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

समर्थ महिला समृद्ध राजस्थान

नवजात के संरक्षण से लेकर वृद्ध महिलाओं तक का सम्मान
आधी आबादी का हो रहा उत्थान

- लाडो प्रोत्साहन योजनान्तर्गत **1.50 लाख** तक की सहायता, **8.84 लाख** बालिकाएं लाभान्वित

- गर्भवती महिलाओं को **6,500** तथा **दिव्यांग गर्भवती महिलाओं को 10,000 की सहायता**
- **15 लाख** आंगनबाड़ी बच्चों को सप्ताह में **5 दिन गर्म दूध**

- **45,985 छात्राओं** को स्कूटी **13.85 लाख** बालिकाओं को साइकिल

- **1.55 लाख** स्वयं सहायता समूहों को **₹739 करोड़ का ऋण**
- **3,432 महिला उद्यमियों** को **₹343 करोड़** के ऋण स्वीकृत

- **18.21 लाख** महिलाएं बनीं लखपति दीदी
- **61,078 महिलाओं को ₹443 करोड़ का ऋण** ऋण सीमा बढ़कर **₹1.50 लाख**

- महिला सुरक्षा हेतु सार्वजनिक एवं शैक्षणिक संस्थानों में **14,122 सीसीटीवी कैमरों** की स्थापना

- **65 एंटी रोमियो स्क्वॉड** एवं **600 कालिका** पेट्रोलिंग यूनिट सक्रिय
- महिला सुरक्षा को और सशक्त बनाने हेतु **2,216 पद स्वीकृत**

- **राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना** के तहत 4.17 लाख महिलाओं को लगभग **662 करोड़ रुपये** की पेंशन

- **25,000** महिलाएं बनीं सोलर दीदी
- नमो ड्रोन दीदी योजना के तहत **₹2,500 प्रति हेक्टेयर सहायता**

- **33,321** परिवारों को मुख्यमंत्री कन्यादान योजना का लाभ

- **₹450** में रसोई गैस सिलेंडर, **68 लाख** परिवारों को **5.87 करोड़** रिफिल पर **₹1,128 करोड़** की सब्सिडी

राजस्थान संवाद

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

विचार बिन्दु

आनंद वह ख़ुशी है जिसके भोगने पर पछताना नहीं पड़ता। –सुकरात

मौजूदा दौर में बीच की राह किसी को नहीं भाती

दुनिया में सब कुछ एकदम स्याह या सफेद नहीं होता। दो सिरों के बीच बहुत सी छायाएं – शेड्स – होती है। प्रकृति ने भी हमें आंखें दी हैं जिनसे हम अनेक रंगों और उनकी अनगिनत छायाओं (शेड्स) को देखते हैं। जीवन की समूची वास्तविकता भी इसी बहुरंगी कैनवास पर टिकी है। दो छोरों के बीच एक बहुत बड़ा, विस्तृत और विचारशील ग्रे ज़ोन (धूसर क्षेत्र) होता है, जहां संवाद, असहमति, समीक्षा और सुधार की गुंजाइश होती है। लेकिन आज का भारतीय सामाजिक-राजनीतिक माहौल इस खूबसूरत जटिलता को ध्वस्त करने पर आमादा है। वर्तमान ध्रुवीकृत माहौल में वैचारिक बारीकियों और संतुलन के लिए जगह लगातार सिकुड़ती जा रही है। आज की दुनिया आपसे मांग करती है कि आपको किसी न किसी की तरफ होना ही पड़ेगा। बीच का कोई रास्ता नहीं। मध्यमार्ग पर चलने वालों, निष्पक्ष रहने वालों या दोनों पक्षों के गुण-दोष के आधार पर बात करने वालों के लिए यह दौर मुश्किल का समय साबित हो रहा है। आज के माहौल में आप नहीं कह सकते कि मैं दोनों से असहमत हूं। आप नहीं कह सकते कि मुझे अमुक की कुछ चीजें पसंद है तो उसकी कुछ चीजें नापसंद भी हैं। ऐसी बातें करने वाला सबके लिये त्याज्य हो जाता है। यह द्वि-आधारी याने बाइनरीसोच का संकट है। हम पाते हैं कि भारतीय समाज में सब कुछ किसी चश्मे से देखने की प्रवृत्ति हावी हो चुकी है। यदि कोई अमुक विचारधारा के साथ नहीं है, तो मान लिया जाता है कि वह अनिवार्य रूप से उसके विरोधी खेमे में शामिल हैं। यह सोच तार्किकता की बुनियादी जड़ों पर प्रहार करती है। एक स्वस्थ और परिपक्व इंसान के रूप में, प्रत्येक के पास यह बौद्धिक स्वतंत्रता होनी चाहिए कि वह कह सके: "मुझे इस व्यवस्था की आर्थिक नीतियां पसंद हैं, लेकिन इसकी सामाजिक नीतियों से मैं असहमत हूं।" या फिर, "विपक्ष का यह विरोध सही है, लेकिन उनका वह विकल्प गलत है।" किन्तु आज का ध्रुवीकृत नैरेटिव इस विवेक की अनुमति नहीं देता। जैसे ही कोई किसी पक्ष की किसी एक बात की सराहना करता है, दूसरा पक्ष उसे तुरंत बिका हुआ, गद्दार या अंधभक्त घोषित कर देता है। वहीं, जब कोई उसी पक्ष की किसी अन्य नीति की आलोचना करता हैं, तो पहले वाले खेमे के लिए वह रातों-रात विरोधी और दुश्मन बन जाता है। यह इस दौर की सबसे बड़ी त्रासदी है कि आप अपनी निष्पक्षता के कारण किसी के सगे नहीं रह जाते। आप सबके लिए त्याज्य हो जाते हैं। यह सोशल मीडिया और इको चैंबर का कुचक्र है। इस ध्रुवीकरण को हवा देने में आधुनिक तकनीक और डिजिटल मीडिया के एल्गोरिदम की भूमिका सबसे घातक रही है। ट्विटर (एक्स), फेसबुक और यूट्यूब जैसे मंचों को इस तरह डिज़ाइन किया गया है कि वे लोगों की पसंद-नापसंद को पहचानकर उन्हें वैसी ही सामग्री दिखाते हैं, जिसे वे देखना चाहते हैं। इसे तकनीकी भाषा में इको चैंबर (प्रतिध्वनि कक्ष) कहा जाता है। इन कक्षों में लोगों को केवल अपनी ही राय से मिलती-जुलती आवाजें सुनाई देती हैं, जिससे उनका यह भ्रम पक्का हो जाता है कि केवल वे ही सही हैं और जो उनसे अलग सोचते हैं, वह मूर्ख है या दुष्ट है। इन मंचों पर जटिल मुद्दों को 280 अक्षरों के ट्वीट या 30 सेकंड के रील्स में समेट दिया जाता है। जहां जटिलता को समझने का धैर्य ही न बचा हो, वहां शेड्स कैसे दिखाई देंगे? वहां तो केवल चीख-पुकार, ट्रोलिंग और सीधे तौर पर लेबलिंग याने ठप्पा लगाना ही बचता है। मध्यमार्गी विचारक जब इन मंचों पर कोई संतुलित बात रखता है, तो दोनों तरफ की उठा भीड़ उस पर टूट पड़ती है। परिणाम यह होता है कि समझदार और संतुलित लोग चुप हो जाते हैं, और पूरा विमर्श दोनों छोरों के उग्रपंथियों के हाथ में चला जाता है।

इस माहौल का एक और दुखद पहलू यह भी है कि यदि आप किसी एक खेमे का झंडा उठाकर नहीं चल रहे हैं, तो आपको विचारहीन या रीढ़विहीन मान लिया जाता है। यह धारणा बना दी गई है कि एक प्रबुद्ध नागरिक वही है जिसकी हर मुद्दे पर एक कड़क, चरम और अपरिवर्तनीय राय हो। जो व्यक्ति संशय में है, जो तथ्यों को तौल रहा है, जो कह रहा है कि "मुझे इस विषय पर और पढ़ने और सोचने की ज़रूरत है", उसे कमजोर या डरपोक समझा जाता है, जबकि संशय और सवाल उठाना ही विचारशीलता की पहली निशानी होती है। दार्शनिक बर्ट्रेंड रसेल ने कहा था: "दुनिया की मुसीबत यह है कि मूर्ख पूरी तरह आश्वस्त हैं, और बुद्धिमान संदेह से भरे हैं।" आज आश्वस्त मूर्खों की फौज हर तरफ तैनात है, जो हर जटिल सामाजिक, धार्मिक और आर्थिक मुद्दे का एक सीधा और सतही समाधान जेब में लेकर घूमती है। इस माहौल में विवेकशील चुप्पी या संतुलन की तलाश को वैचारिक शून्यता मान लिया जाता है, और उनके लिये रामधारी सिंह 'दिनकर' की प्राचीन कविता गाई जाने लगती है जो तटस्थ हैं, समय लिखेगा उनका भी अपराध। राजनीतिक लाभ और ध्रुवीकरण का गणित यह कराता है। ध्रुवीकरण स्वस्फूर्त नहीं होता है; इसे राजनीतिक और व्यावसायिक हित बाकायदा पालते-पोसते हैं। राजनीति के लिए लोगों को बांटना हमेशा से सबसे आसान और फायदेमंद सौदा रहा है। जब समाज हम बनाम वो में बंट जाता है, तो सरकारों और राजनीतिक दलों को अपनी वास्तविक विफलताओं पर जवाब नहीं देने का रास्ता मिल जाता है।चुनावी गणित इस बात पर आधारित नहीं रही है कि किसी ने जनता के लिए क्या किया, बल्कि वह इस बात पर आधारित हो गई है कि किसने अपनी वोट बैंक को दूसरे पक्ष के प्रति कितना डरा दिया है। सभी वाकिफ़ हैं कि भय और घृणा ध्रुवीकरण के चालक होते हैं। इस खेल में मध्यमार्गी और तटस्थ लोगों को सबसे बड़ा बाधक माना जाने लगा हैं, क्योंकि वे सवाल पूछते हैं। वे भावुकता के बजाय आंकड़ों पर बात करते हैं। इसलिए, दोनों तरफ की राजनीतिक ताकतें मिलकर सबसे पहले इस मध्यमार्ग को ध्वस्त करती हैं ताकि जनता के पास चुनने के लिए केवल दो ही छोर बचें।

> **दुनिया का इतिहास गवाह है कि जब-जब समाजों ने बारीकियों को खारिज करते हुए उन्माद का रास्ता चुना है, तब-तब विनाश ही हाथ लगा है। बीसवीं सदी के फासीवादी और अधिनायकवादी शासन इसी बाइनरी सोच की उपज थे, जहां राज्य से असहमति का मतलब सीधे देशद्रोह होता था। आज हमें उस इतिहास से सबक लेने की जरूरत है।**

लोकतंत्र का मतलब केवल चुनाव जीतना या बहुमत हासिल करना नहीं होता है। लोकतंत्र की असली आत्मा सहमति की संस्कृति और अल्पमत के सम्मान में बसती है। लोकतंत्र इस सिद्धांत पर काम करता है कि कोई भी पक्ष पूर्ण सत्य का स्वामी नहीं हो सकता। संसद से लेकर सड़क तक, लोकतंत्र तभी फलता-फूलता है जब परस्पर विरोधी विचारों के बीच संवाद होता है, और उस संवाद से एक ऐसा रास्ता निकलता है जिसमें सबकी भलाई हो। लेकिन जब समाज पूरी तरह ध्रुवीकृत हो जाता है, तो संवाद की जगह मोनोलॉग या तू-तू मैं-मैं की बहस ले लेती है। ऐसे में लोग एक-दूसरे को समझने के लिए नहीं सुनते, बल्कि उसे नीचा दिखाने या उस पर पलटवार करने के लिए सुनते हैं। जब बातचीत के सारे पुल टूट जाते हैं और केवल वैचारिक दीवारें खड़ी रह जाती हैं, तो लोकतंत्र मात्र एक खोखला ढांचा बनकर रह जाता है। ऐसी स्थिति में समाज के विभिन्न वर्गों के बीच अविश्वास और नफरत की खाई इतनी गहरी हो जाती है, जिसे पाटना असंभव सा हो जाता है। नुएंसेस (बारीकियों) को बचाने की जरूरत आज जितनी है उतनी पहले कभी नहीं थी। दुनिया का इतिहास गवाह है कि जब-जब समाजों ने बारीकियों को खारिज करते हुए उन्माद का रास्ता चुना है, तब-तब विनाश ही हाथ लगा है। बीसवीं सदी के फासीवादी और अधिनायकवादी शासन इसी बाइनरी सोच की उपज थे, जहां राज्य से असहमति का मतलब सीधे देशद्रोह होता था। आज हमें उस इतिहास से सबक लेने की जरूरत है। स्याह और सफेद के बीच की जो धूसर (ग्रे) छायाएं हैं, वे दरअसल सहिष्णुता, करुणा, समझदारी और मानवता की छायाएं हैं। जीवन के अधिकांश सत्य इसी धूसर क्षेत्र में पाए जाते हैं। कोई भी इंसान पूरी तरह देवता या पूरी तरह दानव नहीं होता। इसी तरह, कोई भी व्यवस्था या विचार पूरी तरह त्रुटिहीन नहीं होता। मध्यमार्ग की पुनर्स्थापना के संकल्प का यह सही समय है। इस बात को ठीक से समझकर ही इस थोपे गए ध्रुवीकरण के खिलाफ खड़ा हुआ जा सकेगा। आज इस साहस को जुटाने की जरूरत है कि हम भारत के लोग सार्वजनिक रूप से कह सकें: "मैं इस बात से सहमत हूं, लेकिन उस बात से असहमत हूं।" उन्हें त्याज्य होने के डर से बाहर निकलना होगा। यदि निष्पक्ष और संतुलित रहने की कीमत पर समाज का एक बड़ा हिस्सा उन्हें छोड़ देता है, तो भी वह अकेलापन उस वैचारिक दासता से बेहतर है जहां नागरिक को किसी झुंड का हिस्सा बनने के लिए अपने विवेक की बलि देनी पड़ती है। बौद्धिक बिरादरी, मीडिया, नागरिक समाज और शिक्षण संस्थानों की यह सामूहिक जिम्मेदारी बनती है कि वे इस ग्रे ज़ोन को बचाए रखने के जतन करें। हमें एक ऐसा माहौल फिर से तैयार करना होगा जहां सवाल पूछने वाले को देशद्रोही न कहा जाए, और संशय व्यक्त करने वाले को विचारहीन न समझा जाए। स्याह और सफेद की यह जंग दुनिया को बेरंग और क्रूर बना देगी। सभी रंगों और छायाओं को बचाना अनिवार्य है। संवाद, संयम और समीक्षा का रास्ता ही वह मध्यमार्ग है, जो इस ध्रुवीकृत दौर में हमारे समाज को बिखरने से बचा सकता है।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

हाथी : इतिहास बनने से पहले

उमा व्यास

वर्ष 2023 में 'द एलिफेंट व्हिस्परर्स' को सर्वश्रेष्ठ डॉक्यूमेंट्री शॉर्ट फिल्म का ऑस्कर मिला। बोम्मन और बेल्ली की कहानी ने दुनिया को बताया कि मनुष्य और हाथी का रिश्ता केवल संरक्षण तक सीमित नहीं, बल्कि प्रेम, विश्वास और करुणा से भी जुड़ा है। अनाथ हाथी रघु की देखभाल की यह कहानी जितनी संवेदनशील है, उतना ही बड़ा प्रश्न भी छोड़ती है। उन बूढ़े, घायल और असहाय हाथियों का क्या, जिनका जीवन अपने अंतिम पड़ाव में भोजन, उपचार और सुरक्षित आश्रय की तलाश में बीत रहा है? जिस जीव को हमारी सभ्यता ने सदियों से पूजनीय माना, उसके वास्तविक जीवन के प्रति हमारी जिम्मेदारी क्या केवल श्रद्धा तक सीमित रहनी चाहिए?

12 अगस्त को विश्व हाथी दिवस मनाया जाता है। वर्ष 2026 का संदेश है, ब्रिंगिंग द वर्ल्ड टुगेदर टू हेल्प एलिफेंट्स, अर्थात हाथियों की सहायता के लिए दुनिया को एकजुट करना। यह दिन हाथियों के प्रति प्रेम जताने भर का अवसर नहीं, बल्कि उस संकट को समझने का अवसर है जिसमें उनके जंगल सिकुड़ रहे हैं, प्राकृतिक रास्ते टूट रहे हैं और मानव तथा हाथी के बीच संघर्ष बढ़ रहा है।

हाथी परिवार का एक विशाल सदस्य मैमथ आज केवल इतिहास में बचा है। लगभग 4,000 वर्ष पहले पृथ्वी से उसकी अंतिम ज्ञात आबादी समाप्त हो गई। मैमथ की कहानी प्रकृति का एक संदेश है कि जब किसी जीव के अस्तित्व की परिस्थितियाँ लगातार बदलती हैं, तो उसका भविष्य भी सुरक्षित नहीं रहता। आज जीवित हाथियों के सामने भी यही चेतावनी खड़ी है। आज दुनिया में हाथियों की संख्या लाखों में है, लेकिन एशियाई हाथियों की वैश्विक जंगली आबादी 50,000 से कम मानी जाती है। भारत इस आबादी का सबसे बड़ा आश्रय है और वर्ष 2025 की पहली देशव्यापी डीएनए आधारित गणना में 22,446 जंगली एशियाई हाथी पाए गए। कर्नाटक भारत में हाथियों की सबसे बड़ी आबादी वाला राज्य है। संरक्षण की मानवीय कोशिशों का एक उदाहरण जामनगर का वंतारा भी है, जहाँ 260 से अधिक बचाए गए हाथियों की देखभाल की जा रही है।

हाथियों का जीवन जितना विशाल है, उतना ही रोचक भी। वे सामान्यतः 60 से 70 वर्ष तक जीवित रह सकते हैं। उनका सामाजिक ढाँचा मातृसत्तात्मक होता है। झुंड की कमान प्रायः सबसे अनुभवी मादा हाथी के हाथ में होती है। वर्षों में संचित उसका अनुभव जलस्त्रोतों, सुरक्षित रास्तों और मौसम के बदलावों को समझने में पूरे झुंड का मार्गदर्शन करता है। नर हाथी बड़े होने पर प्रायः झुंड से अलग होकर स्वतंत्र जीवन जीने लगते हैं। जंगल में नेतृत्व का यह स्वरूप हमें प्रकृति की उस व्यवस्था से परिचित कराता है जहाँ अनुभव स्वयं एक शक्ति है।

हाथियों की दुनिया का एक अनोखा पहलू उनकी पाचन प्रक्रिया भी है। जंगलों का सिकुड़ना, सड़कें, रेलवे, खनन, कृषि और बढ़ती बस्तियाँ हाथियों के प्राकृतिक आवास को लगातार विभाजित कर रही हैं। उनके पारंपरिक रास्ते जब खेतों और बस्तियों में बदल जाते हैं, तो भोजन और पानी की तलाश में हाथियों का मनुष्यों से सामना होता है। यहीं से संघर्ष शुरू होता है और कई बार इसकी कीमत मनुष्य और हाथी दोनों को चुकानी पड़ती है। इसी चुनौती को देखते हुए भारत सरकार ने वर्ष 1992 में प्रोजेक्ट एलिफेंट शुरू किया। आज देश में 33 हाथी अभयारण्य और 150 चिन्हित हाथी गलियारे हैं। फिर भी संरक्षण की सफलता केवल संरक्षित क्षेत्रों की संख्या से नहीं मापी जा सकती। असली प्रश्न यह है कि क्या हाथी अपने पारंपरिक रास्तों पर सुरक्षित चल पा रहे हैं, क्या उनके लिए पर्याप्त जंगल और जलस्त्रोत बचे हैं और क्या मनुष्य तथा हाथी के बीच सह अस्तित्व की राह बनाई जा रही है।

हाथियों के अस्तित्व पर मंडराता एक और पुराना खतरा है हाथीदाँत का अवैध व्यापार। हाथी के दाँत उसके शरीर का प्राकृतिक अंग हैं, लेकिन मनुष्य ने उन्हें लंबे समय तक धन और विलासिता की वस्तु बना दिया। भारत में वीरप्पन और उसके गिरोह ने दक्षिण भारत के जंगलों में हाथियों का बड़े पैमाने पर शिकार किया और हाथीदाँत की तस्करी की। उसका नाम भारत में वन्यजीवों के अवैध शिकार और हाथीदाँत के काले कारोबार के इतिहास से जुड़ गया।

यह संकट भारत तक सीमित नहीं रहा। अफ्रीका में भी हाथीदाँत के अवैध व्यापार ने हाथियों की आबादी पर भारी दबाव डाला। इसी पृष्ठभूमि में वन्यजीवों के अंतरराष्ट्रीय व्यापार को नियंत्रित करने के लिए साइट्स अस्तित्व में आया। इसे वर्ष 1973 में अपनाया गया और वर्ष 1975 में लागू किया गया। वर्ष 1989 में अफ्रीकी हाथियों के हाथीदाँत के अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर कठोर नियंत्रण लागू किया गया। आज संरक्षण में डीएनए आधारित पहचान और फोरेंसिक जाँच जैसी वैज्ञानिक तकनीकें भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। भारत में हाथी को वन्य जीव संरक्षण अधिनियम, 1972 के अंतर्गत कानूनी संरक्षण प्राप्त है। लेकिन कानून किसी प्रजाति को तभी बचा सकता है, जब उसके पीछे समाज की संवेदनशीलता और संरक्षण की वास्तविक इच्छा भी हो। हाथी के लिए जंगल बचाना, उसके गलियारे बचाना और स्थानीय समुदायों के साथ संतुलन बनाना इसी जिम्मेदारी का हिस्सा है।

भारत में हाथी केवल वन्यजीव नहीं, बल्कि हमारी आस्था और संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है। भगवान गणेश और ऐरावत से लेकर बौद्ध परंपराओं तक, हाथी को शक्ति, बुद्धि और समृद्धि का प्रतीक माना गया है। इसलिए हाथी की रक्षा केवल प्रकृति का संरक्षण नहीं, हमारी सांस्कृतिक विरासत का सम्मान भी है। हाथी का महत्व उसके विशाल शरीर से कहीं अधिक है। वह बीजों के प्रसार में मदद करता है, वनस्पतियों की संरचना को प्रभावित करता है और जंगल में अनेक दूसरे जीवों के लिए अनुकूल परिस्थितियाँ बनाता है। वह जंगल का केवल निवासी नहीं, उसके पारिस्थितिकी तंत्र का सक्रिय निर्माता भी है। इसलिए एक हाथी को बचाना केवल एक जीव को बचाना नहीं, बल्कि पूरे जंगल के भविष्य को सुरक्षित करना है।

मैमथ इतिहास बन चुका है। हाथी अभी हमारे सामने है। सवाल यह नहीं कि हम हाथी को कितना पूजते हैं, सवाल यह है कि उसके लिए कितना बचाते हैं। क्या उसके जंगल बचेंगे? क्या उसके रास्ते खुले रहेंगे? क्या आने वाली पीढ़ियाँ उसे केवल किताबों और तस्वीरों में देखेंगी या अपने प्राकृतिक आवास में भी देख सकेंगी? मैमथ को हम वापस नहीं ला सकते, लेकिन हाथी को इतिहास बनने से बचाना अभी भी हमारे हाथ में है।

–उमा व्यास, आरएएस

प्रकृति की चेतावनी है असम की बाढ़

डॉ. मोनिका शर्मा

यदि हमने प्रकृति की इस चेतावनी को अब भी अनसुना किया और विकास की अंधी दौड़ में नदियों, जंगलों और पहाड़ों के प्राकृतिक संतुलन को नष्ट करना जारी रखा, तो वह समय दूर नहीं जब देश के अन्य हिस्सों को भी इसी तरह की विभीषिका का सामना करना पड़ेगा। हम प्रकृति पर विजय पाने की जिद छोड़कर प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व के सिद्धांत को अपनाएं।

देश के विभिन्न हिस्सों में हो रही अतिवृष्टि, विनाशकारी बाढ़ और जानलेवा भूस्खलन की घटनाएं बढ़ी हैं, जो इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण हैं कि देश एक गंभीर पर्यावरणीय संकट से गुजर रहा है। इस साल एक बार फिर असम भी भयावह बाढ़ की चपेट में है, जहां मरने वालों का आंकड़ा करीब सौ के करीब तक पहुंच गया है और लाखों लोग विस्थापित हुए हैं। यह संकट केवल एक राज्य की प्राकृतिक आपदा नहीं है, बल्कि बदलते वैश्विक पर्यावरण और मानवीय भूलों का एक साझा संकेत है, जो बार-बार प्रकृति की पूरे देश को दी जा रही एक गंभीर चेतावनी बन रहा है।

जलवायु परिवर्तन का बढ़ता प्रकोप कुछ यूं असरदार है कि मानसून का पारंपरिक चक्र बदल चुका है। कम समय में अचानक होने वाली अत्यधिक मूसलाधार बारिश की घटनाएं बढ़ गई हैं। जब एक साथ भारी मात्रा में पानी बरसता है, तो धरती को उसे सोखने का समय नहीं मिलता, जिससे मैदानी इलाकों में अचानक सैलाब आ जाता है। जो राज्य कभी पानी की कमी या सूखे के लिए जाने जाते थे (जैसे राजस्थान और गुजरात के कुछ हिस्से), आज वहां भी रिकॉर्ड तोड़ बारिश और बाढ़ देखी जा रही है। यह पर्यावरण के असंतुलन को दर्शाती है। अनियोजित विकास की सीमाएं भी इसकी जिम्मेदार बनी हैं जैसे नदियों के प्राकृतिक रास्तो में दखल और कमजोर इंफ्रास्ट्रक्चर। इसके कारण ब्रह्मपुत्र और उसकी सहायक नदियों के किनारे अनियोजित निर्माण और अतिक्रमण के कारण नदियों का फैलाव क्षेत्र सिमट गया है।

हाल के वर्षों में भारत ने साल के लगभग 99 फीसदी दिनों में किसी न किसी कोने में चरम मौसम का सामना किया है। यदि हमने प्रकृति की इस चेतावनी को अब भी अनसुना किया और विकास की अंधी दौड़ में नदियों, जंगलों और पहाड़ों के प्राकृतिक संतुलन को नष्ट करना जारी रखा, तो वह समय दूर नहीं जब देश के अन्य हिस्सों को भी इसी तरह की विभीषिका का सामना करना पड़ेगा। राष्ट्रीय बाढ़ आयोग के अनुसार, 1954 से असम में लगातार हर साल बाढ़ का संकट देखा जा रहा है, जिसमें 2020, 2022 और वर्तमान वर्ष 2026 की बाढ़ सबसे विनाशकारी रही है। वर्ष 2026 में अत्यधिक बारिश और ऊपरी जलग्राहण क्षेत्रों में बादल फटने से आई बाढ़ के कारण अब तक अनुमानित सौ से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। लाखों लोग प्रभावित हुए हैं तथा कई जिले हाई अलर्ट पर हैं।

दरअसल असम में दशकों पुराने तटबंध अब पानी के इस अप्रत्याशित दबाव को झेलने में सक्षम नहीं हैं। यह देश के अन्य हिस्सों के लिए भी चेतावनी है कि बिना वैज्ञानिक आधार के बनाए गए बांध या इंफ्रास्ट्रक्चर विनाश को निमंत्रण देते हैं। पड़ोसी पहाड़ी राज्यों (जैसे नागालैंड और अरुणाचल प्रदेश) में बड़े पैमाने पर वनों की कटाई और अवैध खनन से मिट्टी का कटाव बढ़ा है। पहाड़ों से बहकर आने वाली गाद (मिट्टी) नदी के तल में जमा हो जाती है, जिससे नदियां उथली हो जाती हैं और थोड़ा सा पानी बढ़ते ही उफान पर आ जाती हैं। असल में असम की भौगोलिक स्थिति एक कटोरे के निचले हिस्से जैसी है, जहां ऊपर के पहाड़ी राज्यों में होने वाली किसी भी पर्यावरणीय छेड़छाड़ का सीधा असर असम के मैदानों पर पड़ता है। असम की बाढ़ पूरे देश के लिए सबक है कि पर्यावरण संरक्षण के लिए अंतर-राज्यीय और समठा नीति का होना कितना ज़रूरी है। ग्लोबल क्लाइमेट रिस्क इंडेक्स 2026 के आंकड़ों के मुताबिक, भारत जलवायु खतरों से प्रभावित होने वाले शीर्ष देशों में शामिल है। इन आपदाओं के कारण आर्थिक व सामाजिक मोर्चे पर भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। इसमें पहला है कृषि पर संकट, दूसरा है जीडीपी को झटका, तीसरा है गरीबी और पलायन। इस तबाही का सबसे पहला और गहरा असर समाज के गरीब, दैनिक वेतन भोगी और हाशिए के लोगों पर पड़ता है, जिन्हें अपनी आजीविका खोकर विस्थापित होना पड़ता है।

हालिया परिदृश्य के बाद अब यह समय केवल आपदा के बाद राहत और बचाव कार्य तक सीमित रहने का नहीं है, बल्कि ठोस नीतिगत बदलाव करने का है। इसके तहत भारत मौसम विज्ञान विभाग को सटीक पूर्वानुमान प्रणाली अपनाते हुए अत्याधुनिक रडार और एआई-संचालित मौसम मॉडलों से लैस करना होगा ताकि क्लाउडबर्स्ट और फ्लैश फ्लड जैसी घटनाओं की समय रहते सटीक चेतावनी मिल सके। प्रकृति आधारित समाधान में पहाड़ी क्षेत्रों में स्थानीय और देसी वृक्षों का बड़े पैमाने पर वनीकरण किया जाए, जो मिट्टी को मजबूती से जकड़ कर रखते हैं।

इसके साथ ही ईको-सेंसिटिव जोन का सम्मान कर पर्यावरण के लिहाज से संवेदनशील क्षेत्रों (जैसे हिमालय और पश्चिमी घाट) में भारी निर्माण कार्यों और अनियंत्रित पर्यटन पर तुरंत कड़े प्रतिबंध लगाने होंगे। वहीं स्पंज सिटीज का निर्माण अपनाकर शहरी विकास में ऐसे डिजाइनों को शामिल करना होगा, जो वर्षा जल को सोख सकें और जलभराव की स्थिति न बनने दे। निष्कर्ष रूप में यही कहा जा सकता है कि बाढ़, अतिवृष्टि और भूस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाएं कोई आकस्मिक घटनाएं नहीं हैं, बल्कि यह प्रकृति द्वारा दिया जा रहा रेड अलर्ट है। यदि हमने विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाना नहीं सीखा, तो प्रगति की यह इमारत जल्द ही ढह सकती है। अब समय आ गया है कि हम प्रकृति पर विजय पाने की जिद छोड़कर प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व के सिद्धांत को अपनाएं।

–डॉ. मोनिका शर्मा,
वरिष्ठ पत्रकार

लंदन डायरी : दुनिया का खूबसूरत आइलैंड है 'ऑइल ऑफ वाइट'

दुनिया में कुछ आइलैंड ऐसे हैं, जहां की खूबसूरती देखकर हर ट्रैवलर इनकी और खींचा चला जाता है। साफ नीला समुद्र, सफेद रेत वाले बीच, हरे-भरे जंगल और अनोखी संस्कृति इन जगहों को खास बनाती है। इन आइलैंड्स को उनकी प्राकृतिक सुंदरता, बेहतरीन सुविधाओं और शानदार ट्रैवल एक्सपीरियंस के लिए दुनिया भर में पहचान मिली है। ऐसा ही एक ISLE OF WIGHT यानि ऑइल ऑफ वाइट इंग्लैंड के सबसे खूबसूरत आइलैंड में से एक है। आइल ऑफ वाइट इंग्लैंड के दक्षिणी तट पर स्थित है और अपने खूबसूरत समुद्र तटों और अन्य आकर्षणों के लिए प्रसिद्ध है। आइलैंड का मतलब जमीन का वह भाग जो चारों तरफ पानी से घिरा हो। ऐसा ही एक दीप ऑइल ऑफ वाइट है जो इंग्लॅण्ड के दक्षिण तट पर बसा एक बड़ा दीप है। इस दीप के चहुंओर इंग्लिश चैनल नामक समुद्र का पानी है। सदियों से लोग आइल ऑफ़ वाइट घूमने आते रहे हैं। महारानी विक्टोरिया को यह द्वीप बहुत पसंद था और उनका गर्मियों का घर, ऑस्बोर्न हाउस, आज भी पर्यटकों के लिए खुला है। उनके संरक्षण की वजह से यह द्वीप पर्यटकों के बीच बहुत लोकप्रिय हो गया।

हमने सपरिवार इस दीप के भ्रमण का कार्यक्रम बनाया। सड़क से जुड़ा नहीं होने के कारण पहले हम साउथ लंदन के अपने घर से लगभग 120 किमी दूर PORTSMOUTH नामक बंदरगाह पहुंचे जहाँ से फेरी यानि पानी के जहाज से लगभग चालीस मिनट में FISHBOURNE बंदरगाह पहुंचे। हमारे पास दो गाड़ियां थी। एक PORTSMOUTH पार्किंग में रखी और दूसरी जहाज में हमारे साथ थी। जहाज के डेक का आनंद उठाते हुए FISHBOURNE बंदरगाह से अपनी कार से नीडल्स शहर और कुछ अन्य शहरों का भ्रमण करते हुए SHANKLIN नामक शहर के एक होटल पहुंचे जो समुद्र के किनारे बीच पर स्थित है।

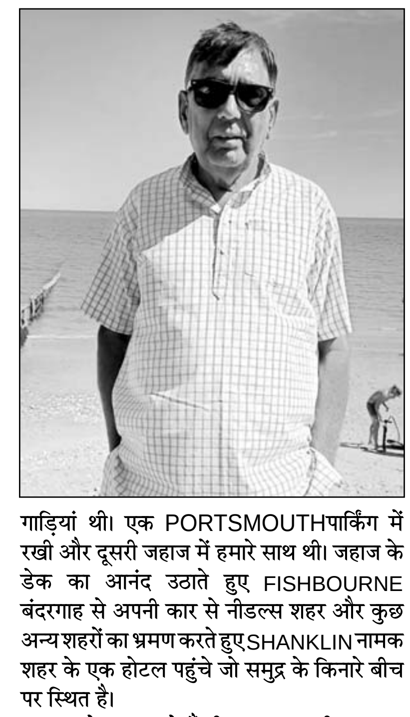

पहले बात करते हैं नीडल्स शहर की। यह इस दीप की सबसे फेमस जगह है। यहाँ समुद्र से तीस मीटर ऊँची सफ़ेद चाक की तीन चट्टानें है जो पानी में सुई की तरह खड़ी है। चटानों के आखिर में 1860 में बना लाइट हाउस है। पर्यटक यहाँ 120 मीटर ऊँची पहाड़ी के नज़ारे देखने के लिए पैदल या बस से जाते है। नीडल्स में इटली के वैज्ञानिक मारकोनी ने 1897 में दुनिया का पहला वायरलेस टेलीग्राफ स्टेशन स्थापित किया था। नेशनल म्यूजियम ट्रस्ट द्वारा संचालित स्टेशन अब नीडल्स ओल्ड बैटरी का एक भाग है। 1903 में पहली बार जहाज पर यहाँ से वायर लेस सन्देश भेजा गया था। उस समय की ये सबसे बड़ी घटना थी। यह स्टेशन 137 मीटर ऊँचे क्लिफ के ऊपर बना है। नीडल्स का वायर लेस स्टेशन अब ओल्ड बैटरी के अंदर म्यूजियम का हिस्सा है। 1960 के बाद टेक्नोलोजी बदलने से यह स्टेशन बंद हो गया। यहाँ अब पुराने टेलीग्राफ मशीन और एंटीना के अवशेष रखे है।

नीडल्स के भ्रमण के बाद SHANKLIN पहुंचे जहाँ होटल में विश्राम के बाद दूसरे दिन बीच का आनंद उठाया। ये एक किमी लम्बा ऑइल ऑफ वाइट का सबसे बढ़िया, साफ़ और खूबसूरत बीच है। यहां उठती समुद्री तरंगे और उफनता समुद्र मन को तरोताजा कर देता है। इसका प्राकृतिक दृश्य मन मोह लेने वाला है। वास्तव में यहां का मनोरम दृश्य तुलना से परे है। अच्छे मौसम ने हमें समुद्र में उतर कर नहाने, तैरने और अठखेलियां करने का अवसर प्रदान कर दिया।

–बाल मुकुंद ओझा,
वरिष्ठ लेखक और पत्रकार

"विश्वविद्यालयों में शिक्षकों की शून्य उपस्थिति : एक ऐतिहासिक उपलब्धि!"

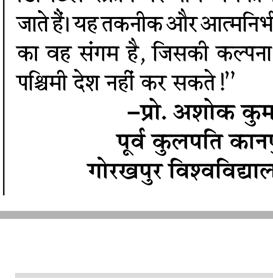

"यह अत्यंत गौरव का विषय है कि हमारे उच्च शिक्षण संस्थानों ने शिक्षकों से पूरी तरह मुक्ति पा ली है। अब न कोई वेतन का खर्च है, न ही फैकल्टी की गुटबाजी। छात्र अब पूरी तरह से स्वतंत्र हैं। दीक्षांत समारोहों को इतना आधुनिक बना दिया गया है कि अब उसमें छात्रों की उपस्थिति की आवश्यकता ही नहीं रही। केवल डिजिटल स्क्रीन पर नाम चमका दिए जाते हैं। यह तकनीक और आत्मनिर्भरता का वह संगम है, जिसकी कल्पना भी पश्चिमी देश नहीं कर सकते!"

–प्रो. अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति कानपुर,
गोरखपुर विश्वविद्यालय।

राशिफल

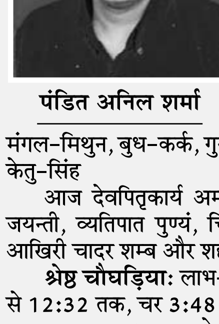

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 12 अगस्त, 2026

सावन मास, कृष्ण पक्ष, अमावस्या, बुधवार, विक्रम संवत 2083, पुष्य नक्षत्र प्रातः 8:00 तक, व्यतिपात योग दिन 3:26 तक, चतुष्पद करण दिन 12:30 तक, चन्द्रमा आज कर्क राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कर्क, चन्द्रमा-कर्क, मंगल-मिथुन, बुध-कर्क, गुरू-कर्क, शुक्र-कन्या, शनि-मीन राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज देवपितृकार्य अमावस्या, हरियाला अमावस्या, सरस माधुरी जयन्ती, व्यतिपात पुण्यं, चितलगी अमावस्या, करकट पूजा है। आज आखिरी चादर शम्ब और शहदते इमाम हसन है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:16 तक, शुभ 10:54 से 12:32 तक, चर 3:48 से 5:25 तक, लाभ 5:25 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 6:00, सूर्यास्त 7:03

मेष
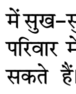
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में सुख-सुविधाओं में वृद्धि हो सकती है। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा।

वृष
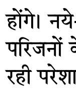
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। नये-पुराने मित्रों से संपर्क बनेंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान में चल रही परेशानियां दूर होने लगेगी।

मिथुन
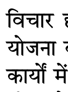
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। महत्वपूर्ण कार्य योजना बनेगी। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क
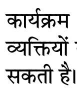
व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह
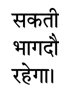
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी और मन में असंतोष बना रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कन्या
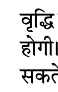
आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। घर में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

तुला
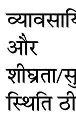
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक परेशानियां दूर होने लगेगी और व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक
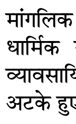
परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। आज मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। व्यावसायिक अड़चनें दूर होने लगेंगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

धनु
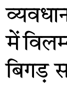
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।

मकर
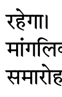
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में शुभ-धार्मिक-मांगलिक कार्य और धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक अड़चनें दूर होने लगेंगी।

कुंभ
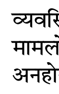
स्वास्थ्य में सुधार होगा। अस्त-व्यस्त कार्य व्यवस्थित होने लगेंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय दूर होगा।

मीन
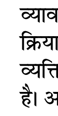
व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को मानसिक तनाव हो सकता है। आज अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

ARBiT

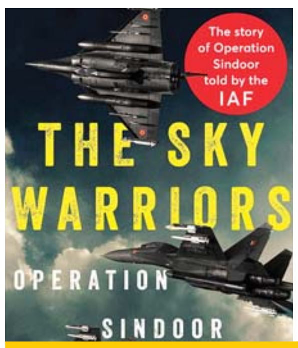

How The IAF Commandeered...

The split-second choices, the weight of command, the handling of modern state of the war waging equipment and the commitment of those who fly these war machines...

The Accidental Birth of Coca-Cola

Nehru Was Prime Minister In '46!

भाजपा ने राहुल गांधी पर दो मुंही राजनीति करने का आरोप लगाया

भाजपा का आरोप है कि जंतर-मंतर में छात्रों पर बल प्रयोग पर तो राहुल काफी मुखर हैं, पर, झारखंड में उनकी सहयोगी पार्टी की सरकार द्वारा किए गए छात्रों के दमन की वे अनदेखी कर रहे हैं

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 अगस्त। भाजपा पेपर लीक और छात्रों के आंदोलन को लेकर कांग्रेस के खिलाफ बाजी पलटने के लिए जी तोड़ कोशिश कर रही है।

भाजपा का निशाना राहुल गांधी हैं और सवाल यह उठाया जा रहा है कि झारखंड में आंदोलनकारी छात्रों पर पुलिस द्वारा लाठीचार्ज और पानी की बौछार किए जाने के मुद्दे पर राहुल गांधी चुप क्यों हैं।

झारखंड में कांग्रेस, झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) के नेतृत्व वाली सरकार में गठबंधन सहयोगी है और भाजपा का निशाना मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन हैं, जिनके पास शिक्षा विभाग भी है।

ऐसी कोई खबर सामने नहीं आई है कि राहुल गांधी ने हेमंत सोरेन से बात कर उनसे कई दिनों से जारी छात्र आंदोलन को समाप्त कराने के लिए कदम उठाने को कहा हो।

छात्रों की मांग है कि पेपर लीक मामले की सीबीआई जांच की घोषणा की जाए।

- **राहुल पर दो मुंही राजनीति करने का भाजपा का आरोप अतिशयोक्तिपूर्ण हो सकता है, पर सच यही है कि झारखंड के छात्र आंदोलन पर पुलिस के दमन पर चुप रहना राहुल की विश्वसनीयता पर प्रश्न चिह्न लगाता है।**
- **भाजपा पूरी कोशिश कर रही है कि राहुल की झारखंड पर चुप्पी को मुद्दा बनाकर राहुल की युवाओं के करीब जाने की नीति को विफल कर दिया जाए।**
- **ज्ञातव्य है कि अभी तक ऐसी कोई सूचना नहीं है कि इस मुद्दे पर राहुल गांधी ने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से बात की है।**

हेमंत सोरेन ऐसा करने के लिए तैयार नहीं हैं।

भाजपा अपनी मुख्यधारा की "गोदी मीडिया" का इस्तेमाल कर रही है। इन मीडिया संस्थानों के प्रतिनिधियों को रांची भेजकर आंदोलन को व्यापक कवरेज दिया जा रहा है और उसे बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जा रहा है। इसी प्रक्रिया में कांग्रेस और राहुल गांधी पर दोहरा मापदंड अपनाने का आरोप लगाया जा रहा है।

राहुल गांधी ने पेपर लीक और भाजपा के छात्र विरोधी रवैये के मुद्दे पर भाजपा के खिलाफ एक मजबूत राजनीतिक आधार तैयार किया था। कांग्रेस नेता ने जो बढ़त हासिल की थी, उसे भाजपा अपने आक्रामक अभियान के जरिए खत्म करने की कोशिश कर रही है।

इसकी झलक संसद में भी देखने को मिली, जहां एनडीए और विपक्षी गठबंधन के सांसद एक-दूसरे के खिलाफ नारे लगा रहे थे और वर्दीधारी सुरक्षाकर्मियों की एक बड़ी टुकड़ी दोनों पक्षों के बीच दीवार की तरह खड़ी थी, ताकि यदि कोई शारीरिक टकराव की स्थिति बने तो उसे रोका जा सके।

राहुल गांधी के लिए बेहतर होता कि वह हेमंत सोरेन से संपर्क करते और इस मुद्दे का समाधान निकालने की कोशिश करते, लेकिन ऐसा लगता है कि उन्होंने ऐसा नहीं किया है।

रांची में आंदोलन जितना लंबा खिंच रहा है, यह स्थिति राहुल गांधी के लिए उतनी ही अधिक नुकसानदेह होती जा रही है।

इस बीच, गृह मंत्री अमित शाह एक बार फिर सदन में नहीं आए। मानसून सत्र के समाप्त होने में अब केवल दो दिन बचे हैं और ऐसे में यह लगभग असंभव लग रहा है कि भाजपा जिन महत्वपूर्ण विधेयकों को पारित कराना चाहती है, उनमें से कोई भी पारित हो पाएगा।

15 अगस्त से ग्रामीण स्कूलों के लिए मुहिम छेड़ेगी सीजेपी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 अगस्त। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके ने मंगलवार को गांवों में सरकारी स्कूलों की स्थिति सुधारने के लिए एक राष्ट्रव्यापी अभियान की घोषणा की। उन्होंने अभिभावकों से स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं का सामाजिक ऑडिट करने और सरपंचों से इन संस्थानों की स्थिति सुधारने की जिम्मेदारी उठाने का आ ान किया।

- **सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने कहा कि इसकी शुरुआत वे महाराष्ट्र में अपने गाँव हिंगोली से करेंगे।**

यह अभियान 15 अगस्त से शुरू किया जाएगा। सीजेपी ने नागरिकों, अभिभावकों और गांव के नेताओं से मिलकर काम करने और ग्रामीण शिक्षा के बुनियादी ढांचे की कथित उपेक्षा को दूर करने का आ ान किया है।

एक वीडियो संदेश में दीपके ने कहा कि वे अपने गांव हिंगोली, महाराष्ट्र से इस पहल की शुरुआत करेंगे और वहां के सरकारी स्कूलों की स्थिति सुधारने के अनुरोध के साथ ग्राम प्रधान से संपर्क करेंगे।

दीपके ने कहा, आने वाले 15 अगस्त को हमारा 80वां स्वतंत्रता दिवस है। लेकिन पिछले 80 वर्षों में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आतंकी धमकी के बाद कश्मीरी पंडितों को छुट्टी पर भेजा

कश्मीर में सेवारत सैकड़ों कश्मीरी पंडित कर्मियों को 25 अगस्त तक प्रशासनिक अवकाश दिया गया है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 अगस्त। पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलइटी) से जुड़े एक समूह द्वारा कथित तौर पर जारी धमकी भरे पत्र के बाद सैकड़ों कश्मीरी पंडित कर्मचारियों को 25 अगस्त तक प्रशासनिक अवकाश पर भेज दिया गया है।

हाल ही में, एक कथित धमकी पत्र प्रसारित होने के बाद कश्मीरी पंडित कर्मचारियों में भय व्याप्त हो गया। इस पत्र में कुछ कर्मचारियों के नाम और उनके संपर्क विवरण भी दिए गए थे।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, प्रधानमंत्री के विशेष रोजगार पैकेज के तहत नियुक्त सभी कर्मचारियों को सुरक्षित स्थानों पर चले जाने की सलाह दी गई है। सूत्रों ने बताया कि धमकी पत्र में जिन कर्मचारियों के नाम शामिल थे, उन सभी को सुरक्षित रूप से जम्मू स्थानांतरित कर दिया गया है।

- **लश्कर-ए-तैयबा के धमकी वाले पत्र में कुछ कर्मचारियों का नाम भी है। उनका ट्रांसफर जम्मू कर दिया गया है, जो कर्मचारी कश्मीर में ही हैं, उन्हें घर पर ही रहने की हिदायत दी गई है।**
- **ज्ञातव्य है कि प्रधानमंत्री के स्पेशल रोजगार पैकेज के तहत 6,000 कश्मारी पंडितों को सरकारी नौकरी दी गई थी ताकि वे कश्मीर लौट सकें।**

कश्मीरी पंडित कर्मचारी अमित कौल ने कहा, धमकियों के बाद पुलिस ने हमें काम पर नहीं जाने की सलाह दी है। जो लोग अभी भी घाटी में रह रहे हैं, उनसे भी कहा गया है कि वे अपने घरों से बाहर न निकलें।

पुलिस ने कहा कि वह धमकियों की जांच कर रही है और कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक सुरक्षा उपाय किए जा रहे हैं।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, यह एहतियाती कदम है। हम इन धमकियों की जांच कर रहे हैं और सभी की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठा रहे हैं।

लगभग 6,000 कश्मीरी पंडितों को 2010 में शुरू किए गए प्रधानमंत्री के विशेष रोजगार पैकेज के तहत सरकारी नौकरियां दी गई थीं। इस पैकेज का उद्देश्य 1990 में अलगाववादी आंदोलन शुरू होने के बाद अपने पैतृक स्थान से विस्थापित हुए कश्मीरी पंडितों की वापसी और पुनर्वास को सुगम बनाना था।

शाह के संसद में बयान से भाजपा छात्र आंदोलन की इतिश्री चाहती है?

पर, राजनीति का कायदा है, अगर किसी दल का पलड़ा भारी हो तो वह उस लाभ से वंचित नहीं होना चाहता, तो क्या इसीलिए राहुल यह इतिश्री नहीं चाहते

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 अगस्त। 20 जुलाई को जंतर-मंतर पर प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस की कथित बर्बरता पर केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह से संसद में बयान देने की इंडिया ब्लॉक की मांग का रुख पलटने की स्पष्ट कोशिश के तहत, सत्तारूढ़ एनडीए के सांसदों ने आज संसद परिसर के भीतर मार्च निकाला और झारखंड में नौकरी के इच्छुक अभ्यर्थियों के खिलाफ हुई बर्बर पुलिस कार्रवाई को लेकर नारे लगाए।

जहां भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए के सांसद संसद के मकर द्वार के बाहर एकत्र हुए और झारखंड में छात्रों के खिलाफ हुई हिंसा का विरोध किया, वहीं विपक्ष ने अयोध्या में राम मंदिर के लिए मिले चंदे की कथित चोरी के खिलाफ प्रदर्शन किया और दिल्ली में 20 जुलाई को प्रदर्शनकारियों पर पुलिस की कार्रवाई को लेकर केन्द्रीय गृह मंत्री से बयान देने की मांग की।

- **राहुल गांधी ने यह भी कहा कि देश को सामान्य विषयों पर अमित शाह के बयान में दिलचस्पी नहीं है। देश जानना चाहता है कि क्या छात्रों पर पैलैट गन चलाने का आदेश उन्होंने दिया था।**

एनडीए सांसदों ने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी देशभर में हो रहे छात्रों के विरोध प्रदर्शनों पर बहस से "भाग रहे हैं", जबकि इंडिया ब्लॉक के सांसदों ने 20 जुलाई को पेपर लीक के विरोध में हुए छात्र प्रदर्शनों के दौरान कथित पुलिस ज्यादती को लेकर केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह की जवाबदेही तय करने की मांग की।

'मकर द्वार' पर विरोध-प्रदर्शन के दौरान, दोनों विरोधी पक्षों के सांसदों ने अपने-अपने मांगों वाले पोस्टर और तख्तियां हाथों में लेकर एक-दूसरे के खिलाफ नारे लगाए। लेकिन सुरक्षा कर्मियों ने दोनों पक्षों के बीच घेरा बनाकर उन्हें अलग रखा। एनडीए सांसद संसद पुस्तकालय से सदन के मुख्य

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

टोक्यो से नेताजी की अस्थियां भारत लायें

नई दिल्ली, 11 अगस्त। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को नेताजी सुभाष चंद्र बोस की बेटी की उस याचिका पर केन्द्र सरकार से जवाब मांगा, जिसमें टोक्यो के रेंकोजी मंदिर से उनकी अस्थियों को लाने का निर्देश देने की मांग की गई है।

चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहना की पीठ ने बोस की बेटी अनीता बी फाफ की ओर से दाखिल याचिका पर सुनवाई के दौरान केन्द्र को नोटिस जारी कर जवाब मांगा।

- **नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की बेटी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई।**

याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए वरिष्ठ वकील अभिषेक सिंघवी ने कहा कि उन्होंने लगातार और सार्वजनिक रूप से मांग की है कि उनके पिता के पार्थिव अवशेषों को सम्मानपूर्वक अंतिम संस्कार के लिए वापस लाया जाए।

ईरान की धमकी से अमेरिका बेहद भयभीत है, ट्रंप की सुरक्षा के बारे में

इसी डर के कारण तुर्की से वापसी के समय ट्रंप को गुप्त रूप से केटरिंग वैन में छुपाकर एक छोटे हवाई जहाज से वॉशिंगटन ले जाया गया

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 अगस्त। यह जॉन ली कार की जासूसी थ्रिलर जैसी कहानी लगती है। लेकिन तुर्की में नाटो की बैठक के बाद घर लौटते समय डॉनल्ड ट्रंप का विमान बदलने का जो तरीका अपनाया गया, वह ईरान के साथ तनाव के बाद अमेरिकी प्रशासन में फैले डर को असलियत में दिखाता है।

ईरानियों ने खुले तौर पर कहा था कि डॉनल्ड ट्रंप उनके मुख्य निशाने पर हैं और ईरानी गुप्तचर सेवा के लोग उन्हें खत्म कर देंगे। इसलिए अमेरिकी खुफिया तंत्र ने डॉनल्ड ट्रंप की वापसी की यात्रा को किसी जासूसी फिल्म थ्रिलर की तरह प्लान किया।

इस विस्तृत गुप्त यात्रा की कहानी मशहूर अखबार वॉशिंगटन पोस्ट ने सबसे पहले प्रकाशित की और बाद में दूसरे समाचार संगठनों ने भी इसकी पुष्टि की। याद किया जा सकता है कि राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन के कार्यकाल में वॉटरगेट कांड का खुलासा भी वॉशिंगटन पोस्ट ने ही किया था, जिसके बाद अंततः उन्हें (निक्सन) समय से पहले पद छोड़ना पड़ा था।

- **इस गुप्त यात्रा की पूरी कहानी वॉशिंगटन पोस्ट में छपी है कि कैसे ट्रंप को केटरिंग वैन में छुपाया गया और अधिकृत विमान की बजाय दूसरे विमान से ले जाया गया। हालांकि, पहले उन्हें अमेरिकी राष्ट्रपति के पारंपरिक विमान, विशाल बोइंग में चढ़ते हुए दिखाया गया।**
- **इसका उद्देश्य था कि अगर ईरान अपनी धमकी को अमल में लाते हुए ट्रंप को निशाना बनाता तो वह बोइंग पर ही हमला करता, जिसमें तमाम मीडिया कर्मियों ने सफर किया।**

अमेरिकी सीक्रेट सर्विस अभियान के तहत, ट्रंप को एक केटरिंग वैन में छिपाया गया और उनके आम तौर पर इस्तेमाल होने वाले विमान "एयर फोर्स वन" से हटाकर दूसरे विमान में ले जाया गया। इस गुप्त अभियान से पहले, राष्ट्रपति को उनके सामान्य अंदाज़ में विशाल बोइंग 747 विमान में सवार होते हुए दिखाया गया, जो अमेरिकी राष्ट्रपति को ले जाने वाला पारंपरिक विमान है।

जब राष्ट्रपति के विमान में सवार होने का यह वीडियो नाटक खत्म हो गया तो अमेरिका के राष्ट्रपति को जल्दी से विमान से उतारकर एक केटरिंग वैन में बिठाया गया, जो तुर्की के अंकारा हवाई अड्डे पर आधिकारिक विमान के पास ही खड़ी थी। बताया जाता है कि राष्ट्रपति को उसमें छिपाने के लिए केटरिंग ट्रक को विमान के नीचे बने कार्गो हैच (सामान लादने वाले दरवाज़े) के पास लाया गया था।

इसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति को जल्दी से विमान से उतारा गया और एक छोटे सी-32 परिवहन विमान तक ले जाया गया। यह विमान राष्ट्रपति को के. मिलिट्री एयरबेस ले गया। ट्रंप के विमान से उतरने के कुछ ही समय बाद असली "एयर फोर्स वन" को चालू किया गया और कुछ देर बाद वह ब्रिटेन के एयरबेस के लिए रवाना हो गया।

इस बीच, राष्ट्रपति के साथ मौजूद बाकी लोग, जिनमें प्रेस पूल के मीडिया कर्मी भी शामिल थे, राष्ट्रपति के विमान में ही राष्ट्रपति के बिना अपनी तय यात्रा पर आगे बढ़ गए। मीडिया कर्मियों को पता भी नहीं चला कि वे दुश्मन के हत्यारों (अगर कोई होते) के लिए

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कार्यकारिणी को शपथ दिलाई

अलवर । सर्राफा व्यापार समिति अलवर की नवीन कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह धूमधाम से आयोजित हुआ। समारोह में वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री संजय शर्मा ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत कर पदाधिकारियों को शपथ दिलाई । इस अवसर पर वन राज्यमंत्री संजय शर्मा ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि अलवर के आर्थिक विकास को मजबूती देने में सर्राफा व्यापार समिति की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि व्यापार और वाणिज्य को संगठित करने में हर पदाधिकारी की जिम्मेदारी बड़ी होती है। मंत्री ने विश्वास जताया कि नई कार्यकारिणी अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए अलवर के व्यापार को नई ऊंचाई पर ले जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार अलवर के चहुंमुखी विकास के लिए लगातार काम कर रही है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के "विकसित भारत" के संकल्प को साकार करने के लिए प्रदेश के सर्वांगीण विकास को प्राथमिकता दी जा रही है।

भाजपा निकाय चुनाव में मजबूती के साथ मैदान में उतरेगी : चौहान

टोंक। भाजपा जिला कार्यालय पर आगामी निकाय चुनावों को लेकर महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक जिलाध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चौहान की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष, वित्त आयोग के अध्यक्ष एवं अजमेर संभाग चुनाव प्रभारी अरुण चतुर्वेदी ने पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ निकाय चुनाव की तैयारियों को लेकर विस्तृत चर्चा की।

इस दौरान निकाय चुनाव में संगठन को और अधिक मजबूत करने, बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने तथा आगामी चुनावी रणनीति को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में वार्डवार संगठनात्मक स्थिति, स्थानीय स्तर पर जनसंपर्क, मतदाताओं से संवाद तथा केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। कार्यकर्ताओं से आपसी समन्वय के साथ पूरी मजबूती से चुनावी तैयारियों में जुटने का आह्वान किया । इस मौके पर अरुण चतुर्वेदी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का मजबूत संगठन और समर्पित कार्यकर्ता ही पार्टी की सबसे बड़ी ताकत हैं। निकाय चुनाव में प्रत्येक कार्यकर्ता को अपनी जिम्मेदारी पूरी निष्ठा के साथ निभाते हुए जनता के बीच सक्रिय रहना होगा। भाजपा जिलाध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चौहान ने कहा कि संगठनात्मक मजबूती, कार्यकर्ताओं की मेहनत और जनता के विश्वास के आधार पर भाजपा निकाय चुनाव में मजबूती के साथ मैदान में उतरेगी, भाजपा का मजबूत संगठन और समर्पित कार्यकर्ता ही पार्टी की सबसे बडी ताकत हैं। आगामी निकाय चुनाव में कार्यकर्ता पूरी एकजुटता के साथ मैदान में उतरकर भाजपा की नीतियों, केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों को जन-जन तक पहुंचाएंगे । इस अवसर पर जिला सह प्रभारी रामानंद गुर्जर, विधायक राजेन्द्र गुर्जर, रामसहाय वर्मा, पूर्व सांसद सुखबीर सिंह जौनपुरिया, पूर्व जिलाध्यक्ष राजेंद्र पराणा, सतीश चंदेल, गणेश माहुर, सत्यनारायण चौधरी, विजय बैंसला, पूर्व सभापति लक्ष्मी जैन, जिला महामंत्री विष्णु शर्मा, प्रभु बाडोलिया, संत कुमार जैन, शैलेंद्र चौधरी, रामचंद्र गुर्जर, बीना छामुनिया, नीलिमा आमेरा, पंकज पहाड़िया सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

निकाय चुनावों को लेकर भाजपा की महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक जिलाध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चौहान की अध्यक्षता में आयोजित हुई।

- आगामी चुनावों को लेकर भाजपा की संगठनात्मक बैठक आयोजित

गणेश मंदिर में विशेष कार्यक्रम आज

कोटपूतली। जिले की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं पर्यटन विरासत को बढ़ावा देने तथा पंच गौरव के उद्देश्यों को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन कोटपूतली-बहरोड़, नगर पालिका विराटनगर एवं पर्यटन विभाग, राजस्थान के संयुक्त तत्वावधान में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा । कार्यक्रम का आयोजन बुधवार, 12 अगस्त 2026 को शाम 6 बजे विराटनगर स्थित गणेश मंदिर में होगा। कार्यक्रम में क्षेत्र की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत, पर्यटन स्थलों तथा स्थानीय गौरव से जुड़े पहलुओं को प्रदर्शित एवं प्रचारित किया जाएगा। कार्यक्रम के माध्यम से विराटनगर की समृद्ध ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत को पर्यटन से जोड़ने, स्थानीय स्तर पर पर्यटन गतिविधियों को प्रोत्साहित करने तथा आमजन को जिले के गौरव एवं विरासत स्थलों के संरक्षण के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया जाएगा।

छात्रवृत्ति के लिए आय सीमा 8 लाख करने की मांग

दौसा (निसं.)। दौसा लोकसभा क्षेत्र के सांसद मुरारी लाल मीना ने अनुसूचित जाति (एससी) एवं अनुसूचित जनजाति (एसटी) के विद्यार्थियों की छात्रवृत्ति के लिए निर्धारित वार्षिक पारिवारिक आय सीमा 2.50 लाख से बढ़ाकर 8 लाख करने की मांग लोकसभा में उठाई। उन्होंने अतारांकित प्रश्न के माध्यम से सरकार से वर्तमान आय सीमा की समीक्षा करने की मांग की।

सांसद मुरारीलाल मीणा ने कहा कि महंगाई और बदलती सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों के बीच 2.50 लाख की आय सीमा के कारण कई पात्र विद्यार्थी छात्रवृत्ति के लाभ से वंचित हो रहे हैं। उन्होंने सरकार से यह भी पूछा कि एससी-एसटी विद्यार्थियों के लिए आय सीमा बढ़ाने का कोई प्रस्ताव विचाराधीन है या नहीं। जवाब में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय ने बताया कि एससी विद्यार्थियों के लिए प्री-मैट्रिक और पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजनाएं केंद्र प्रायोजित हैं, जबकि एसटी विद्यार्थियों से संबंधित छात्रवृत्ति योजनाएं जनजातीय कार्य मंत्रालय के माध्यम से संचालित की जाती हैं। छात्रवृत्ति का वितरण संबंधित राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों के माध्यम से किया जाता है। मंत्रालय ने बताया कि छात्रवृत्ति योजनाओं की समीक्षा और संशोधन निर्धारित प्रक्रिया के तहत अन्य हितधारकों तथा संबंधित मंत्रालयों एवं विभागों से परामर्श के बाद किया जाता है। सांसद मीना ने कहा कि एससी-एसटी वर्ग के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के समान अवसर उपलब्ध कराने के लिए छात्रवृत्ति की आय सीमा में समयानुकूल वृद्धि जरूरी है। आय सीमा 8 लाख किए जाने से बड़ी संख्या में पात्र विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति का लाभ मिल सकेगा।

डीएपी के लिए किसानों की लंबी कतार

भरतपुर (निसं)। भरतपुर की नई मंडी स्थित किसान क्रय-विक्रय सहकारी समिति पर मंगलवार को डीएपी खाद लेने के लिए किसानों की लंबी कतार लग गई। सुबह से ही बड़ी संख्या में किसान खाद लेने के लिए समिति परिसर में पहुंच गए। भीड बढ़ने के बाद मौके पर अफरा-तफरी की स्थिति बन गई, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। रेल चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और किसानों को समझाकर व्यवस्था संभाली। पुलिस की समझाइश के बाद फिलहाल स्थिति शांत है। किसानों का कहना है कि डीएपी खाद मिलने को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है। इसी वजह से किसान सरसों की बुआई शुरू होने से पहले ही खाद लेने के लिए बड़ी संख्या में समिति पहुंच रहे हैं। कई किसान रात और तड़के से ही कतार में लगने की बात कह रहे हैं। समिति ने कहा- सरसों की बुआई 15 सितंबर के बाद, किसान पैनिक न हों भरतपुर किसान क्रय-विक्रय सहकारी समिति लिमिटेड के प्रभारी मनीष कुमार शर्मा ने बताया कि भरतपुर में इफको की एक रैक लगी थी।

प्री-प्राइमेरी कक्षाओं का भुगतान भी होना चाहिए : अनिल शर्मा

- स्कूल शिक्षा परिवार ने सीएम के नाम विधायक को सौपा ज्ञापन

दौसा (निसं.)। स्कूल शिक्षा परिवार दौसा के जिला अध्यक्ष अनिल कुमार शर्मा के नेतृत्व में मंगलवार को गैर सरकारी स्कूल संचालको ने मुख्यमंत्री के नाम संबोधित एक ज्ञापन दौसा विधायक दीनदयाल बैरवा को सौपा।

जिला प्रभारी हेमन्द्र शर्मा ने बताया कि स्कूल शिक्षा परिवार दौसा के जिला अध्यक्ष अनिल कुमार शर्मा के नेतृत्व में मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन दौसा विधायक दीनदयाल बैरवा को सौपा गया। ज्ञापन में विभिन्न प्रकार की अवैध जांचों को तुरंत प्रभाव से रोके की मांग की गई। उन्होने बताया कि सभी तरह की सूचनाए पोर्टल पर पहले से ही मौजूद है फिर भी बार-बार उन्ही सूचनाओं को माँगकर अनावश्यक परेशान किया जा रहा है। साथ ही आरटीई मे प्री-प्राइमेरी कक्षाओं का भुगतान भी होना चाहिए क्योकि सरकार प्रवेश एलकेजी-यूकेजी एवं प्रेप व प्रथम चार कक्षाओं मे दे रही है परन्तु भुगतान प्रथम कक्षा से होता है। ऐसे मे प्री प्राइमेरी कलाओं को बिना भुगतान के कैसे पढ़ाये। स्कूलो का भुगतान डीबीटी के के माध्यम से होना चाहिए तथा जो अधिकारी भुगतान में अनावश्यक देरी करें उन पर जुर्माना होना चाहिए। उन्होने बताया कि फीस एक्ट है तो सरकारी स्कूलों की तरह विभाग व पुलिस अधिकारियों का टीसी के लिए दबाव नहीं होना चाहिए, विभाग की ओर से बिना फीस दिए टीसी जारी करने के निर्देश की बजाय फीस जमा करके तुरंत टीसी जारी करने के आदेश देने चाहिए। बाल संसद में की गई घोषणाओं जैसे लैपटॉप छात्रवृतियां व विभिन्न पुरस्कारों को गैर सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों को भी देना चाहिए। गैर सरकारी विद्यालय के कर्मचारियों का भी एक्सीडेंटल बीमा लागू होना चाहिए जिसमें संस्था अपना योगदान देने के लिए भी तैयार है। उन्होने बताया कि इस प्रकार की विभिन्न मांगों को सरकार यदि 15 अगस्त तक नहीं मानती है तो 21 अगस्त को विधानसभा घेराव व अनिश्चितकालीन पडाव किया जायेगा। इस दौरान सियाराम सतावन, विजय शंकर शर्मा, मनोज हरितवाल, रफीक अहमद, विनोद शर्मा, राजेश शर्मा, ऋषिराज मीणा, राम शर्मा, ओम प्रकाश जांगिड, विनोद गौड, जगमोहन शर्मा, अनिल पटेल आदि संचालक उपस्थित रहे।

निकाय-पंचायती राज चुनावों को लेकर कांग्रेस ने कसी कमर

फुलेरा। आगामी नगरीय निकाय एवं पंचायती राज चुनावों को लेकर जयपुर ग्रामीण पश्चिम कांग्रेस कमेटी की संगठनात्मक बैठक आयोजित हुई। बैठक में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने, कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने तथा चुनावी तैयारियों को लेकर विस्तृत मंथन किया गया।

नेताओं ने कार्यकर्ताओं से आपसी समन्वय के साथ जनता के बीच सक्रिय रहकर संगठन को मजबूत करने का आव्हान किया।

- जयपुर ग्रामीण पश्चिम कांग्रेस की बैठक में संगठन मजबूती और चुनावी रणनीति पर मंथन

बैठक में जिला अध्यक्ष एवं विधायक विद्याधर सिंह चौधरी, जयपुर ग्रामीण से कांग्रेस प्रत्याशी रहे अनिल चोपड़ा, पूर्व मंत्री बाबूलाल नागर, कांग्रेस सह प्रभारी चिरंजीव राव, अभिषेक चौधरी, हरीश यादव, सोशल मीडिया प्रभारी रामकिशोर चौधरी सहित कांग्रेस के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बैठक में मौजूद कांग्रेस के पदाधिकारी व कार्यकर्ता।

नेताओं ने आगामी चुनावों में संगठन की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए बूथ स्तर तक संपर्क और जनसंवाद बढ़ाने पर जोर दिया।

बैठक में फुलेरा क्षेत्र से जितेंद्र अग्रवाल, जिला सोशल मीडिया प्रभारी शैलेन्द्र शर्मा, दयानंद चौधरी, ब्लॉक अध्यक्ष निरंजन निठारवाल, गणेश बिजारणिया, योगेश सैनी, हरि शरण चतुर्वेदी सहित अन्य पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। जिला अध्यक्ष विद्याधर सिंह चौधरी ने कहा कि कांग्रेस संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। कार्यकर्ताओं की एकजुटता और मेहनत के बल पर आगामी जिला परिषद, पंचायत समिति, पार्षद एवं मेयर चुनावों में पार्टी मजबूती से मैदान में उतरेगी। बैठक में कार्यकर्ताओं से आपसी मतभेद भुलाकर संगठन हित में एकजुट होने, गांव-ढाणी एवं वार्ड स्तर तक जनसंपर्क बढ़ाने और आगामी चुनावों की तैयारियों में अभी से जुटने का आव्हान किया गया।

तिरंगा व वंदे मातरम प्रदर्शनी को सराहा

टोंक। हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत तिरंगा एवं वंदे मातरम विषय पर आधारित प्रदर्शनी का आयोजन नगर परिषद सभागार, अग्निशमन केन्द्र टोंक में किया गया।

आमजन ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर इसे सराहा। प्रदर्शनी के माध्यम से वंदे मातरम गीत और तिरंगे के साथ हमारे पूर्वजों ने जिस प्रकार बलिदान देते हुए देश को आजादी दिलाई आने वाली पीढियों को उस गौरवशाली इतिहास से प्रेरणा मिलेगी। इससे युवाओं एवं विद्यार्थियों में राष्ट्रप्रेम और देशभक्ति की भावना का संचार होगा। हर घर तिरंगा अभियान के तहत राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम एवं तिरंगे के महत्व, इतिहास, विकास यात्रा तथा देश की आजादी में इनके योगदान को प्रदर्शनी के माध्यम से प्रदर्शित किया गया है। इससे युवा एवं आमजन देश के गौरवशाली इतिहास का स्मरण करते हुए गौरव का अनुभव करेंगे। प्रदर्शनी में फ्लेक्स एवं स्टैंडी के माध्यम से तिरंगे तथा राष्ट्रगीत वंदे मातरम के गौरव, महत्व एवं इतिहास से जुडे विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं को आकर्षक ढंग से प्रदर्शित किया गया है। प्रदर्शनी का उद्देश्य आमजन, युवाओं एवं विद्यार्थियों में देशभक्ति एवं राष्ट्रीय भावना को सुदृढ़ करना है।

35 साल के इंतजार के बाद मिला पट्टा

- शहरी सेवा शिविर के दौरान नगर पालिका फुलेरा की अधिशासी अधिकारी (ईओ) महिमा सोनी ने वर्षों से लंबित पत्रावलियों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित करने के निर्देश दिए।

फुलेरा। राज्य सरकार के निर्देशों के तहत आमजन को मूलभूत नागरिक सुविधाएं एवं राहत उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संचालित 'शहरी सेवा शिविर 2026' आमजन के लिए राहत का बड़ा माध्यम साबित हो रहा है। शिविर के दौरान एक संवेदनशील और वर्षों पुराने प्रकरण का सुखद निस्तारण करते हुए 35 वर्षों से पट्टे के लिए प्रयासरत मिश्र कॉलोनी, फुलेरा निवासी लक्ष्मण सिंह सांखला (सुपुत्र दुर्गा सिंह सांखला) को उनके भूखंड/मकान का पट्टा जारी कर मालिकाना हक प्रदान किया गया। लक्ष्मण सिंह सांखला पिछले करीब साढ़े तीन दशकों से अपने भूखंड/मकान के पट्टे के लिए प्रयासरत थे। विभिन्न तकनीकी पेचीदगियों एवं प्रक्रियात्मक देरी के चलते उनकी पट्टा पत्रावली लंबे समय से लंबित थी। शहरी सेवा शिविर के दौरान नगर पालिका फुलेरा की अधिशासी अधिकारी (ईओ) महिमा सोनी ने वर्षों से लंबित पत्रावलियों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित करने के निर्देश दिए। इसी क्रम में लक्ष्मण सिंह सांखला का 35 वर्ष पुराना प्रकरण सामने आने पर ईओ ने संवेदनशीलता दिखाते हुए नियमानुसार आवश्यक प्रक्रियाएं त्वरित गति से पूरी करवाकर पट्टा जारी कराया। पट्टा हाथ में आते ही भावुक हुए लाभार्थी। शिविर में ईओ महिमा सोनी ने स्वयं लक्ष्मण सिंह सांखला को पट्टा सौंपा। साढ़े तीन दशकों के लंबे इंतजार के बाद अपने आशियाने का आधिकारिक दस्तावेज हाथ में पाकर लक्ष्मण सिंह भावुक हो गए। उन्होंने ईओ महिमा सोनी एवं नगर पालिका प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए इस जनहितैषी और पारदर्शी कार्यशैली की सराहना की। ईओ महिमा सोनी ने कहा, शहरी सेवा शिविर का मुख्य उद्देश्य ही यही है कि आमजन के जायज और वर्षों से लंबित कार्यों का पारदर्शी एवं त्वरित समाधान हो सके। शासन की मंशा के अनुरूप अंतिम पंक्ति में बैठे व्यक्ति तक राहत पहुंचाना हमारी प्राथमिकता है।

तबदला की सूचना मिलते ही निगम कमिश्नर का लोगों ने किया घेराव, पुलिस बुलानी पड़ी

- सफाईकर्मी ऑफिस में घेरकर खड़े हुए, बोले- नौकरी की फाइल अटकी अब नए आयुक्त लक्ष्मी कांत कटरा

अलवर। कई अधिकारियों का जब तबादला होता है तो लोग उनके जाने पर दुख जताते है लेकिन यहां उल्टा ही नजारा देखने को मिला जैसे ही नगर निगम आयुक्त सोहन सिंह नरूका का तबादला होने की सूचना लोगों की मिली तो उन्होंने नगर निगम में एकत्रित होकर आयुक्त का घेराव कर लिया आखिर में आयुक्त को अपने को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए पुलिस को बुलाना पडा ऐसा इसलिए हुआ क्योकि निगम आयुक्त ने लंबे समय से सफाई कर्मियों की नियुक्ति फाईल अटका कर रखी थी। अब नए आयुक्त के रूप में लक्ष्मी कांत कटरा पदभार ग्राहण करेंगे।

मामला इस प्रकार है दरअसल, अलवर नगर निगम में साल 2012 के अभ्यर्थियों का कहना है कि कोर्ट की ओर से नियुक्ति के आदेश दिए जाने के बावजूद, अब तक उन्हें जॉइनिंग नहीं दी गई है। उनका आरोप है कि नियुक्ति से जुड़ी फाइल नगर निगम आयुक्त के स्तर पर अटकी रही।

इसी बीच नगर निगम आयुक्त सोहन सिंह नरूका का भरतपुर ट्रांसफर ऑर्डर आ गया। इसकी सूचना पर वाल्मीकि समाज के लोग बड़ी संख्या में नगर निगम ऑफिस पहुंचे। समाज के लोगों ने नियुक्ति की मांग को लेकर आयुक्त का विरोध शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि जब तक 329 अभ्यर्थियों की नियुक्ति को लेकर कार्रवाई नहीं होती, वे आयुक्त को ऑफिस से बाहर नहीं जाने देंगे।

मामले की सूचना पर कोतवाली थाना और अखेपुरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। निगम ऑफिस में प्रदर्शनकारियों और अधिकारियों के बीच जमकर बहस हुई। निगम आयुक्त सोहन सिंह नरूका और वाल्मीकि समाज के बीच बातचीत हुई। इसके बाद वे रवाना हुए।

भिवाड़ी में 17.30 करोड़ के ऋण के लिए लोगों ने आवेदन किया

खैरथल। उद्योगों को गति देने के लिए राजस्थान वित्त निगम ने मंगलवार को रीको गेस्ट हाउस, औद्योगिक क्षेत्र भिवाड़ी में मेगा बिजनेस कैम्प लगाया। कैम्प में उद्योग स्थापित करने के इच्छुक उद्यमियों को निगम की विभिन्न ऋण योजनाओं की जानकारी दी गई और मौके पर ही ऋण आवेदन तैयार करवाए गए। कैम्प में कुल 17.30 करोड़ के ऋण आवेदन प्राप्त हुए। रीको भिवाड़ी में लगे इस मेगा कैम्प से माना जा रहा है कि क्षेत्र में नए उद्योगों की स्थापना को बढ़ावा मिलेगा और युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे।

- युवाओं को 5.50 प्रतिशत ब्याज पर 2 करोड़ तक का लोन, उद्योग लगाने के इच्छुक उद्यमियों को दी पूरी जानकारी

राजस्थान वित्त निगम ने भिवाड़ी में मेगा कैम्प का आयोजन कर बेरोजगारों से ऋण आवेदन तैयार करवाए ।

कैम्प में अधिकारियों ने बताया कि राजस्थान वित्त निगम उद्योग, होटल, गेस्ट हाउस, अस्पताल और विभिन्न सेवा क्षेत्र की इकाइयों को वित्तीय सहायता देता है।

रीको द्वारा आवंटित भूमि पर लगने वाली परियोजनाओं के लिए भी विशेष ऋण सुविधा उपलब्ध है। सबसे खास "युवा उद्यमिता प्रोत्साहन योजना" रही। इसके तहत पात्र उद्यमियों को मात्र 5.50 प्रतिशत वार्षिक ब्याज दर पर अधिकतम 200 लाख तक का ऋण दिया जा रहा है। कैम्प में उद्यमियों को योजनाओं की पात्रता, आवेदन प्रक्रिया और वित्तीय सहायता से जुड़ी हर जानकारी दी गई। निगम के अधिकारियों ने मौके पर ही इच्छुक लोगों के ऋण आवेदन भी तैयार करवाए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए निगम के महाप्रबंधक पंकज पुरोहित उप महाप्रबंधक रविन्द्र और प्रबंधक प्रकाश ने कहा कि राजस्थान वित्त निगम प्रदेश में औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए निरंतर काम कर रहा है।

विधायक पटेल ने किया विकास कार्यों का लोकार्पण

पावटा। कोटपूतली विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों को गति देते हुए मंगलवार को टोरडा गुर्जरान एवं बेरी बांध में विभिन्न विकास कार्यों के शिलान्यास एवं उद्घाटन समारोह आयोजित किए गए। कैबिनेट मंत्री हंसराज पटेल की धर्मपत्नी राधा हंसराज पटेल ने करीब 4 करोड़ 84.75 लाख रुपए की लागत से होने वाले विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया। टोरडा गुर्जरान स्थित उप स्वास्थ्य केंद्र में आयोजित कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र में सड़क, नाला, इंटरलॉकिंग, पेयजल एवं स्वास्थ्य सुविधाओं से जुड़े विकास कार्यों की सौगात दी गई। इनमें गौरवा से रामेश्वर लोमोड़ होते हुए रामेश्वर छावड़ी तक सीसी सड़क एवं नाला निर्माण, बीरबल पटवारी से मुख्य चौपाल तक सीसी सड़क, ओंकार सरपंच से राजू अवाना की ओर इंटरलॉकिंग कार्य तथा मंगलदास बगीची से बरड़ा की ओर सड़क निर्माण शामिल हैं। इसके साथ ही चांदोली मोड़ टोरडा पर सिंगल फेस बोरिंग तथा उप स्वास्थ्य केंद्र टोरडा गुर्जरान से संबंधित कार्यों का भी उद्घाटन किया गया।

सार-समाचार

नीट-2026 में चयनित प्रतिभाओं का सम्मान

पावटा। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पावटा में मंगलवार को नीट-2026 में चयनित प्रतिभावान छात्र-छात्राओं के सम्मान में भव्य समारोह आयोजित किया गया। समारोह में विद्यार्थियों की सफलता पर विद्यालय परिवार, अभिभावकों एवं क्षेत्रवासियों ने खुशी जताते हुए चयनित विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विराटनगर विधायक कुलदीप धनकड़ ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में उपखंड अधिकारी पावटा बृजेश कुमार, प्रधान लालाराम यादव एवं मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी धर्मवीर जिंदोलिया मौजूद रहे। कार्यक्रम का कुशल संचालन विद्यालय के उपप्राचार्य वीरेंद्र अग्रवाल ने किया । कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय के प्रधानाचार्य मनीष कुमार गोयल द्वारा अतिथियों के स्वागत से हुई। प्रधानाचार्य ने विद्यालय की वार्षिक प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए कहा कि विद्यालय में लगातार शैक्षिक गुणवत्ता को बेहतर बनाने के प्रयासों का परिणाम है कि यहां के विद्यार्थियों ने नीट जैसी प्रतिष्ठित परीक्षा में सफलता हासिल कर विद्यालय एवं पावटा क्षेत्र का नाम रोशन किया है। 'सरकारी स्कूलों के बच्चे भी देश के शीर्ष संस्थानों तक पहुंचें' अध्यक्षीय उद्बोधन में विधायक कुलदीप धनकड़ ने चयनित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि पावटा के विद्यार्थियों ने नीट में सफलता हासिल कर पूरे क्षेत्र को गौरवान्वित किया है। उन्होंने कहा कि सरकार और जनप्रतिनिधियों का दायित्व है कि ग्रामीण क्षेत्र के सरकारी विद्यालयों में भी आधुनिक संसाधन एवं बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं, ताकि गांव-कस्बों के प्रतिभावान बच्चे भी देश के प्रतिष्ठित संस्थानों तक पहुंच सकें। शिक्षा ही किसी भी समाज की असली ताकत है और विद्यार्थियों की सफलता आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणा है। समारोह के दौरान स्माइल फाउंडेशन, दिल्ली के सहयोग से विद्यालय में स्थापित नव-निर्मित कंप्यूटर लैब का अतिथियों ने अवलोकन किया। लैब में उपलब्ध सुविधाओं की सराहना करते हुए अतिथियों ने इसे विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीक से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा कि डिजिटल शिक्षा आज के दौर में विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। कार्यक्रम के समापन से पूर्व अतिथियों एवं विद्यालय परिवार द्वारा विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण किया गया। इस दौरान पर्यावरण संरक्षण एवं पौधरोपण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनकी नियमित देखभाल करने के लिए प्रेरित किया गया। नीट-2026 में चयनित प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को अतिथियों द्वारा शॉल, श्रीफल एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। सम्मान पाकर विद्यार्थियों के चेहरे खुशी से खिल उठे। विद्यालय के शिक्षक एवं अभिभावकों ने विद्यार्थियों की सफलता को विद्यालय की मेहनत और विद्यार्थियों के समर्पण का परिणाम बताया। समारोह में विद्यालय के शिक्षक गण, अभिभावक एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय स्टाफ की ओर से सभी अतिथियों एवं उपस्थित जनों का आभार व्यक्त किया गया।

संत रामप्रकाश जी महाराज ने सुनाई दादू वाणी की अमृतमयी साखी

फुलेरा। श्री दादू आश्रम, फुलेरा में श्रद्धा एवं भक्ति के साथ दादू वाणी कथा, सत्संग, महाआरती एवं महाप्रसादी का भव्य आयोजन हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर दादू वाणी का श्रवण किया और आध्यात्मिक लाभ प्राप्त किया। पूज्य संत श्री रामप्रकाश जी महाराज ने अपने मुखारविंद से संत दादू दयाल जी महाराज की अमृतमयी वाणी का रसपान कराया। उन्होंने सत्संग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए दादू वाणी की साखी सुनाई-सत्संग नित प्रति कीजिये, मति होय निर्मल सार रे रुचि प्राण पतीजे, अति लह सुख अपार रे। महाराज श्री ने कहा कि नियमित सत्संग से मन एवं बुद्धि निर्मल होती है। प्रभु के प्रति प्रेम और श्रद्धा बढ़ती है तथा व्यक्ति को जीवन में सच्चे एवं अपार आनंद की अनुभूति होती है। उन्होंने श्रद्धालुओं से सत्संग, सेवा और सदाचार को जीवन का हिस्सा बनाने का आ ान किया। कथा एवं सत्संग के उपरांत भव्य महाआरती हुई। इसके बाद श्रद्धालुओं को महाप्रसादी वितरित की गई। महाप्रसादी की सेवा श्री बृजकिशोर जी सोखिया (मुंबई), श्री श्याम सोखिया (जयपुर) एवं श्री अशोक सोखिया (जयपुर) के सौजन्य से संपन्न हुई। कार्यक्रम के दौरान पूरे आश्रम परिसर में भक्तिमय एवं आध्यात्मिक वातावरण बना रहा। अंत में श्रद्धालुओं ने संत दादू दयाल जी महाराज के प्रेम, सेवा, समरसता एवं सत्संग के संदेश को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। यह जानकारी श्री दादू आश्रम के व्यवस्थापक धर्मदास स्वामी ने दी।

ई-मित्र कियोस्क पर अनियमितताएं मिलने पर लाइसेंस निलम्बित

अलवर। जिले में संचालित ई-मित्र कियोस्क के निरीक्षण के दौरान विभिन्न अनियमितताएं मिलने पर निलम्बन व शास्ति आरोपित करने की कार्रवाई की गई। सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग की संयुक्त निदेशक (सिस्टम एनालिस्ट) श्रीमती नीतू बसवाल ने बताया कि ई-मित्र संचालक मोहित वर्मा के विरूद्ध प्राप्त शिकायत में जांच के दौरान कियोस्क द्वारा निर्धारित राशि से अधिक राशि वसूलना पाया गया, जिसको ओवर चार्जिंग की श्रेणी में आने पर राज्य सरकार की ईओआई गाइडलाइन के अनुसार संबंधित ई-मित्र कियोस्क को 7 दिवस के लिए निलंबित किया गया है। इसी प्रकार ई-मित्र संचालक पंकज गुप्ता एवं मोनिका के कियोस्क का निरीक्षण करने पर रेट लिस्ट प्रदर्शित होना नहीं पाई गई, जिस पर राज्य सरकार की ईओआई गाइडलाइन के अनुसार उक्त अनियमितता पर संबंधित कियोस्क पर एक हजार रूपये की शास्ति आरोपित की गई। उन्होंने सभी ई-मित्र संचालकों को निर्धारित शुल्क ही वसूलने व रेट लिस्ट प्रमुख स्थान पर स्थायी रूप से लगाने के निर्देश दिये है तथा आमजन से किसी भी अनियमितता की सूचना विभाग को देने की अपील की है।

सड़क दुर्घटना में युवक की मृत्यु

कोटपूतली । कस्बे से होकर गुजर रहे दिल्ली-जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर मंगलवार दोपहर हुई सड़क दुर्घटना में ग्राम पनियाला मोड़ के पास एक युवक की मृत्यु हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार कस्बे के शरण मार्केट निवासी सचिन (27) पुत्र ओमप्रकाश गुप्ता स्कूटी पर सवार होकर जा रहा था। जिसे पनियाला मोड के पास डम्पर ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल युवक को राजकीय बीडीएम जिला अस्पताल पहुंचाया गया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मृतक के शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सुपुर्द किया। मृतक का बेहद गमगीन माहौल में मंगलवार शाम बानसूर रोड स्थित मोरीजावाला मोक्ष धाम में अन्तिम संस्कार किया गया।

एडीएम ओमप्रकाश सहारण का स्थानान्तरण

कोटपूतली । राज्य सरकार द्वारा मंगलवार को जारी की गई 183 आरएएस अधिकारियों की तबादला सूची में विगत लगभग ढ़ाई वर्षों से यहां कार्यरत अतिरिक्त जिला कलक्टर (एडीएम) ओमप्रकाश सहारण का स्थानान्तरण कर दिया गया। सहारण को एडीएम जोधपुर शहर के पद पर लगाया गया है। उनके स्थान पर जयपुर नगर निगम में उपायुक्त पद पर कार्यरत अशोक कुमार शर्मा प्रथम को स्थानान्तरण कर एडीएम कोटपूतली लगाया गया है।

दो दिवसीय तिरंगा प्रदर्शनी शुरु

भरतपुर (निसं)। हर घर तिरंगा अभियान 2026 के तहत जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र परिसर में मंगलवार को दो दिवसीय तिरंगा प्रदर्शनी एवं जागरूकता शिविर का शुभारंभ किया गया। एडीएम प्रशासन राजीव शर्मा एवं एडीएम सिटी राहुल सैनी ने संयुक्त रूप से फीता काटकर प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। एडीएम प्रशासन राजीव शर्मा ने प्रदर्शनी में लगाए गए विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन किया तथा चरखा संचालन, हाथ से निर्मित तिरंगे एवं खादी उत्पादों की जानकारी ली। उन्होंने हस्तशिल्प कलाकारों एवं कारीगरों से संवाद कर उनके उत्पादों से जुड़े श्रमिकों, आर्थिक सहायता, बाजार की उपलब्धता तथा कार्य के दौरान आने वाली चुनौतियों के संबंध में फीडबैक लिया। एडीएम प्रशासन ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान केवल राष्ट्रभक्ति की भावना को मजबूत करने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके माध्यम से देशी उत्पादों, खादी एवं हस्तशिल्प को बढ़ावा देकर स्थानीय कारीगरों एवं शिल्पकारों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का प्रयास भी किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदर्शनी का उद्देश्य आमजन को स्थानीय उत्पादों के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें स्वदेशी उत्पाद खरीदने के लिए प्रेरित करना है। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी के ग्राम स्वावलंबन एवं स्वदेशी के विजन को आगे बढ़ाते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में निर्मित उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराना आवश्यक है। उन्होंने जिलेवासियों से अपील की कि वे प्रदर्शनी में पहुंचकर स्थानीय हस्तशिल्प एवं खादी उत्पादों की खरीदारी करें तथा कारीगरों का उत्साहवर्धन करें। प्रदर्शनी के शुभारंभ अवसर पर एडीएम प्रशासन राजीव शर्मा एवं एडीएम सिटी राहुल सैनी ने हरियालो राजस्थान अभियान के तहत पौधारोपण भी किया।

मुख्य सचिव ने बाह्य सहायता प्राप्त परियोजनाओं की समीक्षा बैठक ली

55 हजार करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं की समीक्षा

जयपुर। मुख्य सचिव की अध्यक्षता में मंगलवार को सचिवालय में बाह्य सहायता प्राप्त परियोजनाओं की समीक्षा हेतु बैठक आयोजित की गई। बैठक में भारत सरकार की आर्थिक मामलात सचिव अनुराधा ठाकुर एवं मुख्य सचिव के मध्य राज्य में संचालित बाह्य सहायता प्राप्त परियोजनाओं की प्रगति, भावी प्राथमिकताओं तथा नवाचारों पर विस्तृत चर्चा हुई तथा केंद्र-राज्य समन्वय को सुदृढ़ करने पर विचार-विमर्श किया गया।

बैठक में भारत सरकार के आर्थिक कार्य विभाग के अधिकारियों सहित राज्य के वित्त एवं आयोजना विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्य सचिव ने बैठक में बताया कि सिंगल नोडल एजेंसी प्रणाली के सुदृढ़ीकरण हेतु एसएनए स्पर्श तथा वित्तीय लेनदेन को त्वरित व पारदर्शी बनाने वाली साइबर ट्रेजरी प्रणाली सफलतापूर्वक संचालित की जा रही है। आर्थिक कार्य सचिव अनुराधा ठाकुर ने इन नवाचारों की सराहना करते हुए कहा

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में मंगलवार को सचिवालय में बाह्य सहायता प्राप्त परियोजनाओं की समीक्षा हेतु बैठक आयोजित हुई।

कि यह अन्य राज्यों के लिए भी एक अनुकरणीय मॉडल है।

बैठक में कौशल विकास तथा उच्च व तकनीकी शिक्षा क्षेत्रों में नई परियोजनाओं को चिह्नित करने पर विस्तृत संवाद हुआ। आर्थिक कार्य सचिव ने सुझाव दिया कि अर्बन मोबिलिटी, सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट, हाईवे विकास व अक्षय ऊर्जा क्षेत्रों में पीपीपी मॉडल के माध्यम से निजी पूंजी के प्रभावी एकीकरण की दिशा में कार्य किया जाए, जिस पर संबंधित विभागों को आवश्यक कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए गए।

मुख्य सचिव ने जयपुर मेट्रो फेज-(एडीबी) के अंतर्गत 13 हजार करोड़ रुपये से अधिक की लागत से बनने वाली 41 किमी लंबी मेट्रो लाइन (प्रहलादपुरा से टोडी मोड़) की प्रगति की समीक्षा की। द्वितीयक शहर विकास परियोजना के तहत 26 शहरों में पेयजल-सीवरेज कार्यों के 95 प्रतिशत से अधिक पूर्ण होने तथा 18 लाख से अधिक आबादी को लाभ मिलने की

- बैठक में कौशल विकास, पीपीपी मॉडल तथा एसएनए स्पर्श व साइबर ट्रेजरी जैसे वित्तीय नवाचारों की सराहना

जानकारी साझा की गई। सूत्रा (सतत शहरी परिवर्तन) योजना के अंतर्गत जयपुर, जोधपुर, कोटा व भरतपुर में अर्बन मोबिलिटी व ग्रीन स्पेस विकास पर चर्चा हुई। राज्य राजमार्ग निवेश कार्यक्रम के तहत 900 किमी से अधिक राजमार्गों के सुदृढ़ीकरण की समीक्षा की गई।

बैठक के अंत में आर्थिक मामलात सचिव अनुराधा ठाकुर एवं मुख्य सचिव सभी परियोजनाओं के सफल निष्पादन, उच्च गुणवत्ता मानकों तथा निर्धारित समयावधि में वित्तीय प्रगति सुनिश्चित करने के लिए निरंतर समन्वय बनाए रखने पर सहमत हुए।

दिवंगत राज्यपाल कमला से जुड़े भूमि विवाद में आदेश रद्द

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने भूमि के स्वामित्व से संबंधित फर्जी दस्तावेज बनाकर मुआवजे के तौर पर भूमि लेने के आरोपों को लेकर पूर्व राज्यपाल कमला सहित अन्य से जुड़े चर्चित मामले में एसीजेएम क्रम 7 की ओर से 15 जुलाई 2019 को लिए प्रसंज्ञान और उसके खिलाफ पेश अपील को निरस्त करने वाले एडीजे कोर्ट के 15 अक्टूबर, 2019 के आदेश को रद्द कर दिया है। जस्टिस गणेश राम मीणा की एकलपीठ ने यह आदेश कमला बेनीवाल व अन्य की ओर से दायर दो आपराधिक याचिकाओं का निस्तारण करते हुए दिए।

अदालत ने अपने आदेश में कहा कि विवाद याचिकाकर्ताओं को खातेदारी अधिकार दिए जाने के संबंध में है और यह विभिन्न अदालतों में लंबित चल रहा है। जो खातेदारी अधिकार दिए गए थे, उन्हें अभी तक समाप्त नहीं किया गया है। निचली अदालत ने इस महत्वपूर्ण तथ्य को अनदेखा किया है। इसके अलावा निचली अदालत ने इस तथ्य की भी अनदेखी की है कि जब किसी कृत्य के लिए किसी व्यक्ति को दंडित करने के लिए विशेष कानून है तो उस स्थिति में आईपीसी के तहत मुकदमा नहीं चलाया जा सकता। यह प्रकरण सहकारी समितियां अधिनियम के प्रावधानों के तहत आता है।

सार-समाचार

नगर निगम ने 5 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल, किया

जयपुर। नगर निगम जयपुर आयुक्त ओम कसेरा के निर्देशानुसार एवं पूर्व से प्राप्त शिकायतों पर उपायुक्त सतर्कता के नेतृत्व में मंगलवार को सतर्कता शाखा की द्वारा नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में एसएमएस अस्पताल, ट्रोमा सेन्टर के बाहर, श्योपुर रोड़, मेघधन शॉपिंग सेन्टर सेन्टर अम्बाबाड़ी से अस्थाई अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध 5 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल कर 6 केन्टर सामान जब्त किया गया। उपायुक्त सतर्कता ने बताया कि नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में एसएमएस अस्पताल, ट्रोमा सेन्टर के बाहर, श्योपुर रोड़, मेघधन शॉपिंग सेन्टर सेन्टर अम्बाबाड़ी से अस्थाई अतिक्रमण को हटवाया गया। उपरोक्त कार्रवाई के दौरान 6 केन्टर सामान जब्त कर गोदाम में भिजवाया गया व अस्थाई अतिक्रमण करने वालों से मौके पर 5 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल किया गया तथा दौरे के दौरान कार्यवाही सतर्कता टीम द्वारा मौके पर समझाइष करते हुए मौखिक पाबंद करवाया कि भविष्य में अस्थाई अतिक्रमण समय से हटा ले अन्यथा नगर निगम जयपुर के क्षेत्राधिकार में अवैध अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध भारी चालान या प्रभावी कार्रवाई अमल में लाई जायेगी।

137 फर्मों की जांच में 106 फर्में फर्जी मिली

जयपुर। वाणिज्यिक कर विभाग द्वारा फर्जी एवं संदिग्ध फर्मों के माध्यम से कर चोरी तथा इनपुट टैक्स क्रेडिट के दुरुपयोग के विरुद्ध पूरे प्रदेश के 16 जॉन द्वारा मिलकर सोमवार को सुबह 10:00 बजे से देर रात तक चलाए गए अभियान के तहत महत्वपूर्ण कार्यवाहियां की गई। विभागीय जांच में कुल 137 फर्मों का परीक्षण किया गया, जिनमें 106 फर्में फर्जी पाई गईं। इन फर्मों द्वारा किए गए कारोबार, के उपयोग तथा उपलब्ध लेजर की जांच में बड़े पैमाने पर कर अनियमितताओं के संकेत मिले हैं। विभागीय आंकड़ों के अनुसार चिन्हित 106 फर्जी फर्मों का कुल कारोबार 54,758.41 लाख अर्थात लगभग 547.58 करोड़ रुपए रहा। इन फर्मों से संबंधित 7,765.02 लाख (लगभग 77.65 करोड़) रुपए का जांच के दायरे में पाया गया। वहीं इन फर्मों के लेजर में उपलब्ध राशि 806.93 लाख रुपए रही तथा जांच के दौरान 464.94 लाख (लगभग 4.65 करोड़) रुपए की राशि ब्लॉक की गई। इन 106 फर्मों में 78 फर्में राज्य क्षेत्राधिकार तथा 28 फर्में केन्द्र क्षेत्राधिकार के अंतर्गत पाई गईं। राज्य क्षेत्राधिकार वाली 78 फर्मों का कारोबार 46,000.59 लाख तथा संबंधित राशि 6,027.98 लाख रुपए रही, जबकि केन्द्र क्षेत्राधिकार की 28 फर्मों का कारोबार 8,757.82 लाख रुपए और संबंधित राशि 1,737.04 लाख रुपए रही।

फ्लैट में आग लगने से लाखों रुपए का सामान जलकर राख

जयपुर। वैशाली नगर थाना क्षेत्र में सिरसी रोड स्थित राजेंद्र नगर की मुस्कार रेजिडेंसी में सोमवार-मंगलवार की मध्यरात्रि एक फ्लैट में आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। धुएं का गुबार भरने से तीसरी मंजिल पर एक परिवार के 7 सदस्य फंस गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए सभी को सुरक्षित बाहर निकाला। इनमें चलने में असमर्थ 80 वर्षीय महिला को पुलिसकर्मी ने गोद में उठाकर रेस्क्यू किया। पुलिस के अनुसार घटना रात करीब 1.30 बजे की है। प्रारंभिक जांच में आग का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। फ्लैट को नीरज पाठक ने गेस्ट हाउस के रूप में संचालित कर रखा था। आग लगने के बाद लपटें उठती देखकर अपार्टमेंट के लोग बाहर निकल आए, लेकिन धुएं का गुबार अधिक होने से परिवार तीसरी मंजिल पर ही फंस गया। सूचना मिलने पर वैशाली नगर थाने की 112 सेवा में तैनात कांस्टेबल सुरेश चंद्र और चालक मोहन सिंह मौके पर पहुंचे। दोनों पुलिसकर्मी धुएं के बीच तीसरी मंजिल पर पहुंचे और परिवार के सदस्यों को सुरक्षित बाहर निकाला। इस दौरान चलने में असमर्थ बुजुर्ग महिला को गोद में उठाकर बाहर लाया गया। इधर दमकल की एक गाड़ी भी मौके पर पहुंची और करीब 15 मिनट की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। आग से फ्लैट में रखा लाखों रुपए का सामान जलकर राख हो गया। पुलिस और दमकलकर्मियों की तत्परता से बड़ा हादसा टल गया।

बिना लाइसेंस वाहन किराए पर देने पर रोक

जयपुर। राजधानी में बिना वैध वाणिज्यिक पंजीकरण और लाइसेंस के वाहन किराए पर देने तथा निजी वाहनों के गैर-कानूनी व्यावसायिक इस्तेमाल पर अब पुलिस सख्ती करेगी। किराए की गाड़ियों का आपराधिक और अवैध गतिविधियों में इस्तेमाल किए जाने की शिकायतों के बाद जयपुर पुलिस कमिश्नरेट ने वाहन किराए पर देने वालों के लिए कई कड़े नियम लागू किए हैं। अब वाहन किराए पर लेने वाले व्यक्ति के साथ उसके सह-यात्रियों की पहचान और यात्रा से जुड़ी जानकारी भी दर्ज करनी होगी। अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर (कानून एवं व्यवस्था) एवं कार्यपालक मजिस्ट्रेट डॉ. राजीव पचार ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस), 2023 की धारा 163 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए पूरे जयपुर पुलिस कमिश्नरेट क्षेत्र के लिए निषेधाज्ञा एवं आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। आदेश 12 अगस्त 2026 से 10 अक्टूबर 2026 तक अथवा इससे पूर्व निरस्त किए जाने तक प्रभावी रहेगा।

बदमाशों ने महिला की चेन तोड़ी

जयपुर। विद्याधर नगर थाना क्षेत्र की अम्बाबाड़ी स्थित बैंक कॉलोनी में बाइक सवार दो बदमाश राह चलती महिला के गले से सोने की चेन तोड़कर फरार हो गए। महिला ने साहस दिखाते हुए बदमाशों का पीछा किया और एक आरोपी की शर्ट पकड़ ली, लेकिन संघर्ष के दौरान शर्ट का एक हिस्सा महिला के हाथ में रह गया और दोनों बदमाश बाइक से फरार हो गए। वारदात का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। थानाधिकारी हिम्मत सिंह ने बताया कि बैंक कॉलोनी में मंदिर के पास पुष्पा देवी पैदल जा रही थीं। इसी दौरान बाइक सवार दो बदमाश उनके पास पहुंचे। बाइक पर पीछे बैठे बदमाश ने उतरकर महिला के गले पर झपट्टा मारा और सोने की चेन तोड़ ली।

एसएमएस अस्पताल में सर्जरी कर महिला की गर्दन से 2 किलो की गांठ निकाली

जयपुर। सवाई मानसिंह अस्पताल के चिकित्सकों ने 75 वर्षीय महिला की गर्दन से करीब 2 किलो विशाल गांठ निकालकर जटिल सर्जरी को सफलतापूर्वक अंजाम दिया। ऑपरेशन के बाद महिला की हालत स्थिर रही और चौथे दिन उसे अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

जनरल सर्जरी विभाग की सीनियर प्रोफेसर डॉ. ऋचा जैन के नेतृत्व में डॉ. मोहित, डॉ. हनुमान राम खोजा, डॉ. फारुख, डॉ. दिनेश और डॉ. अक्षिता की टीम ने यह ऑपरेशन किया। एनेस्थीसिया टीम में डॉ. सुनील भाटी, डॉ. कंचन और डॉ. इंदु सहित अन्य चिकित्सकों का सहयोग रहा।

चिकित्सकों के अनुसार महिला की गर्दन में लंबे समय से गांठ थी, जो धीरे-धीरे बढ़ती गई। इसका आकार इतना बढ़ गया कि गर्दन और कंधा घुमाने में परेशानी होने लगी और दैनिक गतिविधियां भी प्रभावित होने लगीं। ऑपरेशन के डर से महिला ने लंबे समय तक उपचार नहीं कराया। बाद में विभिन्न अस्पतालों में परामर्श के बाद उसे गांठ के बड़े आकार और ऑपरेशन के

- 75 वर्षीय महिला की गर्दन से 2 किलो विशाल गांठ निकालकर सर्जरी को सफलतापूर्वक अंजाम दिया। ऑपरेशन के बाद चौथे दिन उसे अस्पताल से छुट्टी दी

जोखिम को देखते हुए एसएमएस अस्पताल भेजा गया।

अस्पताल में जांच के दौरान पहले गांठ की बायोप्सी कराई गई। आवश्यक जांचों के बाद ऑपरेशन किया गया। चिकित्सकों के सामने सबसे बड़ी चुनौती गांठ का अत्यधिक बड़ा आकार और गर्दन का संवेदनशील क्षेत्र था। इस हिस्से से मस्तिष्क की ओर जाने वाली महत्वपूर्ण नसें और रक्त वाहिकाएं गुजरती हैं। ऐसे में अधिक रक्तस्त्राव तथा नसों और रक्त वाहिकाओं को नुकसान का जोखिम था। इसके बावजूद टीम ने सावधानीपूर्वक पूरी गांठ निकाल दी।

महिला पॉलिटेक्निक में प्रवेश की अंतिम तिथि 14 अगस्त

जयपुर। गांधी नगर स्थित राजकीय महिला पॉलिटेक्निक महाविद्यालय की प्राचार्य श्रीमती शालिनी गुप्ता ने बताया कि प्रदेश के समस्त महिला पॉलिटेक्निक कॉलेजों में कुछ रिक्त सीटों पर अब ऑफलाइन मोड में प्रवेश लिया जा सकता है। प्रवेश की अंतिम तिथि 14 अगस्त, 2026 निर्धारित है।

उन्होंने बताया कि महाविद्यालय में विभिन्न रोजगारोन्मुख एवं कौशल आधारित पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। इनमें तीन वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम तथा चार वर्षीय डिग्री के प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रम शामिल हैं। पाठ्यक्रमों में कॉमर्शियल आर्ट, ब्यूटी कल्चर, कॉस्ट्यूम डिजाइन, टेक्सटाइल डिजाइन, कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग, बी.एफ.ए., बी.बी.ए., बी.एससी., बी.एफ.ए. एवं कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग द्वितीय वर्ष जैसे पाठ्यक्रम शामिल हैं। प्राचार्य ने बताया कि इच्छुक छात्राएं/महिलाएं सीधे महाविद्यालय पहुंचकर अपने मूल दस्तावेज एवं निर्धारित शुल्क जमा करवाकर प्रवेश प्राप्त कर सकती हैं।

'आदेशों की पालना नहीं हुई तो डीओआईटी और वित्त सचिव को तलब कर पूछेंगे सवाल'

अदालत ने कहा कि अफसरों को बदलने या निलंबित करने से कुछ नहीं बदलेगा

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने प्रदेश की सरकारी स्कूलों के जर्जर भवन और उनमें मूलभूत सुविधाएं नहीं होने से जुडे मामले में राज्य सरकार के रवैये पर नाराजगी जताई है। अदालत ने कहा कि अफसरों को बदलने या निलंबित करने से कुछ नहीं बदलेगा। जो व्यक्ति इनके भले का काम करने के लिए प्रेरित नहीं है, वह काम नहीं करेगा। इसके साथ ही अदालत ने राज्य सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि अदालती आदेश की पालना नहीं हुई तो डीओआईटी सचिव व वित्त सचिव को बुलाकर उनसे सवाल किए जाएंगे। अदालत ने कहा कि इन अफसरों से सीधे ही फंड आवंटन, मॉनिटरिंग और क्वालिटी कंट्रोल के बारे में बात करनी चाहिए। जस्टिस महेन्द्र गोयल व जस्टिस अशोक कुमार जैन की खंडपीठ ने यह टिप्पणी जर्जर भवनों में चल रहे स्कूलों

- हाईकोर्ट ने प्रदेश की सरकारी स्कूलों के जर्जर भवन और उनमें मूलभूत सुविधाएं नहीं होने से जुडे मामले में राज्य सरकार के रवैये पर नाराजगी जताई

के स्वप्रेरित प्रसंज्ञान मामले सहित अन्य जनहित याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से कहा महाधिवक्ता ने कहा कि यदि आगामी सुनवाई पर राज्य सरकार के जवाब से अदालत संतुष्ट नहीं हो तो अफसरों को कोर्ट अफसरों को बुला सकती है। इसके सिाा ही राज्य सरकार ने अदालती निर्देशों की पालना के लिए समय मांगा। खंडपीठ ने राज्य सरकार को समय देते हुए कहा कि आगामी 10 सितंबर तक एसीएस एजुकेशन अपना शपथ पत्र और उच्च शिक्षा, तकनीकी और चिकित्सा शिक्षा विभागों से ज़रूरी डेटा अदालत में पेश करें।

अदालत ने एजी से कहा कि स्कूल भवनों को लेकर रिपोर्ट दाखिल की है, जिसमें जर्जर स्कूलों की संख्या बताई है। इनमें 1150 में से करीब 900 स्कूलों में क्लासरूम जर्जर हालत में हैं। क्या यह स्थिति सही है। इस पर महाधिवक्ता ने कहा कि अदालत के निर्देश पर कमेटियां बनाई हैं और कुछ अन्य कमेटी बननी है। जिस पर अदालत ने मंशा जताते हुए कहा कि आपको एक कमेटी बनानी चाहिए और किसी ऐसे व्यक्ति को नियुक्त करना चाहिए जो यह काम कर सके।

रीको को मॉडल-ए के अंतर्गत 4 औद्योगिक क्षेत्रों के लिए 23 आवेदन प्राप्त हुए

जयपुर। राजस्थान में विश्वस्तरीय औद्योगिक विकास को गति देने एवं निवेशकों के लिए अनुकूल औद्योगिक वातावरण तैयार करने की दिशा में राज्य सरकार की राजस्थान औद्योगिक पार्क प्रोत्साहन नीति-2026 महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही है। नीति के अंतर्गत मॉडल-ए में औद्योगिक पार्क विकसित करने हेतु निवेशकों का खासा रूझान देखने को मिला है। रीको ने निजी औद्योगिक पार्क के विकास के लिए मॉडल-ए के लिये निवेशकों से प्रस्ताव आमंत्रित किये थे। मॉडल-ए के अंतर्गत रीको को 4 औद्योगिक क्षेत्रों हेतु 23 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जो राजस्थान औद्योगिक पार्क प्रोत्साहन नीति-2026 के प्रति निवेशकों के बढ़ते विश्वास को दर्शाता है।

प्राप्त आवेदनों में दौसा के राजाहेढ़ा, गुडा अशीकपुरा एवं नुरपुर के लिए 10, पचपदरा, बालोतरा के

- प्राप्त आवेदनों की जांच के बाद नीति के प्रावधानों के अनुसार भूमि का आवंटन पारदर्शी प्रक्रिया से ई-नीलामी के माध्यम से किया जाएगा

वेदरलाई के लिये 7, धौलपुर के बिजौली के लिए 4 तथा बूंदी के मायेजा के लिए 2 आवेदन शामिल हैं।

कैटेगरी-ए के अंतर्गत रीको द्वारा चिन्हित स्थानों पर भूमि आवंटन के बाद निजी विकासकर्ता द्वारा औद्योगिक पार्क विकसित किया जाएगा। प्राप्त आवेदनों की जांच के बाद नीति के प्रावधानों के अनुसार भूमि का आवंटन पारदर्शी प्रक्रिया से ई-नीलामी के माध्यम से किया जाएगा।

औद्योगिक पार्कों में सड़क, जलापूर्ति, विद्युत, ड्रेनेज, वर्षा जल संचयन, स्ट्रीट लाइटिंग सहित अन्य आवश्यक सुविधाओं का विकास निजी विकासकर्ता की जिम्मेदारी होगी।

इसके अतिरिक्त निर्धारित शर्तों के अनुसार, इन औद्योगिक क्षेत्रों में सीईटीपी के लिए ग्रीन इंसेंटिव, कॉमन यूटिलिटी सेंटर, प्लग-एंड-प्ले कार्यालय परिसरों के लिए सहायता तथा विद्युत शुल्क, स्टाम्प शुल्क एवं रूपांतरण शुल्क में छूट/प्रतिपूर्ति जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी।

रीको प्रबंध निदेशक सुरेश कुमार ओला ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशा के अनुरूप राजस्थान में विश्वस्तरीय औद्योगिक वातावरण विकसित करने के लिए उत्कृष्ट बुनियादी ढांचा, संसाधनों का बेहतर उपयोग और समावेशी विकास सुनिश्चित किया जा रहा है।

डिग्गी एवं फार्म पॉण्ड में सुरक्षा उपाय होंगे अनिवार्य

जयपुर। प्रदेश में डिग्गी, फार्म पॉण्ड (खेत तलाई) एवं अन्य जल संचयन संरचनाओं में डूबने की दुर्घटनाओं की रोकथाम तथा जन एवं पशुधन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कृषि विभाग ने व्यापक सुरक्षा उपाय अनिवार्य किए हैं। विभाग ने सभी संबंधित अधिकारियों एवं लाभार्थियों को इन निर्देशों की तत्काल प्रभाव से पालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। प्रत्येक डिग्गी, फार्म पॉण्ड एवं अन्य जल संचयन संरचना के चारों कोनों पर पर्याप्त लंबाई की मजबूत रस्सी स्थायी रूप से गाड़े गए खूंटों से सुरक्षित रूप से बांधी जाएगी। रस्सी का एक सिरा पानी में छोड़ा जाएगा, ताकि किसी व्यक्ति के पानी में गिरने की स्थिति में वह रस्सी का सहारा लेकर सुरक्षित बाहर निकल सके। कम से कम 1 से 2 नए अथवा पुरानी ट्यूब में हवा भरकर 'लाइफ सेविंग फ्लोट' के रूप में रस्सी से बांधकर हमेशा पानी में उपलब्ध रखना अनिवार्य होगा।

राहुल गांधी का युवाओं को लेकर दोहरा चरित्र : जोगाराम पटेल

जयपुर। विधि मंत्री जोगाराम पटेल ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि उन्हें अपनी सरकार का कार्यकाल याद करना चाहिए। जब वे होटलों में बंद रहकर अपनी सरकार बचाने का जतन कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जो अपने उपमुख्यमंत्री को नाकारा-निकम्मा कहते थे, वो किस मुंह से हमारी सरकार पर आरोप लगा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि अशोक गहलोत मुख्यमंत्री बनने का सपना छोड़ दें। जनता ने कांठोस के कुशासन, भ्रष्टाचार और पेपर लीक जैसे मुद्दों से परेशान होकर ही भाजपा को जनादेश दिया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में आज शिक्षा व्यवस्था में सुधार सहित युवाओं को रोजगार देने में पारदर्शिता के साथ काम हो रहा है।

हमारी सरकार ने पेपर लीक और नकल माफिया के खिलाफ कठोर कार्रवाई की है और युवाओं के भविष्य

- विधि मंत्री जोगाराम पटेल ने अशोक गहलोत पर पलटवार करते हुए कहा कि खुद होटलों में बंद रहे, अपने उपमुख्यमंत्री को नाकारा-निकम्मा कहा, वो किस मुंह से लगा रहे सरकार पर आरोप

के साथ खिलवाड़ करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

मंत्री जोगाराम पटेल ने राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि वो युवाओं को अलग-अलग चश्मे से देखते हैं। भाजपा सरकार वाले राज्यों में वे युवाओं को बरगला रहे हैं।

'शिल्पकला विशेषांक' का विमोचन

जयपुर। कुमावत समाज की शिल्प, स्थापत्य, कला और सांस्कृतिक परंपराओं को संरक्षित करने की दिशा में कुमावत क्षित्रय पत्र ट्रस्ट की ओर से प्रकाशित 'शिल्पकला विशेषांक' का विमोचन पशुपालन एवं डेयरी, गौपालन एवं देवस्थान विभाग के मंत्री जोराराम कुमावत ने किया।

विशेषांक में समाज के शिल्पकारों, मूर्तिकारों, वास्तुकारों, इंजीनियरों, संगीतज्ञों सहित विभिन्न तकनीकी एवं रचनात्मक क्षेत्रों में योगदान देने वाली प्रतिभाओं और उनके कार्यों को प्रमुखता से प्रस्तुत किया गया है।

मंत्री जोराराम कुमावत ने कहा कि यह विशेषांक महज एक पत्रिका नहीं, बल्कि समाज की कला, कौशल, परिश्रम और गौरवशाली परंपरा का दस्तावेज है। राजस्थान की ऐतिहासिक इमारतों, मंदिरों, हवेलियों और स्थापत्य धरोहरों में कुमावत समाज के शिल्पकारों की प्रतिभा और मेहनत की स्पष्ट छाप मिलती है।

गांजा तस्करी करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

56 ग्राम गांजा और 25,100 रुपए की बिक्री राशि बरामद

जयपुर। राजधानी में नशे के कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे 'ऑपरेशन जागृति' के तहत जिला दक्षिण जिला विशेष टीम (डीएसटी) और पत्रकार कॉलोनी थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए अवैध गांजे की खरीद-फरोख्त करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से कुल 56 ग्राम गांजा और 25,100 रुपए नकद बरामद किए हैं। पुलिस अब आरोपियों से गांजे की सप्लाई के स्त्रोत और नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों के बारे में पूछताछ कर रही है।

पुलिस उपायुक्त दक्षिण राजर्षि राज ने बताया कि जयपुर दक्षिण क्षेत्र में मादक पदार्थों की तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए कार्रवाई के निर्देश दिए गए थे। इसी क्रम में डीएसटी प्रभारी विशंभर दयाल के नेतृत्व में टीम ने पत्रकार कॉलोनी

पुलिस ने अवैध गांजे की खरीद-फरोख्त करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया ।

थाना पुलिस के साथ मिलकर कार्रवाई की।

पुलिस टीम ने संदिग्ध स्थानों पर दबिश देकर दिव्यांश गौतम (29) निवासी इगलास जिला अलीगढ़ (उत्तर प्रदेश) हाल मुहाना जयपुर के कब्जे से 31 ग्राम गांजा तथा रोहिताश्व माथुर (27) निवासी कोतवाली जिला भरतपुर हाल पत्रकार कॉलोनी जयपुर के कब्जे से 25 ग्राम गांजा बरामद किया। इसके अलावा पुलिस ने गांजे की बिक्री से प्राप्त 25,100 रुपए नकद भी जब्त किए।

प्रारंभिक जांच में सामने आया

- पुलिस आरोपियों से गांजे की सप्लाई के स्त्रोत और नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों के बारे में पूछताछ कर रही है

कि दोनों आरोपी लंबे समय से युवाओं और स्थानीय लोगों को अवैध रूप से मादक पदार्थ उपलब्ध करा रहे थे। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपी गांजा कहां से लाते थे और उनके संपर्क में कौन-कौन लोग हैं।

इस कार्रवाई में पत्रकार कॉलोनी थानाधिकारी उदय सिंह यादव, उपनिरीक्षक अशोक कुमार, कांस्टेबल रामपाल, नेतराम, मुकेश कुमार तथा तकनीकी शाखा दक्षिण के हेड कांस्टेबल लोकेश व रामसिंह की भूमिका रही।

जिलाध्यक्ष अमित गोयल का जन्मदिन मनाया

जयपुर। भाजपा जयपुर शहर अध्यक्ष अमित गोयल का जन्मदिन मंगलवार को संगठन, सेवा और कार्यकर्ताओं के अपार स्नेह के बीच उत्साह एवं धूमधाम से मनाया गया। जन्मदिन के अवसर पर जयपुर शहर के कोने-कोने से बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता, वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष एवं मंडल पदाधिकारी तथा विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों से हजारों की संख्या में कार्यकर्ता भाजपा जयपुर शहर कार्यालय पहुंचे और अपने जिलाध्यक्ष को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। जन्मदिन के अवसर पर अमित गोयल ने दिन की शुरुआत श्री गोविंददेवजी मंदिर एवं मोती डूंगरी गणेशजी के दर्शन कर की और भगवान का आशीर्वाद प्राप्त करते हुए संगठन एवं समाज की सुख-समृद्धि की कामना की। इसके बाद उन्होंने जन्मदिन को सेवा एवं सामाजिक सरोकार से जोड़ते हुए एसएमएस अस्पताल में जरूरतमंद एवं गरीब लोगों को भोजन कराया।

जयपुर के युवा विद्वानों का परचम अब मॉरीशस में लहराएगा

आचार्य डॉ. महेंद्र मिश्रा के नेतृत्व में पांच सदस्यीय दल आज मॉरीशस रवाना होगा।

जयपुर। छोटी काशी जयपुर के विद्वानों की विद्वत्ता और भारतीय सनातन संस्कृति का संदेश अब अंतरराष्ट्रीय धरती पर भी गूंजेगा।

विश्वनाथ जनता मंदिर सोसाइटी (वीजेएमएस), गुडलैंड्स, रिपब्लिक ऑफ मॉरीशस की ओर से आयोजित श्रावण महोत्सव-2026 में शिव कथा-प्रवचन एवं रुद्र महायज्ञ के लिए ज्योतिषाचार्य आचार्य डॉ. महेंद्र मिश्रा के नेतृत्व में जयपुर से पांच सदस्यीय विद्वानों का दल आज मॉरीशस के लिए रवाना होगा। आयोजन में आचार्य डॉ. महेंद्र मिश्रा व्यास पीठ से शिव कथा का प्रवचन करेंगे तथा उनके नेतृत्व में रुद्र महायज्ञ संपन्न होगा। इस दौरान भारतीय आध्यात्मिक ज्ञान-विज्ञान, सनातन संस्कार, संस्कृति, धर्म और जीवन मूल्यों से जुड़े विषयों पर भी उद्बोधन होंगे। आयोजन में मॉरीशस के प्रधानमंत्री सहित कई कैबिनेट मंत्रियों के सहभागिता करने तथा कथा श्रवण एवं यज्ञ में आहुतियां प्रदान करने की जानकारी दी गई है।

Honouring the Gentle Giants

World Elephant Day, observed on August 12, is dedicated to raising awareness about the urgent plight of elephants worldwide. These majestic creatures face numerous threats, including poaching, habitat loss, human-elephant conflict, and illegal wildlife trade. The day aims to foster compassion, support conservation efforts, and promote better treatment and protection of both African and Asian elephants. Conservationists, wildlife organisations, and animal lovers unite to advocate for stronger policies and global cooperation. On this day, people are encouraged to learn more about elephants and contribute to preserving their natural habitats, ensuring that future generations can witness these gentle giants in the wild.

#ICON

The Accidental Birth of Coca-Cola

Cocaine was removed, and Coca-Cola transitioned from medicine to refreshment, becoming one of the most recognisable brands in the world

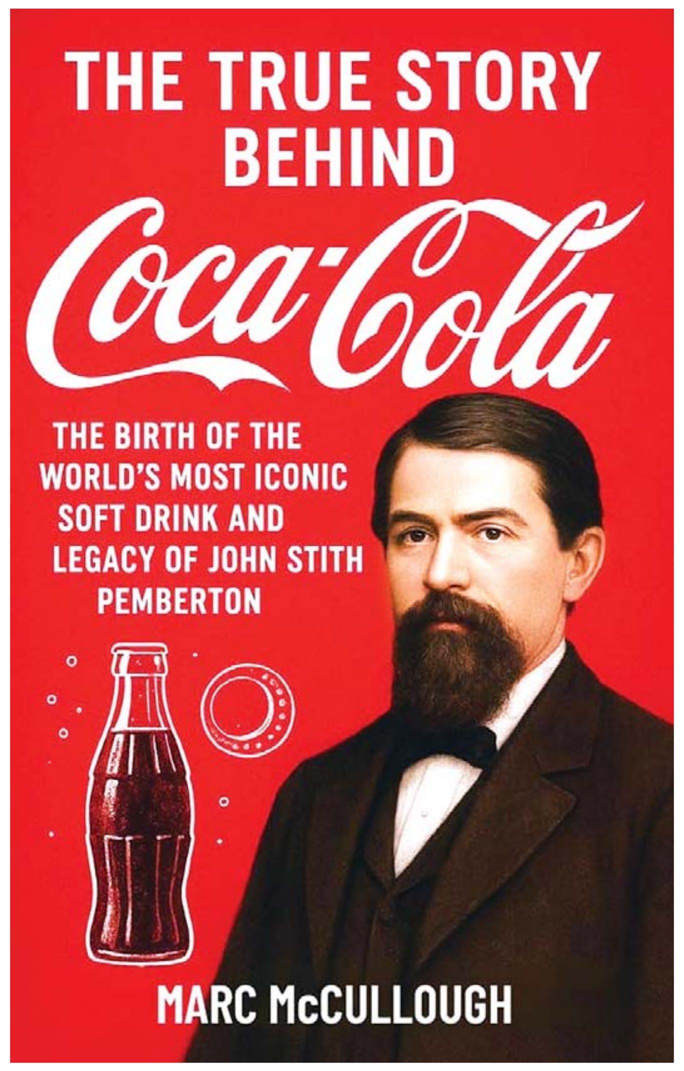

In 1886, in Atlanta, a wounded war veteran was searching for a way to free himself from addiction. His name was John Stith Pemberton, a pharmacist and former Confederate soldier who had been injured during the American Civil War. Like many injured veterans of his time, Pemberton was prescribed morphine to manage chronic pain. Over time, he became dependent on it and began desperately searching for an alternative cure.

Driven by both personal need and professional curiosity, Pemberton spent long hours experimenting in his laboratory. He wanted to create a medicinal tonic, something that could ease pain, fight fatigue and lift mood without the dangers of morphine. His experiments led him to combine coca leaves and kola nuts into a syrup. At the time, coca leaves naturally contained small amounts of cocaine, while kola nuts were rich in caffeine. Together, they formed what Pemberton believed was a powerful "brain tonic."

He began selling the syrup at a local pharmacy, where it was mixed with water and served over ice. Each glass cost five cents. Customers initially bought the drink as a remedy for headaches, exhaustion and general fatigue. It was marketed not as a soft drink but as a medicinal beverage designed to refresh both mind and body.

That syrup would eventually become Coca-Cola.

The drink's rise was slow at first. In its early days, only a handful of glasses were sold daily. But the refreshing taste, energising effect and clever marketing gradually turned the pharmacy tonic into a popular beverage. Over time, the formula was refined, cocaine was removed, and Coca-Cola transitioned from medicine to refreshment, eventually becoming one of the most recognisable brands in the world.

What began as a personal quest for recovery became a global cultural icon. Today, Coca-Cola is sold in nearly every country and consumed billions of times each day. Yet, behind the red-and-white branding lies a deeply human origin story: a pharmacist searching for healing, experimenting in a small lab, and accidentally creating the world's most famous drink.

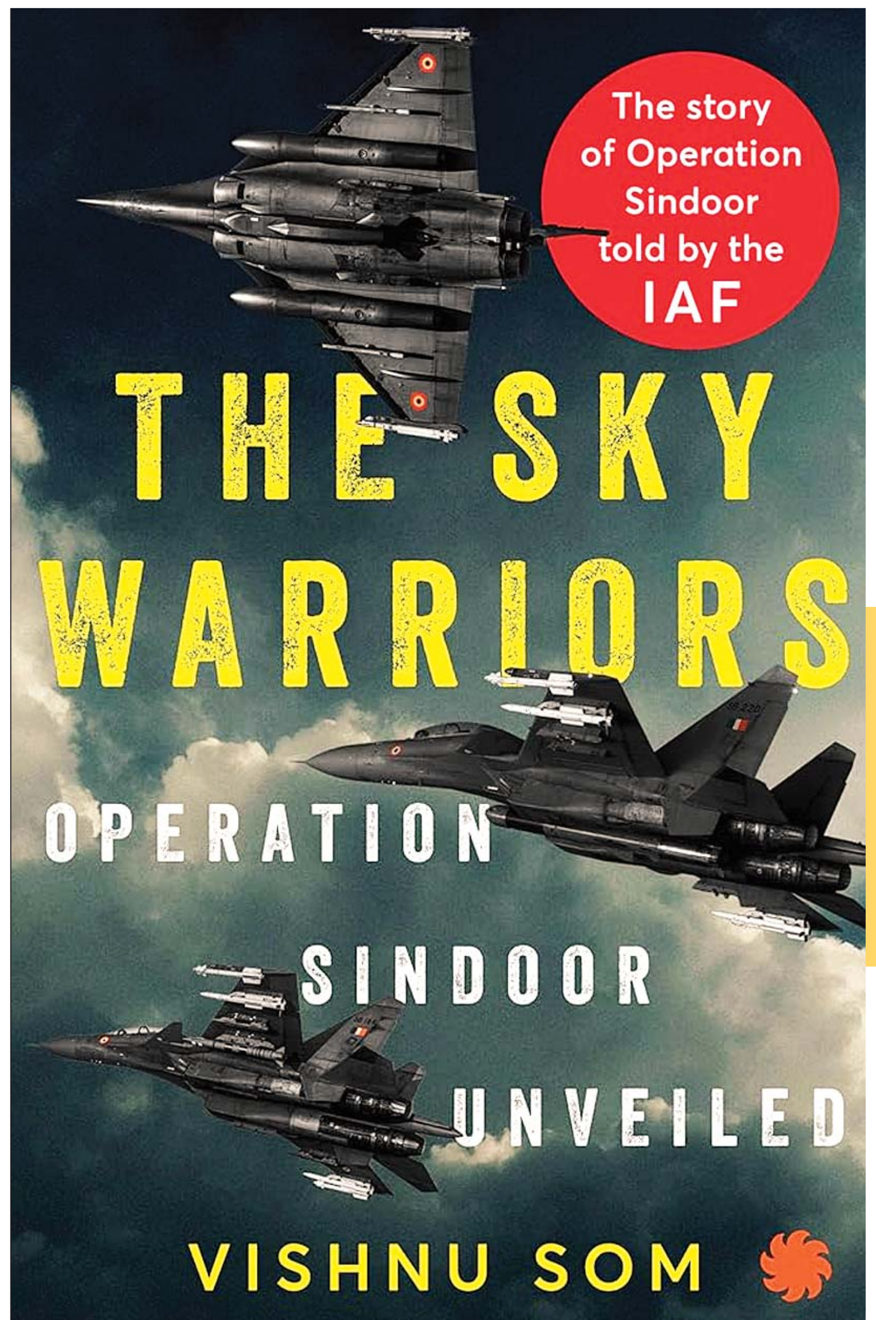

How The IAF Commandeered Air Space

The IAF induced paralysis and altered the trajectory of this 88-hour war. Beyond the initial scramble of the first day, the Pakistan Air Force (PAF) had little left to demonstrate. Within 48 hours, it was rendered largely inconsequential with its air defence in shambles, its fighter fleet reduced to ineffective patrols, while the IAF's Integrated Air Command and Control System (IACCS) nodes were monitoring every inch of the air picture.

#BOOK REVIEW

Maj Gen Jagatbir Singh, VSM (RETD)

Between 07 May and 10 May over a period of 88 hours, India and Pakistan fought their most intense air battles since the 1971 war. 'The Sky Warriors' by Vishnu Som, the acclaimed journalist, is a definitive account of Operation Sindoor as told by the men who flew the missions and planned the strikes. It offers an air warrior's view of the Indian Air Force (IAF) operations against Pakistan in response to the Pahalgam terrorist attack.

The book is an operational analysis of this high-intensity clash, delivering a narrative on modern SEAD (Suppression of Enemy Air Defence). An extremely gripping and sharply written combat chronicle which gives the reader a rare insight into not only the technical but also the human dimension of combat.

About The Book

The book begins with the Pahalgam incident following which there was no doubt that the IAF would be part of the response and would be put to the ultimate test. Preparations that followed involved finalising target lists and redeploying assets with the aim of sending a 'precise punitive message by striking terrorist infrastructure without opening a wider front.'

The book is a rare account of the ensuing air operations. The author writes how a Sukhoi pilot is maneuvering towards hostile airspace as the enemy radar attempts to lock on to his aircraft. It reveals how a senior officer commanding a cutting-edge war room is orchestrating the operations under immense pressure. It also gives a glimpse of missile unit commander on the LoC facing wave after wave of Pakistani drones.

The book tells the reader what it truly means to go into combat. The split-second choices, the weight of command, the handling of modern state of the war waging equipment and the commitment of those who fly these war machines and man the weapon systems are sensitively written. He writes about BVR radar locks, BrahMos launch sequences, and the engagement envelopes of the S-400, India's critical shield against missile attacks. While the first-day dogfights following the IAF strikes on terrorist camps grabbed headlines, what stood out was the subsequent degradation of the Pakistan Air Force. Som reveals the overwhelming kinetic response against Pakistan's air defence assets, airfields, and command-and-control (C2) centres, using BrahMos-NG, SCALP, Harop, and other precision-attack munitions and drones.

The IAF induced paralysis and altered the trajectory of this 88-hour war. Beyond the initial scramble of the first day, the Pakistan Air Force (PAF) had little left to demonstrate. Within 48 hours, it was rendered largely inconsequential with its air defence in shambles, its fighter fleet reduced to ineffective patrols, while the IAF's Integrated Air Command and Control System (IACCS) nodes were monitoring every inch of the air picture.

One of the critical moments of the 88-hour war involved a Wing Commander serving in Group Captain Animesh Patni's S-400 unit. As the Pakistani aircraft and missiles attempted to probe and breach Indian air space, they faced the immense pressure of executing a counter-strike.

Seeking final clearance in a highly charged atmosphere, he requested for confirmation to fire. Upon receiving a firm "Affirm. You are cleared to launch," a towering 25-foot S-400 interceptor missile was fired, accelerating to hypersonic speeds into the night sky.

The narrative describes the sheer force of the launch, which shook the ground below. High above, the targeted Pakistani fighter jet desperately attempted evasive maneuvers, frantically deploying counter measures like chaff and flares to break the lock.

However, the S-400's highly advanced radar and tracking systems proved impossible to shake. A massive explosion illuminated the dark sky, followed by confirmation of a successful hit as the enemy aircraft vanished from radar screens. The intense, clinical focus inside the control room instantly gave way to cheers and patriotic chants from the Indian troops manning the system.

This interception was part of a broader, highly successful deployment of India's layered air defence network. With runways cratered, assets destroyed both in the air and on the ground, and logistics and command nodes under severe pressure, Pakistan's Director General of Military Operations ultimately sought a ceasefire, thereby averting further losses of PAF capabilities.

The author also covers the Pakistani response in detail including details of their weapons used and states that: 'both sides took hits' and 'each denied losses.'

The air warriors, Som profiles, men and women in blue, going beyond the call of duty, embody a brand of quiet, lethal professionals that inspire national pride with their courage and resolve.

Conclusion

Deeply researched and intensely gripping, *The Sky Warriors* combines operational intelligence, forensic detail and edge-of-your-seat storytelling. The Sky Warriors isn't just another military account. It is fast-paced, gripping, and deeply relevant at a time when air dominance is defining geopolitical power. It also highlights the professionalism, dedication and the sheer grit of pilots who executed their assigned tasks with clinical precision.

The book is not just a record of conflict, which it clearly brings out was not a one-way affair and it's a tribute to the technical and operational evolution of the Indian Air Force. An outstanding read. The level of research is phenomenal; detailed, credible, and clearly built on a deep understanding of the subject.

What truly elevates the book, though, is the manner in which the story has been told.

The narrative flows effortlessly, making even complex operational details easy to follow and genuinely compelling. It is engaging in a manner that's seldom seen in non-fiction, and hence, hard to put down. Although the broad contours of the operation were known, the details and individual accounts make it a memorable read.

It is a must-read for anyone interested in military affairs, which gives an insight into how modern wars are fought and won. The fact is that stand off weaponry has fundamentally altered combat.

His analysis of the escalation matrix is also outstanding. The book clearly highlights the air aspects of a multi-domain environment and brings to fore the manner in which the IAF was able to unleash its decisive force and redefine the rules of engagement.

rajeshsharma1049@gmail.com

#TRUE FACTS

Nehru Was Prime Minister In '46!

Nehru Was Prime Minister Even Before 1947: A Historical Insight

When we think of India's first Prime Minister, Jawaharlal Nehru instantly comes to mind, officially taking office on 15th August 1947, the day India gained independence. However, few are aware that Nehru had already been functioning in a prime ministerial role before 1947, albeit under a different title and within a different political context.

The Interim Government of 1946

In the wake of the end of World War II and mounting pressure from the Indian independence movement, the British government agreed to form a provisional government in India. This was known as the Interim Government, and it came into existence on 2nd September 1946.

This government was to function under the framework of the British colonial system, but with Indian leaders holding executive authority for the first time. It was a significant milestone on the path to independence.

Nehru's Role in the Interim Government

Jawaharlal Nehru was appointed the Vice President of the Executive Council in this interim arrangement. Although the title did not formally say "Prime Minister," Nehru was the de facto head of the government.

He presided over cabinet meetings, led international diplomacy, and acted as the representative of India in global matters.

Some Key Facts

- **Date of appointment:** Nehru took office on 2nd September 1946.
- **Authority:** He headed the Interim Government, with key portfolios such as External Affairs and Commonwealth Relations.
- **Functioning:** Though still under the nominal authority of the British Viceroy, Nehru and his colleagues had substantial autonomy in domestic affairs.

Was Nehru Truly Prime Minister?

While the title of "Prime Minister" was not officially used until 15th August 1947, Nehru's responsibilities and public image closely resembled that of a Prime Minister.

- He led the Congress party, which had won the majority of seats in the Constituent Assembly.
- He was the main spokesperson for the Indian people, both domestically and internationally.
- He represented India at the United Nations in 1946-47, long before independence.
- The public and the press often referred to him as "Prime Minister" informally.

In fact, Lord Wavell, the British Viceroy at the time, noted in his journal that Nehru was already functioning as the Prime Minister in every practical sense.

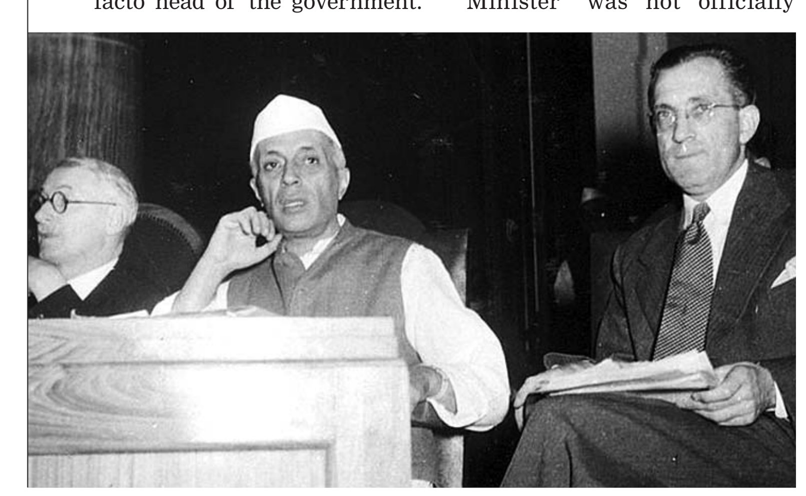

Conclusion

Jawaharlal Nehru's leadership did not begin on 15th August 1947. It had already taken shape during the crucial transition period under the Interim Government of 1946-47. His role during this time was not merely ceremonial or preparatory, he was effectively leading the Indian government even while British colonial rule officially persisted.

So, while the official title may have come post-independence, Nehru was already Prime Minister in practice well before 1947, laying the groundwork for the sovereign nation he would go on to lead for 17 years.

THE WALL

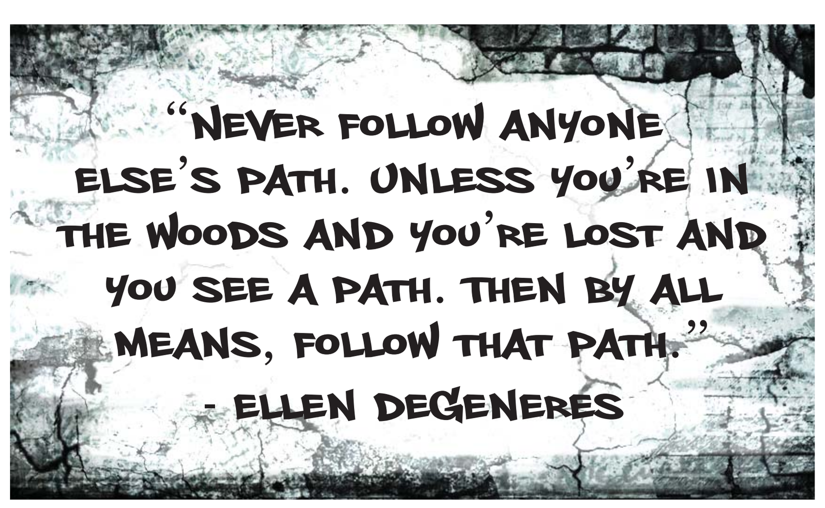

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

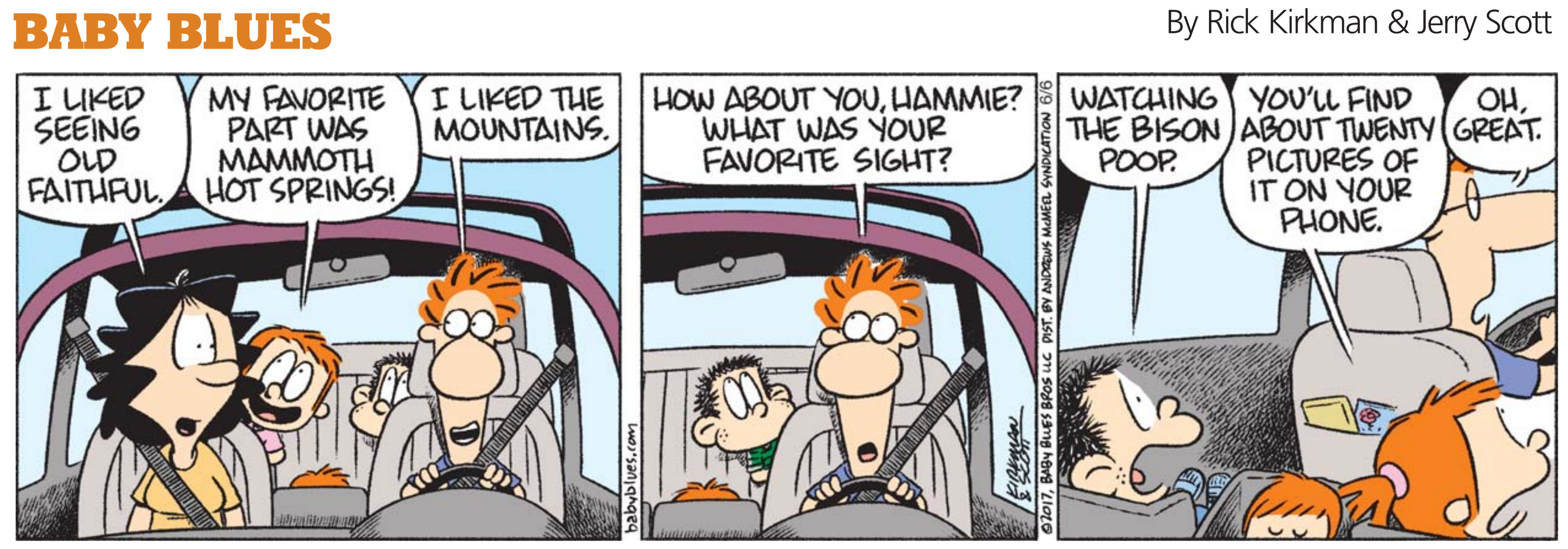

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

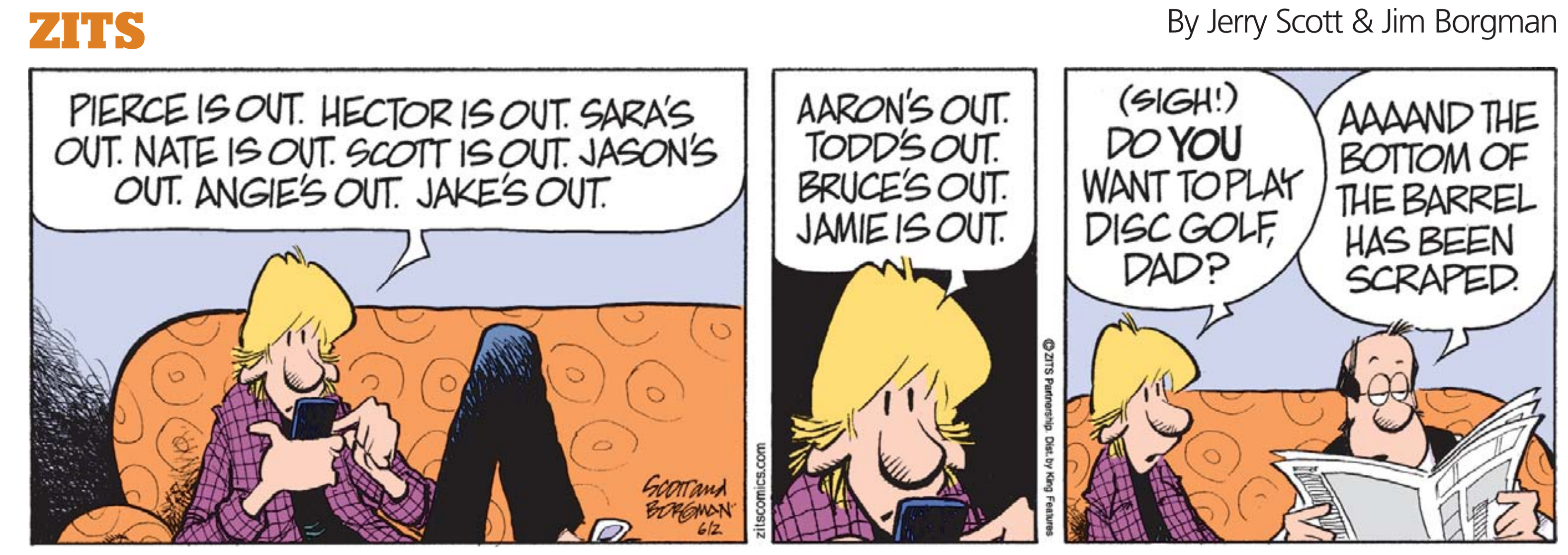

कोटा के जेके लोन अस्पताल में एक और प्रसूता की मौत

कैथून निवासी महिला ने सोमवार शाम को ही जुड़वा बच्चों को जन्म दिया था

- अस्पताल की सुपरिटेंडेंट निर्मला शर्मा का कहना है कि महिला को ऑपरेशन के बाद पोस्ट ऑपरेटिव में ऑब्जरवेशन और मॉनिटरिंग पर रखा हुआ था
- 'करीब 10 घंटे बिल्कुल ठीक से थी, लेकिन सुबह तीन बजे अचानक वोमिटिंग हुई थी, जिसमें बीपी हाई होने से दौरे आए थे'

कोटा, (निसं)। जेके लोन अस्पताल में मंगलवार को एक बार फिर एक प्रसूता की मौत का मामला सामने आया है। यह प्रसूता कैथून निवासी 25 वर्ष से करीना थी, जिसने सोमवार शाम को ही ट्विंस (जुड़वा बच्चों) को जन्म दिया था, जिनमें एक मेल और दूसरी फीमेल नवजात है। दोनों बच्चे पूरी तरह स्वस्थ हैं। उसकी डिलीवरी सोमवार शाम को 6 बजे के आसपास सी-सेक्शन से हुई थी, लेकिन उसके बाद देर रात को उसकी तबीयत बिगड़ गई और मंगलवार तड़के उसने दम तोड़ दिया है।

जेके लोन अस्पताल की सुपरिटेंडेंट निर्मला शर्मा का कहना है कि 10 अगस्त को कैथून निवासी करीना अस्पताल में भर्ती हुई थी। इसे हाई ब्लड प्रेशर था और ट्विंस प्रेगनेंसी थी। यह सोमवार दोपहर तीन बजे अस्पताल में पहुंची थी और करीब 6 बजे के आसपास हुआ है। ऑपरेशन के बाद इसे पोस्ट ऑपरेटिव में ऑब्जरवेशन और मॉनिटरिंग पर रखा हुआ था। निर्मला शर्मा का कहना है कि करीब 10 घंटे बिल्कुल ठीक से यह थी लेकिन सुबह 3 बजे अचानक वोमिटिंग हुई थी, जिसमें बीपी हाई होने से दौरे आए थे। यह ब्लड प्रेशर बढ़ने से वोमिटिंग आई थी। डॉक्टर उसे मैनेज करने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन 10 मिनट में ही अचानक उसकी मौत हो गई। जीभ भी उसकी कटी हुई थी। यह करीना की ट्विंस डिलीवरी थी। इसके पहले भी इसके एक डिलीवरी हो चुकी है, वह भी सिजेरियन डिलीवरी थी और इन दोनों डिलीवरी में अंतर भी ज्यादा नहीं है। मरीज को एंटीनेटल चेकअप भी काफी कम करवाया हुआ है।

अलग-अलग हादसों में महिला और युवक की मौत

जोधपुर, (कासं)। शहर के लूणी और माता का थान क्षेत्र में हुई सड़क दुर्घटनाओं में महिला और युवक की मौत हो गई। पुलिस ने शवों को कार्रवाई के उपरांत परिजनों के सुपुर्द किया।

लूणी पुलिस ने बताया कि बालोतरा जिले के समदड़ी स्थित चिरडिया निवासी मुकनाराम पुत्र भानाराम जाट ने रिपोर्ट दी। इसमें बताया कि बलियारों की ढाणी के पास शुभदंड क्षेत्र में किसी कार चालक ने गाड़ी को लापरवाही से चलाते हुए उसकी पत्नी के टक्कर मार दी। हादसे में घायल उसकी पत्नी की अस्पताल में मौत हो गई। लूणी पुलिस ने शव को कार्रवाई के उपरांत परिजन के सुपुर्द किया। दूसरी तरफ सांसियों की ढाणी, खोखरिया निवासी दिनेश सांसी ने माता का थान पुलिस थाने में रिपोर्ट दी। इसमें बताया कि उसका भाई करण नौ अगस्त को अपनी बाइक लेकर सारण नगर ब्रिज से निकल रहा था। तब एक टाटा मैजिक के चालक ने उसे चपेट में ले लिया। हादसे में घायल उसके भाई करण को एमजीएच ले जाया गया, मगर बाद में उसकी मौत हो गई।

सादुलशहर के प्राइवेट स्कूल में बच्चे की संदिग्ध मौत

- परिजन का आरोप है कि नाबालिग की मौत वाटर कूलर से पानी पीने के दौरान करंट लगने से हुई है

श्रीगंगानगर, (निसं)। सादुलशहर के एक प्राइवेट स्कूल में नौ साल के स्टूडेंट की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मां और भाई का आरोप है कि नाबालिग की मौत वाटर कूलर से पानी पीने के दौरान करंट लगने से हुई है। हादसा शाम सात बजे बाल भारती स्कूल में हुआ। परिवार का कहना है कि स्कूल की मैडम को वाटर कूलर की खराबी के बारे में पहले भी बताया था, लेकिन किसी ने ध्यान नहीं दिया। बच्चे देवांश (9) की मौत के बाद से परिवार सादुलशहर के सरकारी हॉस्पिटल के बाहर धरने पर बैठा है। उनकी मांग है कि पोस्टमार्टम मेडिकल बोर्ड से कराया जाए।

सादुलशहर थाना पुलिस ने पिता भूपेंद्र की रिपोर्ट पर स्कूल कमेटी और संचालक सर्वजीत सिंह सरां के खिलाफ लापरवाही से मौत का मामला दर्ज किया है। बच्चे की मां का कहना है कि मेरे बेटे की मौत स्कूल की लापरवाही के कारण हुई है। जानकारी के अनुसार, सादुलशहर के वार्ड नंबर-23 का रहने वाला देवांश घर के पास ही बाल भारती स्कूल में पांचवीं क्लास में पढ़ता था। वह स्कूल ग्राउंड में खेलने गया था। खेलने के बाद वो वाटर कूलर से पानी पीने के दौरान उसे करंट लग गया। अचेत होकर नीचे गिर गया। आसपास मौजूद लोगों ने बच्चे को संभाला और सादुलशहर के सरकारी हॉस्पिटल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष प्रदीप खीचड़ के साथ परिजन और ग्रामीण सादुलशहर के सरकारी हॉस्पिटल में धरने पर बैठे हैं। नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष प्रदीप खीचड़ के साथ परिजन और ग्रामीण सादुलशहर के सरकारी हॉस्पिटल में धरने पर बैठे हैं। घटना के विरोध में बुधवार सुबह बच्चे के परिजन और ग्रामीण अंबेडकर सर्किल पर एकत्रित हुए। उन्होंने स्कूल के खिलाफ भी कार्रवाई की मांग की है। घटना के विरोध में बुधवार सुबह बच्चे के परिजन और ग्रामीण अंबेडकर सर्किल पर एकत्रित हुए। उन्होंने स्कूल के खिलाफ भी कार्रवाई की मांग की है। बच्चे के भाई ने बताया कि वाटर कूलर में करंट होने की शिकायत कई दिनों से स्कूल की मैडम को की जा रही थी। इसके बावजूद किसी ने ध्यान नहीं दिया। देवांश के पिता भूपेंद्र सिंह मजदूरी करते हैं। उसका एक बड़ा भाई भी है। जो इसी स्कूल छठी क्लास में पढ़ता है।

सादुलशहर थाना पुलिस ने बताया कि शव का पोस्टमॉर्टम मेडिकल बोर्ड से करवाया जाएगा। इसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। जिला शिक्षा अधिकारी हरलाल सहारण ने बताया कि स्कूल टाइम में हादसा नहीं हुआ है। बच्चा स्कूल क्यों गया था, इसकी मुझे जानकारी नहीं है। अभी पूरा मामला मेरी जानकारी में नहीं आया है।

रामगंजमंडी में 303 किलो डोडा-चूरा जब्त, एक आरोपी को पकड़ा

- दो जने रात के अंधेरे और जंगल का फायदा उठाकर फरार हो गए

रामगंजमंडी, (निसं)। अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन रूट क्लियरेंस के तहत मोड़क थाना पुलिस, जिला स्पेशल टीम एवं साइबर टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए 303.420 किलो अवैध डोडा-चूरा जब्त किया है। कार्रवाई के दौरान एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया, जबकि उसके दो साथी रात के अंधेरे और जंगल क्षेत्र का फायदा उठाकर फरार हो गए।

पुलिस सूत्रों के अनुसार 10 अगस्त की रात्रि को जिला स्पेशल टीम एवं मोड़क थाना पुलिस द्वारा ढाढ का मौका दरा गांव के पास नाकाबंदी की जा रही थी। इसी दौरान झालावाड़ की ओर से कोटा की तरफ आ रही सिल्वर रंग की विटारा ब्रेजा कार एवं सफेद रंग की क्रेटा कार को पुलिस ने रुकवाने का प्रयास किया। नाकाबंदी देखकर ब्रेजा कार के चालक ने वाहन भगाने का प्रयास किया, जिसे पुलिस टीम ने घेराबंदी कर रोक लिया। वहीं क्रेटा कार का चालक और उसका साथी वाहन सड़क किनारे छोड़कर भागने लगे। पुलिस ने उनका पीछा किया, लेकिन अंधेरे एवं जंगल क्षेत्र का फायदा उठाकर दोनों फरार होने में सफल रहे। पुलिस ने दोनों वाहनों की तलाशी ली तो उनमें 303.420 किलोग्राम डोडा-चूरा बरामद हुआ। मौके से पकड़े गए आरोपी की पहचान रणजीत सिंह पुत्र गुरदीप सिंह मजहबी सिख, निवासी शेरपुर सदा, थाना कबीरपुर, जिला कपूरथला (पंजाब) के रूप में हुई है।

बिजली करंट से पांच जने झुलसे

अलवर, (निसं)। खैरथल-तिजारा जिले में मंगलवार को कांवड़ यात्रा के दौरान बड़ा हादसा हो गया। शेखपुर थाना क्षेत्र के जोजाका गांव में कांवड़ यात्रा के आगे चल रहा डीजे कैंटर 11 हजार वोल्ट की बिजली लाइन की चपेट में आ गया। हादसे में कैंटर में सवार पांच लोग झुलस गए। इनमें कैंटर के ऊपर बैठे चार युवक और एक कांवड़िया शामिल है। हादसे के बाद कांवड़ यात्रा में अफरा-तफरी मच गई और यात्रा में शामिल लोग घायलों को तुरंत तिजारा अस्पताल ले जाया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, हादसे में डीजे कैंटर के ऊपर बैठे चार युवक सागर, मोहित, करण और सुनील झुलस गए।

सीवरेज गड्ढे में बाइक सवार तीन युवक गिरे

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर में सीवरेज के गंदे पानी से भरे गड्ढे में तीन बाइक सवार गिर गए। हादसे के बाद मौके पर लोग जमा हो गए और बाइक सवार युवकों को संभाला तथा बाइक को गड्ढे से बाहर निकाला। घटना मंगलवार सुबह सांगरिया फाटक के पास की है। तीनों को चोट भी लगी है। स्थानीय लोगों ने बताया कि सोमवार रात को भी एक बस धंस गई थी, जिसे क्रेन की मदद से बाहर निकाला गया था। इधर, घटना के बाद स्थानीय लोगों ने नगर निगम को इसकी शिकायत की। इसके बाद दोपहर में टीम पहुंची और वहां बैरिकेड लगा रास्ते को सील किया गया। इधर, ये पूरी घटना पास में ही लगी एक दुकान के सीसीटीवी में भी कैद हो गई। स्थानीय लोगों ने बताया कि पिछले करीब 10 दिनों से सीवरेज का पानी यहां जमा हो रखा है। गंदे पानी की वजह से गड्ढा भी दिखाई नहीं दे रहा।

मंडफिया : मेवाड़ अंचल के प्रमुख तीर्थ स्थल श्री सांवलिया सेठ मंडफिया के दरबार का भंडार 11 अगस्त को मंदिर बोर्ड अध्यक्ष हजारी दास वैष्णव की उपस्थिति में खोला गया। मंदिर बोर्ड अध्यक्ष हजारीदास वैष्णव ने बताया कि मंगलवार को प्रथम चरण में हुई भंडार गिनती से 11 करोड़ 1 लाख 51 हजार रुपए नगद प्राप्त हुए। उन्होंने बताया कि भंडार की शेष रही राशि एवं भंडार से निकले सोने चांदी का तोल होना बाकी है। गिनती में मंदिर बोर्ड अध्यक्ष हजारी दास वैष्णव, मंदिर बोर्ड सदस्य पवन तिवारी, किशन लाल अहीर, प्रशासनिक अधिकारी प्रथम भूपेंद्र वशी, मंदिर प्रभारी भैरूगिरी गोस्वामी, कालू लाल तेली, मनोहर शर्मा सहित मंदिर एवं बैंकों के कर्मचारी उपस्थित थे।

गुलाबपुरा में हाइवे किनारे खड़े ट्रक से एक करोड़ की शराब पकड़ी

- 24 घंटे से हाईवे किनारे लावारिस खड़े ट्रेलर से शराब की 1400 पेटीयां बरामद की
- पुलिस ने शराब और ट्रेलर को कब्जे में लेकर अज्ञात वाहन चालक व तस्करों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है

गुलाबपुरा, (निसं)। स्थानीय पुलिस ने नेशनल हाइवे 48 पर लावारिस ट्रेलर से एक करोड़ से अधिक लागत रुपये की अवैध शराब की लगभग 1400 पेटीयां बरामद की। ट्रेलर 24 घंटे से हाईवे किनारे खड़ा था।

पुलिस थानाधिकारी संजय गुर्जर ने बताया की राष्ट्रीय राजमार्ग 48 पर रामदेव होटल के पास लावारिस हालत में खड़े एक ट्रेलर से पुलिस ने करीब एक करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की अवैध शराब बरामद की है। ट्रेलर पिछले 24 घंटे से अधिक समय से लावारिस हालत में भीलवाड़ा से अजमेर जाने वाली सर्विस लेन पर खडा हुआ था।

स्थानीय लोगों से सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने निष्पक्षता और पारदर्शिता बनाए रखने के लिए पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी करवाते हुए ट्रेलर पर बंधा तिरपाल खुलवाया। तिरपाल हटवाकर जब तलाशी ली गई, तो ट्रेलर के भीतर अवैध शराब का बड़ा जखीरा मिला, जिसमें लगभग 1400 पेटियां भरी हुई थीं। सहायक उप-निरीक्षक गोवर्धन लाल ने जानकारी देते हुए बताया कि बरामद की गई शराब की अनुमानित कीमत लगभग एक करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की बताई गई है। पुलिस ने शराब और ट्रेलर को कब्जे में लेकर अज्ञात वाहन चालक व तस्करों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। फिलहाल पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि यह शराब कहां से लाई जा रही थी और इसे कहां सप्लाई किया जाना था।

कंटेनर में सीक्रेट केबिन से 30 लाख की शराब जब्त

डूंगरपुर, (निसं)। जिले की बिछीवाड़ा पुलिस ने रतनपुर बॉर्डर पर अवैध शराब तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने एक कंटेनर से हरियाणा निर्मित अंग्रेजी शराब के 221 कार्टन जब्त किए हैं, जिनकी बाजार कीमत करीब 30 लाख रुपए बताई जा रही है। इस मामले में कंटेनर के ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया गया है। तस्करों ने पुलिस से बचने के लिए कंटेनर की बॉडी के अंदर एक सीक्रेट केबिन बना रखा था। बाहर से देखने पर कंटेनर सामान्य दिख रहा था, लेकिन गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने जब उसकी जांच की तो शराब छिपाए जाने का खुलासा हुआ।

बिछीवाड़ा थानाधिकारी देवेंद्र देवल ने बताया कि पुलिस टीम ने कटर की मदद से कंटेनर की बॉडी काटकर गुप्त केबिन से शराब के कार्टन बाहर निकाले। यह कार्रवाई रतनपुर पुलिस चौकी के सामने एनएच-48 पर नाकाबंदी के दौरान की गई। पुलिस टीम उदयपुर से अहमदाबाद की ओर जाने वाले वाहनों की जांच कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली थी कि हरियाणा नंबर का एक बंद बॉडी कंटेनर उदयपुर की ओर से आ रहा है, जिसमें आगे की तरफ गुप्त केबिन बनाकर अंग्रेजी शराब के कार्टन छिपाए गए हैं। पुलिस ने कंटेनर को रुकवाकर ड्राइवर से पूछताछ की। उसने अपना नाम कालू सिंह रावत (27), निवासी लक्ष्मीपुरा, थाना देवगढ़, जिला राजसमंद बताया।

ट्रक चालक से लूट का इनामी आरोपी बापर्दा गिरफ्तार

- आरोपी ने वारदात के बाद उड़ीसा में फरारी काटी

कोटा, (निसं)। ग्रामीण इलाके की कनवास पुलिस टीम ने ट्रक चालक व खलासी से 12,70,000 रूपये की लूट के दर्ज मामले में फरारी काट रहे दस हजार के इनामी आरोपी को बापर्दा गिरफ्तार किया है। मामले में वांछित चल रहे आरोपी के उड़ीसा से कोटा आने की जानकारी पुलिस टीम को मिली, जिस पर पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को बापर्दा गिरफ्तार किया।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि 5 अप्रैल को फरियादी ने रिपोर्ट दी। फरियादी ने रिपोर्ट में कहा कि ट्रक चालक जितेन्द्र गुर्जर को उस्मानाबाद महाराष्ट्र अंगूर लेने के लिये खाली केरिट के साथ ट्रक को रवाना किया गया, रिपोर्ट में कहा कि ट्रक चालक को किसानों को पैमेंट देने के लिये 12,77,000 रूपये दिये। जब ट्रक मंडाना होकर दरा पहुंचा तो दो मोटरसाइकिल पर आये छह अज्ञात जनों ने ट्रक को रूकवाकर चालक व खलासी को चाकू दिखाकर रूपये लूट ले गये।

ग्रामीण एसपी ने बताया कि फरियादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया, मामले को गंभीरता से लेते हुए कनवास थानाधिकारी अनूप सिंह के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया, टीम ने कार्रवाई करते हुए पूर्व में कुछ आरोपियो को गिरफ्तार किया था, मामले में आरोपी विजय सहित कुछ आरोपी फरार चल रहे थे।

ग्रामीण एसपी ने बताया कि वांछित आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर टीम ने संभावित स्थानों पर दबिश दी। फरार आरोपियों पर 10 हजार इनाम राशि घोषित की गई। पुलिस टीम को मामले में वांछित चल रहे आरोपी विजय के उड़ीसा से कोटा आने की सूचना मिली, जिस पर पुलिस टीम ने घेराबंदी कर उड़ीया बस्ती निवासी विजय को बापर्दा गिरफ्तार किया।पकड़े गये आरोपी से पूछताछ में आरोपी के उड़ीसा मे फरारी काटना सामने आया है, आरोपी से अनुसंधान जारी है।

थप्पड़कांड केस में नरेश मीणा की याचिका खारिज

टोंक, (निसं)। एसडीएम थप्पड़कांड केस के आरोपी नरेश मीणा की एससी/एसटी कोर्ट ने मंगलवार को जमानत याचिका खारिज कर दी। इस दौरान नरेश मीणा के वकील फतेहराम मीणा ने बताया कि एससी/एसटी कोर्ट ने नरेश मीणा की रेगुलर जमानत याचिका खारिज की है, अब हाईकोर्ट में जमानत याचिका दायर करेंगे। उल्लेखनीय है कि समरावता में चुनाव के दौरान एसडीएम को थप्पड़ मारने के केस में आरोपी नरेश मीणा को हाईकोर्ट से सशर्त जमानत मिली थी, लेकिन शर्तों के उल्लघंन के चलते एससी/एसटी कोर्ट ने 13 जुलाई 2026 को उनकी जमानत रद्द कर दी थी, इसके बाद नरेश मीणा ने 6 अगस्त की दोपहर नगरफोर्ट थाने में सरेंडर किया था।

इंटरनेट पर सस्ता फोन खरीदने के चक्कर में युवक से ठगी

जोधपुर, (कासं)। शहर के चौपासनी हाउसिंग बोर्ड प्रथम पुलिया क्षेत्र में रहने वाले एक युवक को इंटरनेट पर सस्ता फोन खरीदने का चक्कर महंगा पड़ गया। युवक एप्पल फोन के चक्कर में जालसाजी का शिकार हो गया। उससे पौने दो लाख रूपए की ठगी कर ली गई। पीड़ित ने साइबर पोर्टल पर शिकायत दी तो बाद में शातिरों ने साइबर अधिकारी बनकर फिर ठग लिया। इस बारे में अब देवनगर थाने में रिपोर्ट हुई है। घटना 2 से 8 अगस्त के मध्य की है।

थानाधिकारी कमल किशोर ने बताया कि प्रथम पुलिया 2 ई 16 में रहने वाले किशोर कुमार डोसी की तरफ से रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। इसमें उसने बताया कि उसने इंटरनेट पर एप्पल फोन बिकाऊ का विज्ञापन देखा था। जिस पर दिए गए नंबर से उसने बात की। तब शातिर ने फोन के लिए ऑन लाइन पेमेंट का कहा। वह झांसे में आता गया और ऑन लाइन रूपए भेजता रहा। उसे ठगी का अहसास होने पर उसने साइबर पोर्टल पर इसकी शिकायत डाली। बाद में शातिरों ने उससे साइबर अधिकारी बनकर फिर ठगी कर ली। उससे 1 लाख 75 हजार रूपए ठग लिए गए। घटना 2 से 8 अगस्त के बीच होना बता रहा है।

त्रिसुगंधि साहित्य, कला एवं संस्कृति संस्थान का उदयपुर में राष्ट्रीय अधिवेशन सम्पन्न

- कार्यक्रम में प्रदेश के 17 साहित्यकार सम्मानित, आठ पुस्तकों का विमोचन भी हुआ

जयपुर/उदयपुर। त्रिसुगंधि साहित्य, कला एवं संस्कृति संस्थान, उदयपुर की ओर से एक दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन एवं सम्मान समारोह, पुस्तक विमोचन, साहित्यिक परिचर्चा एवं पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन श्रृंगी ऋषि भवन, अम्बामाता स्कीम, उदयपुर में किया गया। छह सत्रों में विभाजित यह आयोजन पूरे दिन साहित्यप्रेमियों के लिए आकर्षण का केंद्र बना रहा। कार्यक्रम में प्रदेशभर के लगभग 150 साहित्यकार उपस्थित रहे। अधिवेशन में राजस्थान के 16 जिलों से साहित्यकारों एवं प्रतिभागियों ने सहभागिता की। दिल्ली सहित अन्य स्थानों पर रह रहे प्रवासी राजस्थानियों का भी सम्मान किया गया।

संस्थान की संस्थापक अध्यक्ष और विख्यात साहित्यकार आशा पाण्डेय ओझा 'आशा' एवं महासचिव संजय गुप्ता 'देवेश' ने बताया कि अधिवेशन का उद्देश्य साहित्यकारों को सम्मानित करने के साथ साहित्य की विभिन्न विधाओं, समकालीन विषयों और सामाजिक सरोकारों पर सार्थक संवाद स्थापित करना है। उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि धर्म नारायण जोशी, अध्यक्ष उद्यमी एवं समाजसेवी राधेश्याम सिखवाल, विशिष्ट अतिथि जितेन्द्र कुमार पाण्डेय, मुख्य निष्पादन अधिकारी, श्रीनाथजी मंदिर मंडल, नाथद्वारा, तथा साहित्यकार राजेन्द्र शर्मा 'मुसाफिर', वरिष्ठ साहित्यकार, चूरू रहे। अरुण जोशी एवं मनोहर सिखवाल की भी उपस्थिति रही। इस सत्र में डॉ. उमेश चौरसिया, अजमेर को 'महिमा आमेटा ओव्यूं लोक-भाषा साहित्य-शिखर सम्मान-2026', विजय जोशी, कोटा को 'दुर्गादेवी स्मृति हिंदी साहित्य विभूषण सम्मान', रतनलाल मेनारिया 'नीर', चित्तौढ़गढ़ को 'हेमलता अग्रवाल स्मृति कथा-साहित्य गौरव सम्मान', शकुंतला पालीवाल को 'सुश्री गीता वर्मा स्मृति युवा-रत्न लेखन सम्मान' तथा प्रदाता डॉ. अंजीव अंजुम, दौसा को 'रतनलाल शर्मा 'सिखवाल' अजमेर स्मृति काव्य-कथ्य गौरव सम्मान' प्रदान किया गया। इसी सत्र में स्व. ज्ञानेश्वरी चौहान, जोधपुर के काव्य-संग्रह 'जिजीविषा' तथा रमेश भटनागर, उदयपुर की पुस्तक 'पपीहा मुँह खोलेगा तो...' का विमोचन हुआ। सुभाष अग्रवाल और डॉ. प्रियंका भट्ट ने बताया कि इस आयोजन के माध्यम से साहित्य की विभिन्न विधाओं को मंच प्रदान करने का प्रयास किया गया।

कार्यक्रम के दौरान कई साहित्यकारों को सम्मानित किया गया।

द्वितीय सत्र में 'आदिवासी जनजातियाँ एवं राष्ट्रवाद' विषय पर परिचर्चा हुई। मुख्य वक्ता डॉ. सुरेश सालवी, विभागाध्यक्ष, राजस्थानी विभाग, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर तथा अध्यक्ष डॉ. आशीष सिसोदिया, विभागाध्यक्ष, उर्दू विभाग, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर रहे। मुख्य अतिथि प्रहलाद पारीक, भीलवाढ़ा, विशिष्ट अतिथि विजय जोशी, कोटा, डॉ. अनंत सिंह, फालना एवं के.के. शर्मा, अजमेर रहे। सानिध्य हेमेंद्र सिंह चावंड, उदयपुर एवं लोकेश पारख, उदयपुर का रहा।

इस सत्र में नाथूसिंह इंदा, खिरजा खास बालेसर को 'कृष्ण चंद्र ओझा 'ओसियां' स्मृति बाल साहित्य-रत्न सम्मान', घनश्याम किनियां को 'राजकुमार गुप्ता स्मृति छंद-रत्न सम्मान-2026', ऋतु चतुर्वेदी, भीलवाड़ा को 'अशोक कुमार सक्सेना स्मृति भारतीय अध्यात्म-दर्शन विभूषण सम्मान' तथा रश्मि शर्मा, कोटा/उदयपुर को 'सुश्री सुरभि स्मृति साहित्य-सौरभ सम्मान' प्रदान किया गया। सत्र में 'बारिश में भीगे शब्द', लेखक चंद्रशेखर शर्मा, नारलाई, तथा 'आशाओं के पंख', लेखक सुनील चाष्टा, सलूंबर की पुस्तकों का विमोचन हुआ।

तृतीय सत्र की अध्यक्षता डॉ. भैरूंलाल गर्ग, वरिष्ठ साहित्यकार एवं संपादक 'बालवाटिका', भीलवाड़ा ने की। उन्होंने राष्ट्रवाद,संस्कार, संस्कृति व बाल साहित्य पर मुख्य वक्ता के तौर पर अपनी बात रखी। विशिष्ट अतिथि डॉ. सरस्वती जोशी, बनवारी शर्मा पारीक 'नवल', फतेहनगर तथा सानिध्य ललित पारख, लोकेश पारख का रहा। इस सत्र में श्री श्याम मठपाल को 'राजकुमार गुप्ता स्मृति छंद-रत्न सम्मान-2025', चंद्रशेखर शर्मा, नारलाई को 'झंकार कुंवर-संपतराज पोरवाल स्मृति ज्योतिर्मय शांति साहित्य सम्मान' तथा देवेन्द्र कुमार देव, सुमेरपुर-पाली को 'मथुरादास पारख स्मृति युवा कथा-रत्न सम्मान' से सम्मानित किया गया।इस सत्र में आशा पाण्डेय ओझा की पुस्तक 'तितली चली सिनेमा हॉल' तथा डॉ. नम्रता जैन की 'काव्य सरिता' का विमोचन हुआ। चतुर्थ सत्र में काव्य पाठ आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि प्रमोद सनाढ्य, वरिष्ठ साहित्यकार, नाथद्वारा, अध्यक्ष डॉ. विजय विप्लवी, लेखक एवं स्वतंत्र पत्रकार, विशिष्ट अतिथि पुरुषोत्तम शाकद्वीपीय एवं अरुण त्रिपाठी, तथा दीपक नगायच रोशन, उदयपुर रहे। इस अवसर पर बंसीलाल लोहार, लक्ष्मीलाल खटीक, सुदेश चौधरी, के.पी. राय, सुमन स्वामी, डॉ. नितिन मेनारिया, लोकेश चौबीसा, संगीता गुजराती, मधु सहगल, गति शर्मा, सोहन ढीढोर एवं चंद्रेश खत्री ने काव्य पाठ किया। कार्यक्रम के अंत में सुनीता निमिष सिंह एवं डॉ. मनीष सक्सेना ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

डांगावास हत्याकांड में बरी 40 आरोपियों के खिलाफ पुनः जांच की मांग

कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग ने राज्यपाल के नाम कलैक्टर को ज्ञापन सौंपा

- ज्ञापन में पीड़ित परिवारों को न्याय और पूर्ण सुरक्षा उपलब्ध कराने तथा उन्हें शीघ्र एवं उचित मुआवजा दिलाने की मांग भी रखी
- डांगावास गांव में 14 मई 2015 को भूमि विवाद को लेकर हुई घटना में पांच दलितों सहित छह लोगों की हत्या हुई थी

अजमेर, (कासं)। अजमेर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अनुसूचित जाति विभाग की ओर से डांगावास हत्याकांड मामले में सभी 40 आरोपियों के बरी होने के बाद पुनः निष्पक्ष जांच और पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाने की मांग को लेकर मंगलवार को जिला कलैक्टर के माध्यम से राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन अनुसूचित जाति विभाग के शहर अध्यक्ष सौरभ यादव के नेतृत्व में तथा जिला प्रभारी डॉ. आर.सी. सामरिया के मार्गदर्शन में सौंपा गया।

सौरभ यादव ने कहा कि नागौर जिले के डांगावास गांव में 14 मई 2015 को भूमि विवाद को लेकर हुई घटना में पांच दलितों सहित छह लोगों की हत्या हुई थी। मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने की और करीब 11 वर्ष तक चली न्यायिक प्रक्रिया के बाद मेड़ता स्थित अनुसूचित जाति एवं जनजाति विशिष्ट न्यायालय का फैसला सामने आया है।

उन्होंने कहा कि न्यायालय ने घटना के घटित होने को स्वीकार किया, लेकिन साक्ष्यों और अभियोजन पक्ष की कमियों के आधार पर सभी 40 आरोपियों को बरी कर दिया। फैसले के बाद पीड़ित परिवारों और अनुसूचित जाति समाज के सामने गंभीर सवाल खड़ा हो गया है कि यदि सभी आरोपी बरी हो गए तो डांगावास में छह निर्दोष लोगों की हत्या किसने की।

कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग ने राज्यपाल से मांग की कि राज्य सरकार और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो को मामले के कानूनी पहलुओं का गहन परीक्षण कर उच्च न्यायालय में सक्षम अपील प्रस्तुत करने के निर्देश दिए जाएं। विभाग ने कहा कि पीड़ित परिवारों को वास्तविक न्याय दिलाने के लिए मामले की आगे की कानूनी प्रक्रिया प्रभावी तरीके से शुरू की जानी चाहिए। ज्ञापन में मामले की जांच और अभियोजन की भूमिका की उच्च स्तरीय समीक्षा कराने की भी मांग की गई। सौरभ यादव ने कहा कि यह पता लगाया जाना आवश्यक है कि जांच और अभियोजन के स्तर पर ऐसी कौन-कौन सी गंभीर कमियां रहीं, जिनके कारण न्यायालय में आरोप सिद्ध नहीं हो सके और दोषियों को सजा नहीं मिल पाई।

अनुसूचित जाति विभाग ने पीड़ित परिवारों को पूर्ण सुरक्षा उपलब्ध कराने तथा उन्हें शीघ्र एवं उचित मुआवजा दिलाने की मांग भी रखी। यादव ने राज्यपाल से मामले में व्यक्तिगत हस्तक्षेप करते हुए पीड़ित दलित परिवारों को न्याय दिलाने की दिशा में आवश्यक कदम उठाने का आग्रह किया। ज्ञापन देने वालों में अधिवक्ता रमेश गारवाल, अधिवक्ता मनीष बागमार, रवि बैरवा, रवि देवल, मनमोहन कोली, हरि सिंह रेगर, ओमप्रकाश महावर, खेम सिंह परिहार, हुकुमचंद, विजय सिंह सहित विभाग के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मूसलाधार बारिश से बून्दी जलमग्न, शहर में साढ़े पांच इंच पानी बरसा

नवल सागर से पानी छोड़ने से नागदी में पानी की भारी आवक, कई दुपहिया वाहन बहे

बून्दी में तेज बरसात होने से कई तालाबों में पानी की आवक हुई।

- **नवल सागर झील ओवरफ्लो होने से पुराने शहर की सड़कों पर तीन फीट तक पानी का तेज बहाव आया**
- **17 फीट भराव क्षमता वाले इंद्रगढ़ के चाकन बांध पर चादर चली**

बून्दी, (निसं)। बूंदी शहर में बीती रात से शुरू हुई मूसलाधार बारिश ने बूंदी को जलमग्न कर दिया। 24 घंटे में 5.5 इंच (साढ़े पांच इंच) बारिश रिकॉर्ड की गई। नवल सागर झील ओवरफ्लो होने से पुराने शहर की सड़कों पर 3 फीट तक पानी का तेज बहाव आया।

तलाई मोहल्ला, महावीर कॉलोनी, मजिस्ट्रेट कॉलोनी और देवपुरा में जलभराव से जनजीवन प्रभावित हुआ। कई वाहन पानी में बह गए। किसी भी प्रकार की प्राकृतिक आपदा से निपटने के लिए जिला प्रशासन ने रेस्क्यू टीमें तैनात की हैं। कलैक्टर हरफूल सिंह यादव भी स्थिति की मॉनिटरिंग कर रहे हैं और लोगों से जलभराव वाले इलाकों से दूर रहने की अपील की गई है। वहीं बारिश के चलते चित्तौड़ रोड और छतरपुरा क्षेत्र में पानी भर गया। नगर परिषद द्वारा पानी की निकासी के लिए लगातार अवरोधों को हटाकर पानी की निकासी की जा रही है। इंद्रगढ़ के चाकन बांध की भराव क्षमता 17 फीट है और उस पर चादर चलने लगी है। वहीं चंबल के उफान से हाईवे-37ए पर रोटेदा-मंडावरा मार्ग पर रोटेदा पुलिया को यातायात के लिए बंद कर दिया गया है। नैनवां में 2.75 इंच और तालेड़ा में 2.5 इंच बारिश दर्ज हुई।

शहर में मंगलवार अलसुबह हुई झमाझम बरसात से चारो ओर पानी ही पानी हो गया। शहर के नवल सागर तालाब के लबालब होने से उसके गेट खोले गये और पानी की निकासी की गई। नवल सागर से पानी छोड़ने से मंगलवार दूसरे दिन भी नागदी में पानी की भारी आवक रही। जिससे पानी मीरा गेटको पार करते हुए मालन मासी बालाजी रोड़ और पुलिस लाइन रोड़ तक पहुंच गया।

नागदी के चलते कई दुपहिया वाहन बहे जिन्हें पकड़ने के लिए लोग मशक्कत करते रहे। कई लोगों ने तो चेन बनाकर वाहन को पकड़ा। नागदी के चलते रास्ता अवरूद्ध होने से लोगों को बायपास और कागदी देवरा रोड़ का सहारा लेना पड़ा। बरसात होने से जैतसागर में भी पानी की आवक हुई है, वहीं बाणगंगा लबालब हो गई है। दूसरे दिन बरसात होने से शहर के छत्रपुरा रोड़, पुलिस लाइन रोड़,नैनवां रोड़, महावीर कॉलोनी, तलाई बस्ती आदि बस्तियों में घरो में पानी घुस गया। मंगलवार अलसुबह की बारिश शहर सहित आस पास के गांवों में भी होने से किसानों के चेहरों पर खुशी नजर आई। बरसात के चलते आज बाजार में तिरपाल, छतरी, रेनकोट की दुकानों पर खरीददारों की भीड़ नजर आई।

शास्त्री नगर क्षेत्र वासियों ने नगर परिषद आयुक्त को ज्ञापन देकर वार्ड में मौजूद विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग की है। ज्ञापन सौंपने दौरान नसीम अंसारी, मो. आरिफ, सत्यनारायण, जावेद, गोलू, प्रभु लाल, इमरान, सुरेंद्र रामकिशन आदि मौजूद रहे।

श्रीगंगानगर में बीएसएफ कैंप से पाकिस्तानी जासूस गिरफ्तार

- **दीवार फांदकर घुसा था जासूस, सेना की डिटेल्स पाकिस्तान भेजने की आशंका**

श्रीगंगानगर, (निसं)। स्वतंत्रता दिवस से पहले भारत-पाकिस्तान बॉर्डर से सटे श्रीगंगानगर में सीमा सुरक्षा बल के कैंप की दीवार फांदकर घुसे पाकिस्तानी जासूस को पकड़ा है। बीएसएफ की 163वीं बटालियन के कैंप में आरोपी बिना परमिशन घुसा था।

आरोपी के पास मिले मोबाइल से पाकिस्तानी नंबरों के मैसेज और कॉल डिटेल्स भी मिली है। आरोपी लगातार इन नंबरों पर संपर्क कर रहा था। एइ की रिपोर्ट पर रायसिंहनगर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। सुरक्षा एजेंसी भी हाई अलर्ट पर हैं और आरोपी से बीएसएफ में पूछताछ करेगी। बीएसएफ ने पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि 9 अगस्त को शाम करीब 6:05 बजे आरोपी सुभाष चंदर पुत्र गोविंद राम निवासी गांव 02 एफएफ श्रीगंगानगर ने बीएसएफ कैंप परिसर में दीवार फांदकर घुसा, जिसे बीएसएफ जवानों ने मौके पर ही पकड़ लिया। बीएसएफ ने 10 अगस्त को आरोपी की रायसिंहनगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मेडिकल जांच करवाई और रायसिंहनगर थाने ले जाकर पुलिस को सौंप दिया।

बीएसएफ टीम द्वारा प्रारंभिक पूछताछ और उसके मोबाइल की कॉल डिटेल्स की जांच में चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। कॉल रिकॉर्ड में कंट्री कोड पाकिस्तान (92) वाले मोबाइल नंबरों से संपर्क का खुलासा हुआ है। आरोपी ने इन पाकिस्तानी नंबरों पर कई बार कॉल और मैसेज किए हैं।

आर्मी इंटेलिजेंस के सूत्रों ने बताया कि आरोपी संभवतया बीएसएफ के कैंप में घुसकर सेना की जानकारियां और तस्वीरें पाकिस्तान को भेजने की कोशिश कर रहा था, लेकिन बीएसएफ की मुस्तैदी से पकड़ा गया। इंटेलिजेंस का मानना है कि स्वतंत्रता दिवस नजदीक है। श्रीगंगानगर जिला भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय बॉर्डर से सटा होने के कारण ऐसी गतिविधियां बढ़ जाती है। हालांकि, पाक की नापाक कोशिश का जवाब देने के लिए सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हैं। बीएसएफ कैंप जैसे संवेदनशील इलाके में घुसपैठ और सीमापार नंबरों से संपर्क के आरोप ने सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क कर दिया है।

जैसलमेर में स्कूल बस में आग लगी, हादसा टला

- **बस में सवार बच्चों को समय रहते सुरक्षित बाहर निकाल लिया**

जैसलमेर, (निसं)। जैसलमेर-खुहड़ी मार्ग पर धऊवा गांव के पास मंगलवार को एक स्कूल बस में अचानक आग लग गई। बस एसएम पब्लिक स्कूल की बताई जा रही है। आग लगने के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल हो गया।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार बस में आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगने की आशंका जताई जा रही है। बस में सवार बच्चों को समय रहते सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। घटना कुछ समय पहले की बताई जा रही है। आग लगने के बाद बस से धुआं उठता दिखाई दिया और देखते ही देखते आग ने बस को अपनी चपेट में ले लिया। सूचना मिलने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। प्रारंभिक सूचना के अनुसार हादसे में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। आग से बस को कितना नुकसान हुआ, इसकी जानकारी फिलहाल सामने नहीं आई है। घटना के वास्तविक कारणों की जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

सड़क हादसे में एक परिवार के तीन लोगों की मौत

धौलपुर, (निसं)। सदर थाना क्षेत्र में भागीरथपुरा मोड़ के पास मंगलवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में कार सवार पिता-पुत्र और उनके चाचा की मौत हो गई। हादसा कार और ट्रक के बीच आमने-सामने की जोरदार भिड़ंत के कारण हुआ। दुर्घटना की सूचना मिलते ही पचगांव चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और तीनों घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

जानकारी के अनुसार कार सवार तीनों लोग जयपुर के पदमपुरा स्थित जैन मंदिर के दर्शन करने के लिए गए थे। वापस लौटते समय भागीरथपुरा मोड के पास उनकी कार सामने से आ रहे ट्रक से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार तीनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में राजकुमार जैन (50) पुत्र ज्योति प्रसाद, निवासी मनिया, हाल शास्त्री नगर, उनके भतीजे विजय (45) पुत्र कैलाश चंद्र, निवासी लीला विहार कॉलोनी तथा विजय के पुत्र आदि (15) निवासी लीला विहार कॉलोनी की मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। पचगांव चौकी पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से तीनों को कार से बाहर निकलवाकर जिला अस्पताल पहुंचाया, लेकिन चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने तीनों शवों को जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया है । एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। हादसे की जानकारी मिलने के बाद बड़ी संख्या में परिजन और परिचित जिला अस्पताल पहुंचे। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और दुर्घटना के कारणों की पड़ताल की जा रही है।

भरतपुर में झमाझम बारिश से कई इलाकों में जलभराव

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर में मंगलवार दोपहर अचानक मौसम का मिजाज बदल गया। सुबह से तेज धूप और उमस के कारण लोग गर्मी से परेशान थे, लेकिन दोपहर बाद आसमान में बादल छाए और देखते ही देखते झमाझम बारिश का दौर शुरू हो गया। शहर सहित आसपास के कई इलाकों में बारिश होने से मौसम सुहावना हो गया और लोगों को गर्मी एवं उमस से बड़ी राहत मिली। बारिश शुरू होते ही सड़कों पर लोगों की आवाजाही कम हो गई। लगातार हो रही बारिश को खरीफ की फसलों के लिए काफी लाभदायक माना जा रहा है। बारिश से खेतों में खड़ी खरीफ फसलों को पानी मिलने से किसानों को फायदा होने की उम्मीद है। बारिश को कृषि के लिए अमृत माना जा रहा है, जिससे फसलों की स्थिति बेहतर होने और उत्पादन बढ़ने की संभावना है। बारिश के बाद ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों के चेहरों पर भी खुशी देखने को मिली। वहीं, बारिश के साथ शहर के कई निचले इलाकों, कॉलोनियों और बाजारों में जलभराव की स्थिति बन गई। सड़कों पर पानी भरने से वाहन चालकों और पैदल राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ा। कई स्थानों पर लोगों की आवाजाही प्रभावित हुई, जबकि दोपहिया वाहन चालकों को पानी के बीच से निकलने में दिक्कतों का सामना करना पड़ा। शहर में पहले से जलभराव की समस्या वाले इलाकों में बारिश के बाद स्थिति और खराब होने की आशंका है। नालियों और नालों में पानी की निकासी प्रभावित होने से कई जगह सड़कें पानी से लबालब नजर आईं।

गंगापुर सिटी में एक घंटे तक तेज बारिश हुई, बाजारों में पानी भरा

गंगापुर सिटी, (निसं)। गंगापुर सिटी और आसपास के इलाकों में मंगलवार शाम मौसम का मिजाज अचानक बदल गया। शाम करीब चार बजे के बाद आसमान में घने बादल छा गए और एक घंटे तक तेज बारिश हुई। इस बारिश से जहां लोगों को गर्मी और उमस से राहत मिली, वहीं शहर की जल निकासी व्यवस्था की पोल भी खुल गई। बारिश के बाद शहर की सड़कों पर पानी भर गया। नया बाजार, फव्वारा चौक, उदेई मोड़, सालोदा, ईदगाह और कचहरी रोड जैसे इलाकों में जलभराव की स्थिति बन गई। नया बाजार में स्थिति विशेष रूप से खराब रही, जहां सड़क पर घुटनों से उपर तक पानी भर गया, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को आवागमन में परेशानी हुई।

बारिश से पहले मंगलवार को दिनभर गर्मी और उमस ने लोगों को परेशान किया। सुबह से ही आसमान में बादल छाए हुए थे, लेकिन उमस बनी हुई थी। पिछले दो दिनों से लोग तेज गर्मी के बीच बारिश का इंतजार कर रहे थे। शाम को बारिश होने के बाद तापमान में गिरावट दर्ज की गई और लोगों को काफी राहत मिली। शाम चार बजे के बाद अधिकतम तापमान लगभग 29 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बारिश से किसानों के चेहरों पर भी खुशी दिखी। मौसम विभाग ने अगले 2 दिनों तक बारिश का अलर्ट जारी किया है, जिससे किसानों और आमजन को अच्छी बारिश की उम्मीद है। हालांकि, क्षेत्र में अभी औसत बारिश का आंकड़ा पूरा होने में काफी समय है।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता
जन स्वास्थय अभियांत्रिकी विभाग खण्ड नगर

क्रमांकः-अ.अ./नगर / 2026-27/621-28 दिनांक :- 6/8/26

निविदा सूचना संख्या 22-26/2026-27

राजस्थान के राज्यपाल की ओर से इस खण्ड के अधीन 5 नं0 कार्य एवं निविदा की कुल राशि रू0 20.70 लाख हेतु मोहरबन्द निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। जिससे सबंधित विवरण एवं सूचनाऐं वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है
UBN Code No-PHE2627WSLB03782, PHE2627WSLB03783
PHE2627WSLB03784, PHE2627WSLB03785
PHE2627WSLB03786

अधिशाषी अभियन्ता,
जन स्वा. अभि. विभाग खण्ड नगर

DIPR/C/14227/2026

बदमाशों ने पुलिस वाले बनकर महिला से गहने लूटे

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर में इवनिंग वॉक पर निकली महिला के सोने के गहने ठगने का मामला सामने आया है। बदमाशों ने पुलिस चेकिंग का कहकर पहले सोने के गहने उतरवाए। इसके बाद नकली गहने थमा दिए। घर आकर देखने पर ठगी का पता चला। बदमाश करीब ढाई तोला वजनी सोने की चेन, एक ढाई तोला वजनी अन्य सोने की चेन, दो सोने के कड़े, लगभग तीन तोला वजनी इस तरह से कुल 8 तोला सोना ले गए। मामला रातानाडा थाना इलाके का है।

रातानाडा थाने में स्नेहलता शर्मा (65) सुभाष कॉलोनी डिफेंस लेब रोड निवासी के साथ यह घटना हुई है। स्नेहलता शर्मा ने थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई है। रिपोर्ट में बताया कि 10 अगस्त की शाम 5:45 से 6:30 के बीच वह हमेशा की तरह कॉलोनी में वॉक के लिए निकली थी। देवी भवन के पास गली नंबर 5 से निकल रही थी। उस दौरान पहले से खड़े दो अज्ञात लोगों ने उन्हें रोका। उन्होंने खुद को पुलिस वाला बताया और कहा कि चेकिंग चल रही है, इसलिए आप अपने सोने के गहने उतार दिजिए। इन्हें किसी कपड़े में लपेटकर रखिए। बदमाशों में शामिल एक युवक ने चेकिंग का नाटक भी किया, जिससे मुझे विश्वास हो गया कि वह सचमुच में पुलिसकर्मी है और सभी की जांच कर रहे हैं। इस विश्वास में आकर मैंने अपने गहने उतार कर उन्हें दे दिए।

युवक ने आत्महत्या की

कोटा, (निसं)। किशोरपुरा थाना इलाके में एक युवक ने घर में फांसी का फन्दा लगाकर सुसाइड कर लिया। जानकारी के अनुसार इलाके के साजीदेहड़ा निवासी युवक ने घर में फांसी का फन्दा लगा लिया, मंगलवार तड़के परिजन उठे तो युवक को फांसी के फन्दे पर लटका देखा जिसे नीचे उतारकर अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पाकर किशोरपुरा पुलिस टीम पहुंची। किशोरपुरा थानाधिकारी चेतन शर्मा ने बताया कि किशोरपुरा इलाके के साजीदेहड़ा निवासी अमित विश्वास ने घर पर फांसी का फन्दा लगाकर सुसाइड कर लिया।

हरियाणा के हथियार तस्कर गिरोह से जुड़ा आरोपी अजमेर में गिरफ्तार

- **आरोपी के कब्जे से पिस्तौल व चार जिंदा कारतूस बरामद किये**

अजमेर, (निसं)। अवैध हथियारों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत रामगंज थाना पुलिस ने साइबर टीम के सहयोग से कार्रवाई करते हुए एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी हरियाणा के हथियार तस्कर गिरोह से जुड़ा हुआ है। उसके कब्जे से एक पिस्तौल और चार जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं।

रामगंज थाना प्रभारी हरिपाल सिंह ने बताया कि पुलिस टीम को अवैध हथियारों की तस्करी और इनके इस्तेमाल से जुड़े लोगों के संबंध में जानकारी मिली थी। इसके बाद साइबर टीम की मदद से संदिग्ध गतिविधियों पर निगरानी रखी गई। जांच के दौरान किशनगढ़ के गांधीनगर निवासी सागर पुत्र दीपचंद के बारे में जानकारी सामने आई। पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी की तलाशी ली तो उसके पास से एक पिस्तौल और चार जिंदा कारतूस बरामद हुए। प्रारंभिक जांच में आरोपी के हरियाणा के हथियार तस्कर गिरोह से संपर्क होने की बात सामने आई है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपी हथियार कहां से लेकर आया था और इसे आगे किस व्यक्ति को सौंपा जाना था।

थाना प्रभारी के अनुसार गिरफ्तार आरोपी का पूर्व में भी आपराधिक रिकॉर्ड रहा है। पुलिस उसके पुराने मामलों की जानकारी जुटाने के साथ ही हथियार तस्करी के नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों के बारे में भी पूछताछ कर रही है। पुलिस को उम्मीद है कि पूछताछ के दौरान अवैध हथियारों की खरीद-फरोख्त से जुड़े कुछ और सुराग मिल सकते हैं।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER,
PHED City Division-I (North), Jaipur

No.:618-627 Date: 31/7/26

Notice Bid Inviting

Bids 1. For Providing Security Gaurds without arms at PHED City division-I (N) Jaipur & 2. Daily Cleaning & Sweeping work in various offices at panipech PHED Campus Under City Division-I (N) Jaipur are invited from interested bidders upto 06:00 PM Date 13.08.2026 Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://sppp.raj.nic.in) of the state. The approximate value of the procurement is Rs 27.22 Lacs & 11.21 Lacs UBN No.: PHE2627WSOB03454 & PHE2627WSOB03456

(Bhawnesh Kuldeep)
Executive Engineer PHED, City Division-1 (N)
Jaipur

DIPR/C/13872/2026

Government of Rajasthan
Office of the Executive Engineer WD and SC Sheo (Barmer)

No. 274 Date: 05.08.2026

Notice Inviting BID NIB No 10 YEAR 2026-27

Bids for Watershed Development Works are invited from interested bidders up to 13.08.2026 at 06:00 PM as per following details. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal https://eproc.rajasthan.gov.in or https://sppp.rajasthan.gov.in of the state departmental website.

Sr. No.	Block	NIB No.	Estimate (Rs in Lacs)	NIB Code	UBN Code
1	SHEO	10/2026-27	59.46	WSC2627A0859	WSC2627WSRC01545

(AKSHAY PANCHAL)
Executive Engineer
WD and SC, Sheo (Barmer)

DIPR/C/14066/2026

पांचवीं-आठवीं बोर्ड परीक्षा फरवरी में

बीकानेर, (निसं)। प्रारंभिक शिक्षा एवं पंचायती राज विभाग ने वर्ष 2027 में होने वाली कक्षा 5 और 8 की परीक्षाओं को लेकर स्कूलों के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। परीक्षा फरवरी 2027 में प्रस्तावित है। विभाग ने स्कूल स्तर पर परीक्षा संबंधी ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया को समय पर पूरा करने के निर्देश दिए हैं। निर्देश के अनुसार कक्षा 8 की प्राथमिक शिक्षा पूर्णता प्रमाण-पत्र परीक्षा और कक्षा 5 की प्राथमिक शिक्षा अधिगम स्तर मूल्यांकन परीक्षा के लिए शाला दर्पण पोर्टल के माध्यम से अगस्त-सितंबर 2026 में विद्यालय स्तर पर ऑनलाइन आवेदन पत्र भरवाए जाएंगे।

अलवर की मत्स्य यूनिवर्सिटी में हजारों कॉपियां बारिश के पानी में भीगीं

- **बारिश से बिल्डिंग में लीकेज़, बेसमेंट में चार दिन से भरा है पानी, खराब हो रहीं आंसरशीट**

अलवर, (निसं)। हल्दीना स्थित राज ऋषि भर्तृहरि मत्स्य विश्वविद्यालय के नए प्रशासनिक भवन की पोल मानसून की पहली झड़ी ने ही खोल दी है। हाल ही हुई तेज बारिश के बाद करोड़ों रुपए की लागत से बने विश्वविद्यालय के भवन के बेसमेंट में पानी भर गया। इससे वहां रखी हजारों उत्तरपुस्तिकाएं पानी में डूबकर खराब हो रही हैं।

लापरवाही का आलम यह है कि चार दिन बाद भी बेसमेंट से पानी की पूरी निकासी नहीं हो पाई है। अब भी वहां कई इंच पानी एकत्र है। इसी पानी के बीच कट्टों में भरकर रखी गई स्टूडेंट्स की उत्तरपुस्तिकाएं खराब होने की कगार पर पहुंच गई हैं।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने कहा-यह पहली बार नहीं है। पिछले तीन साल से लगातार बरसात के मौसम में इसी तरह बेसमेंट में पानी भरने की समस्या सामने आ रही है। हर साल बरसात आती है। बेसमेंट जलमग्न होता है। निर्माण करने वाली एजेंसी को शिकायत की जा चुकी है। यही हाल रहा तो आने वाले समय में छात्रों के रिकॉर्ड का नामोनिशान मिट जाएगा। यदि किसी विद्यार्थी को अपने पुराने रिकॉर्ड या डिग्री सत्यापन के लिए कॉपियों की आवश्यकता पड़ी तो विश्वविद्यालय प्रशासन के पास सिवाय पछतावे के कुछ नहीं बचेगा। करोड़ों रुपए खर्च करने के बाद भी बैसमेंट में पानी रिसने या भरने की समस्या का समाधान न होना सीधे तौर पर घटिया निर्माण सामठी और इंजीनियरिंग पर बड़ा सवालिया निशान खड़ा करता है।

हैरानी की बात यह है कि निर्माण एजेंसी भवन को विश्वविद्यालय प्रशासन को हैंडओवर करते-करते अपना गारंटी पीरियड भी पूरा कर चुकी है। अब जब खामियां सामने आ रही हैं तो विभाग अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ता नजर आ रहा है, जबकि निर्माण करने वाली एजेंसी को पूरा भुगतान कर दिया गया।

महिला ने ससुराल में फांसी लगाई

जोधपुर, (कासं)। शहर के निकटवर्ती मथानिया में रहने वाली एक महिला ने अपने ससुराल में फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। आत्महत्या का कारण पता नहीं चला है। शव का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाकर परिजन को सुपुर्द किया गया। जांच प्रशासनिक अधिकारी की तरफ से की जा रही है। अग्रिम अनुसंधान जारी है। मथानिया पुलिस ने बताया कि बोरूंदा स्थित हरियाढाणा निवासी सुमेराराम बावरी ने मर्ग में रिपोर्ट दी। इसमें उसने बताया कि उसकी पुत्री ललिता की शादी मथानिया वार्ड नंबर 1 निवासी चंपालाल के साथ की गई थी। शादी को सात साल से कम ही समय हुआ था। वह ससुराल में थी। उसने ससुराल में फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली।

राजस्थान सरकार
वन विभाग
कार्यालय उप वन संरक्षक, कोटा

राजभवन रोड़, सिविल लाईन्स, नयापुरा, कोटा-324001, दूरभाष / फेक्स 0744-2322747
(ई मेल आई. डी. dcf.kota.forest@rajasthan.gov.in)

क्रमांकः एफ () विकास / उवसं/कोटा/2026-27/4219 दिनांक 31.07.2026

ई-निविदा सूचना संख्या 48/2026-27

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से इस वन मण्डल के अन्तर्गत रेंज कनवास के क्षेत्राधिकार अधीन नगर वन खैराई बीड़ में पक्की दीवार निर्माण कार्य / सिविल कार्य हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग / सिंचाई विभाग / वन विभाग या किसी अन्य निर्माण विभाग में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवम् दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के एए, ए, बी, सी श्रेणी में सिविल वर्क श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों, से निर्धारित प्रपत्र में ई-टेन्डरिंग प्रक्रिया द्वारा ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है ::-
उक्त निविदा को ऑनलाईन भरने की अंतिम तिथि 12.08.2026 को सांय 06:00 बजे तक है। निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण निम्नानुसार साईट्स पर देखा जा सकता है।
https://sppp.rajasthan.gov.in एवं http//www.eproc.rajasthan.gov.in
UBN NO.- 1. FOR2627WSOB01323

(अपूर्व कृष्ण श्रीवास्तव)
उप वन संरक्षक
कोटा (राज.)

DIPR/C/13835/2026

भीलवाड़ा के ग्राम गुवारड़ी में टायर पायरोलिसिस प्लांट से फैल रही गंभीर बीमारियां

- **ग्रामीणों ने जिला कलैक्टर को ज्ञापन सौंपकर प्लांट को तुरंत सील करने और स्थायी रूप से बंद करने की मांग की**
- **ग्रामीणों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि 7 दिनों के भीतर इस फैक्टरी को सील नहीं किया गया तो वे सड़कों पर उतरकर चक्का जाम और धरना देंगे**

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले की हमीरगढ़ तहसील के ग्राम गुवारड़ी में स्थित क्वालिटी सुटिंग प्राइवेट लिमिटेड (टायर पायरोलिसिस प्लांट) के खिलाफ ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा है। ग्रामीणों ने जिला कलैक्टर को ज्ञापन सौंपकर इस प्लांट को तुरंत सील करने और स्थायी रूप से बंद करने की मांग की है। ग्रामीणों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि 7 दिनों के भीतर इस फैक्ट्री को सील नहीं किया गया तो वे सड़कों पर उतरकर चक्का जाम और अनिश्चितकालीन धरना देंगे।

ज्ञापन में ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि नेशनल हाईवे 48 के किनारे स्थित यह प्लांट गाड़ियों के पुराने टायर जलाकर ऑयल बनाने का काम करता है। रेड कैटेगरी में आने वाले इस प्लांट से निकलने वाली कैंसरकारी गैसों और ब्लैक कार्बन के कारण पूरा गांव गैस चैंबर में तब्दील हो चुका है। गांव में कैंसर, दमा (अस्थमा) और टीबी जैसी घातक बीमारियों के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं और कई मौतें हो चुकी हैं।

पटवारी और तहसीलदार की रिपोर्ट के अनुसार, यह रेड कैटेगरी फैक्ट्री राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय से मात्र 280 मीटर तथा गांव की आबादी से महज 350 मीटर की दूरी पर स्थित है। बच्चों का स्कूल में बैठना और सांस लेना दूभर हो गया है।

ग्रामीणों का आरोप है कि फैक्ट्री प्रबंधन ने अधिकारियों से सांठगांठ कर कूटरचित (फर्जी) तरीके से सभी अनुमतियां हासिल की हैं। हाल ही में ग्राम सभा द्वारा इस फैक्ट्री को पूर्णतः बंद करने का सर्वसम्मति से प्रस्ताव भी पारित किया जा चुका है। अधिक मुनाफे के चक्कर में रात के समय क्षमता से अधिक टायर जलाए जाते हैं। वहीं, जानलेवा कचरे और ब्लैक कार्बन को चारागाह भूमि में पानी के अंदर डंप किया जा रहा है, जिससे भूजल और बेजुबान मवेशियों का जीवन खतरे में पड़ गया है। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की टीम के निरीक्षण के दौरान फैक्ट्री संचालक उत्पादन को न्यूनतम कर देते हैं ताकि प्रदूषण छुप सके।

ग्रामीणों ने बताया कि पूर्व में भी खामियां पाए जाने पर प्रशासन ने इसे 6 महीने के लिए बंद कर दिया था, लेकिन जून 2026 में ग्रामवासियों के विरोध और स्पष्ट असहमति के बावजूद राजनीतिक रसूख के बल पर नियमों को ताक पर रखकर इसे दोबारा चालू करवा दिया गया। गुवारड़ी ग्रामवासियों ने ज्ञापन सौंपते हुए कहा है कि अब सुधार का समय बीत चुका है, उन्हें केवल स्थायी बंदी चाहिए। यदि 7 दिनों में कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन से उत्पन्न होने वाली कानून-व्यवस्था की जिम्मेदारी जिला प्रशासन एवं प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की होगी।

कार्यालय उप वन संरक्षक वन्य जीव कोटा (राज.)

जे. के. पेवेलियन, अन्तर्राष्ट्रीय स्टेडियम के सामने, नयापुरा, कोटा Phone No./-0744-2321263
Mail ID-dcfwl.kota.forest@rajasthan.gov.in

क्रमांकःएफ () विकास / उवस/वजी/2026-27/5472 दिनांक 10/8/2026

अल्पकालीन खुली बोली सं0 20/2026-27

राजस्थान के राज्यापाल की ओर से इस वन्य जीव मण्डल के अधीन इस वन्यजीव मण्डल के अधीन वन्यजीव अभयारण्य, भैंसरोड़गढ़ में आर.टी.सी.एफ. के अन्तर्गत निम्न विकास कार्य करवाया जाना है। उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत वन विभाग, सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं राज्य सरकार के अधिकृत संगठनों में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में बोली आमंत्रित की जाती है। दिनांक 10.08.2026 से दिनांक 14.08.2026 तक दोपहर 12:00 बजे तक विक्रय की जायेगी तथा उसी दिन दोपहर 1:00 बजे तक जमा की जावेगी। दिनांक 14.08.2026 को ही उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष बोली अपरान्ह 3:00 बजे खोली जावेगी। जिसका विवरण निम्नानुसार है :-

क्र. सं.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत	निविदा शुल्क	धरोहर राशि 2%	अवधि	विशेष विवरण
1	Building Maintenance of ACF Office & Range Office Bhainsroadgarh	499625/-	200/-	10000/-	45 दिवस	1. निविदा शुल्क की राशि जरिये चालान / डीडी लेखामद0075-00-800-52 -01 में जमा की जावे। 3. धरोहर राशि लेखामद 8443-00-109-00-00 में जमा की जावेगी
2	For Jetty, Block Agra Naka With The Tourist Facilities, Entry Office Check-Post	499983/-	200/-	10000/-	45 दिवस	
3	Construction of Barriers of Entry Point Activities	199013/-	200/-	3980/-	45 दिवस	
4	Rescue Center Care & Management Building	499866/-	200/-	10000/-	45 दिवस	

1-UBN No. FOR2627W50801946, 2-UBN No. FOR2627WSOBO1947
3-UBN No. FOR2627WSOBO1948, 4-UBN No. FOR2627WSOB01949

उप वन संरक्षक,
वन्य जीव, कोटा

DIPR/C/14307/2026

'देश में ट्रेड कर रहा है राहुल गांधी भागो मत'

जयपुर। गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर युवाओं और देश की जनता को भ्रमित करने का आरोप लगाते हुए कहा कि राहुल गांधी लगातार झूठे और भ्रामक बयान देकर राजनीतिक माहौल बिगाड़ने का प्रयास कर रहे हैं। आज पूरे देश में एक ही सवाल उठ रहा है कि जब संसद की परंपराओं के अनुरूप विपक्ष की मांग पर केंद्रीय गृह मंत्री सदन में जवाब देने के लिए तैयार हैं, तो राहुल गांधी सदन में उपस्थित होने से क्यों बच रहे हैं।

नाम परिवर्तन

मैं हर्षवर्धन सिंह शेखावत पुत्र प्रदीप सिंह निवासी 9ए, ओकेप्लस एक्सोटिका ग्रीन वेस्ट, कालवाड रोड, सुशांत सिटी-1, झोटवाडा, जयपुर अपना नाम हर्षवर्धन सिंह से बदलकर हर्षवर्धन सिंह शेखावत रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना पहचाना जावें।

मैंने मेरा नाम नरेन्द्र कुमार शर्मा से बदलकर नरेन्द्र शर्मा रख लिया है भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जावे, 50/245, रजत पथ मानसरोवर, जयपुर

खोया पाया

मेरे फ्लैट संख्या सैक्टर-26, बी/4/811 प्रताप नगर, जयपुर का मूल अलोटमेंट लैटर एवं सीड मनी पत्र कहीं गुम हो गये है। मिलेन पर सूचित करें। मनोज सभंनानी, मो. 9024233911

मेरे प्लॉट नंबर 52 अवधपुरी कॉलोनी झोटवाड़ा जयपुर क्षेत्रफल 276.62 वर्गगज का मेरे नाम JDA जयपुर से जारी पट्टा विलेज संख्या 1610 दिनांक 19.10.2000 मय साइट प्लान जो उपपंजीयक जयपुर तृतीय के यहां रजिस्ट्रेशन नंबर 5696 पर दिनांक 21.10. 2000 को पंजीबद्ध है, असल पट्टा, साइट प्लान, स्टैंप कहीं खो गए हैं, जिनका मैंने कही दुरुपयोग नहीं किया है। मिलने पर सूचित करें। रामअवतार खटोड पुत्र श्री मूलचंद खटोड़, 93 RFC कॉलोनी, वैशाली नगर जयपुर- 9829993326

मेरा प्लाट न. 29, रॉयल ग्रीन वाटिका, ग्राम मूंडोता, कालवाड रोड, जयपुर एरिया 500 वर्गगज का मूल आंवटन पत्र, साइड प्लान, रसीद न. A7922 गुम गये है, जिसे सूरजपोलगेट गृह विकास सहकारी समिति लिमिटेड ने जारी किया था। मिलने पर सम्पर्क करें- कैलाश चन्द यादव पुत्र रोशन लाल यादव-9509648548

जविप्रा की योजना कल्पना नगर के भूखण्ड संख्या ई-100 का मूल आवंटन एवं जमा की रसीद गुम हो गई है। मिलने पर सूचित करें। रेवती रमण जांगिड, मो. 9887888771

मेरे भूखंड सं. 25 भेरव गृह निर्माण सहकारी समिति की योजना जय जगदम्बा नगर जयपुर का पंजीकृत मूल जे.डी.ए. पट्टा, साईट प्लान एवं पट्टे के साथ लगे स्टाम्प पेपर और अन्य दस्तावेज़ कही गुम हो गए है सूचित करे रेखा दीक्षित मो. 8949905861

मेरे भूखंड सं. G-38 निजी खातेदारी की योजना जयपुर ग्रीन्स ग्राम-झाई भाम्बोरिया, छतरपुरा लाल्या का बास, सांगानेर जयपुर का मूल पंजीकृत जे.डी.ए. पट्टा, साईट प्लान एवं पट्टे के साथ लगे स्टाम्प पेपर कही गुम हो गए है सूचित करे- उमा जैन मो. 9782650079

मेरे भूखंड सं. 14/OD/S-314 जे.डी.ए. की योजना रिंग रोड परियोजना ग्राम-दयालपुरा तह-सांगानेर जयपुर का पंजीकृत जे.डी.ए. मूल पट्टा, साईट प्लान और कब्ज़ा पत्र कही गुम हो गए है सूचित करे सत्यनारायण मो. 7023353451

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जयपुर को 16 पीएम ई-बसों की सौगात दी

ई-बसों के व्यवस्थित संचालन के लिए इन्फ्रास्ट्रक्चर कर रहे विकसित

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शासन सचिवालय में ई-बसों की पूजा-अर्चना करके हरी झण्डी दिखाई। इस दौरान उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा, झाबर सिंह खर्रा, वी. श्रीनिवास मौजूद रहे।

- आमजन को सुगम-किफायती सफर करवाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध
- जनता से किए प्रत्येक वादे को पूरा कर रही डबल इंजन सरकार-मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को पीएम ई-बस सेवा के तहत जयपुर को 16 ई-बसें समर्पित की। उन्होंने शासन सचिवालय में ई-बसों की विधिवत पूजा-अर्चना की तथा अवलोकन कर हरी झंडी दिखाई। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी विजन और क्लीन मोबिलिटी के तहत ये इलेक्ट्रिक बसें शुरू की गई हैं। आधुनिक तकनीक के साथ बिना धुएं और आवाज के चलने वाली ये बसें आने वाली पीढ़ियों को बेहतर पर्यावरण देने के संकल्प को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के 8 शहरों में 110 पीएम-ई बसें पहुंच चुकी हैं। पीएम-ई बस सेवा के प्रथम चरण में 8 प्रमुख शहरों जयपुर, जोधपुर, उदयपुर, कोटा, बीकानेर, भीलवाड़ा, अलवर तथा अजमेर के लिए 675 इलेक्ट्रिक बसें स्वीकृत की गई हैं। वहीं, राज्य सरकार के विशेष प्रयासों से प्रदेश के लिए अतिरिक्त 475 ई-बसें स्वीकृत की गई। इस तरह राजस्थान के लिए कुल 1 हजार 150 पीएम ई-बसों की मंजूरी मिली है।उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार प्रदेश में सार्वजनिक परिवहन को आधुनिक, सुलभ और पर्यावरण-अनुकूल बनाने की दिशा में निरंतर काम कर रही है। इसी कड़ी में ई-बसों के व्यवस्थित संचालन के लिए बस स्टैण्ड, चार्जिंग प्वाइंट सहित विभिन्न इन्फ्रास्ट्रक्चर को विकसित किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार प्रत्येक वर्ग को सुगम और किफायती सफर करवाने सहित सभी वादों को पूरा कर रही है। इसी दिशा में दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों तक परिवहन सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए पिछले दिनों 144 रोडवेज बसों को भी रवाना किया गया था। वहीं, जल्द ही रोडवेज के बेड़े में एक हजार बसों को शामिल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सकारात्मक प्रबंधन के चलते हम रोडवेज को घाटे से उबारकर फायदे में लाए हैं और रोडवेज कर्मचारियों को समय पर वेतन देना सुनिश्चित किया है।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

183 आरएएस अधिकारियों का तबादला एवं पदस्थापन

जयपुर। राजस्थान सरकार ने 183 राजस्थान प्रशासनिक सेवा अधिकारियों के तबादले के आदेश जारी किए हैं। अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से नई जिम्मेदारियां संभालने के निर्देश दिए गए हैं। प्रदेश में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल है, जिसमें अतिरिक्त जिला कलेक्टर, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, नगर निकायों और विभिन्न विभागों में तैनात अधिकारियों को नई जिम्मेदारियां दी गई हैं।

कई अधिकारियों को रिक्त पदों पर भी पदस्थापित किया गया है। महावीर खराड़ी को अतिरिक्त आयुक्त, डीआरडी, उदयपुर लगाया गया है। जबकि पीयूष कुमार श्रीवास्तव को संयुक्त निदेशक, गैंगानगर शुगर मिल्स लिमिटेड, उदयपुर की जिम्मेदारी दी गई है। नरेश नुकर को अतिरिक्त जिला कलेक्टर (सीलिंग) राजसमंद से अतिरिक्त जिला कलेक्टर (सीलिंग) राजस्व न्यायालय पाली, डॉ। अशोक कुमार चतुर्वेदी को अतिरिक्त निदेशक, स्थानीय निकाय विभाग (जयपुर) और हुकुमचंद को अतिरिक्त जिला कलेक्टर एवं अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट, अलवर की जिम्मेदारी दी गई है।राजवीर सिंह चौधरी को सचिव, नगर विकास न्यास, सीकर लगाया गया है। अशोक कुमार शर्मा-। को अतिरिक्त जिला कलेक्टर एवं अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट, कोटपूतली-बहरोड़ नियुक्त किया गया है। अनिल कुमार शर्मा को जिला रसद अधिकारी, उदयपुर लगाया गया है। आलोक जैन को उप सचिव, राज्य निर्वाचन आयोग, जयपुर नियुक्त किया गया है। आकाश रंजन को सहायक आयुक्त (1), देवस्थान, जयपुर लगाया गया है। जगदीश प्रसाद गौड़ को उपखंड अधिकारी, हिंडौन (करौली) नियुक्त किया गया है। संजीव कुमार शर्मा को उपखंड अधिकारी, कोटड़ा एवं पदेन उप परियोजना अधिकारी (जनजाति), कोटड़ा (उदयपुर) लगाया गया है। ललित चंद मीणा को विशिष्ट सहायक, राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), उच्च शिक्षा विभाग, जयपुर नियुक्त किया गया है।

ओम प्रकाश सहराण को अतिरिक्त जिला कलेक्टर एवं अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट (शहर), जोधपुर लगाया गया है। राजकुमार कस्वां को अतिरिक्त जिला कलेक्टर एवं अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट, राजसमंद नियुक्त किया गया है।

राज्य निर्वाचन आयुक्त ने प्राचार्यों के साथ संवाद किया

जयपुर। राज्य निर्वाचन आयुक्त राजेश्वर सिंह ने मंगलवार को शासन सचिवालय स्थित एनआईसी मीटिंग हॉल से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से राजस्थान के निर्वाचन साक्षरता क्लब (ईएलसी) अधिकारियों एवं महाविद्यालय प्राचार्यों के साथ संवाद किया। कार्यक्रम में युवा मतदाताओं को निर्वाचन प्रक्रिया से जोड़ने, मतदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा महाविद्यालय स्तर पर निर्वाचन साक्षरता गतिविधियों को प्रभावी बनाने पर चर्चा की गई। कार्यक्रम में 'एक राज्य-एक चुनाव', युवा मतदाता तथा निर्वाचन साक्षरता क्लब की भूमिका से संबंधित प्रस्तुतियां भी दी गईं।

अधिकरण में दो सदस्यों की नियुक्ति, अध्यक्ष पद पर नियुक्ति के लिए मांगा समय

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट की ओर से दखल देने के बाद राज्य सरकार की ओर से सिविल सेवा अपीलीय अधिकरण में दो सदस्यों की नियुक्ति की गई है। वहीं राज्य सरकार की ओर से मंगलवार को दोनों सदस्यों के नियुक्ति आदेश हाईकोर्ट में पेश कर अध्यक्ष पद पर नियुक्ति के लिए समय मांगा। इस पर अदालत ने मामले की सुनवाई 15 सितंबर तक टाल दी है। एक्टिंग सीजे संजीव प्रकाश शर्मा और जस्टिस चन्द्रशेखर शर्मा की खंडपीठ ने यह आदेश अधिवक्ता दिलीप कुरका व अन्य की ओर दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि पूर्व आईएएस अंतर सिंह नेहरा और रिटायर आईएएस वीरेन्द्र सिंह बांकावत को अधिकरण में सदस्य के तौर पर जयपुर पीठ में नियुक्ति दी गई है। दोनों सदस्यों की नियुक्ति अगले तीन साल के लिए हुई है। वहीं अधिकरण के अध्यक्ष के पद पर भी नियुक्ति प्रकियाधीन चल रही है। ऐसे में उन्हें समय दिया जाए। इस पर अदालत ने मामले की सुनवाई 15 सितंबर तक टाल दी है।गौरतलब है कि अदालत ने गत 4 अगस्त को सिविल सेवा अपीलीय अधिकरण के खाली चल रहे पदों पर नियुक्ति नहीं करने पर कड़ी नाराजगी जताई थी। इसके साथ ही अदालत ने एक सप्ताह में खाली पदों पर नियुक्ति नहीं करने पर कार्मिक सचिव को हाजिर होने के निर्देश दिए थे। जनहित याचिका में कहा गया कि सरकारी कर्मचारियों के सेवा संबंधी विवादों की सुनवाई के लिए अधिकरण का गठन किया गया है। बीते करीब चार माह से अध्यक्ष का पद खाली है। वहीं एक न्यायिक अधिकारी ही प्रभावी रूप से कार्यरत है। उनके अनुपलब्ध होने पर अधिकरण काम नहीं करता। जिसके चलते अधिकरण में करीब 1300 से अधिक अपीलों पर प्रभावी सुनवाई नहीं हो पा रही है।

हाईकोर्ट ने पार्क से अतिक्रमण हटाने के दिए आदेश

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने जवाहर नगर के सेक्टर 4 स्थित महावीर उद्यान में हुए अतिक्रमण को

- हाईकोर्ट ने जवाहर नगर के सेक्टर 4 स्थित महावीर उद्यान में हुए अतिक्रमण को 31 दिसंबर तक हटाने को कहा है

31 दिसंबर तक हटाने को कहा है। इसके साथ ही अदालत ने आवासन मंडल और नगर निगम के आदर्श नगर जोन उपायुक्त से तथ्यात्मक रिपोर्ट पेश करने को कहा है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह और जस्टिस संदीप तनेजा की खंडपीठ ने यह आदेश राजेश मधोक की जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। सुनवाई के दौरान मामले में पक्षकार बनाए गए जैन श्वेतांबर संघ सेक्टर-4 ने कहा कि पार्क में दीवार वाले ढांचे को 31 दिसंबर तक हटा देंगे। जिस पर खंडपीठ ने संघ को अवैध निर्माण हटाने का समय देते हुए हाउसिंग बोर्ड कमिश्नर व नगर निगम जोन उपायुक्त को कहा कि यदि तय तारीख तक संघ अवैध निर्माण नहीं हटाए तो वे इसे हटाकर पार्क को मूल स्वरूप में वापस लाए। जनहित याचिका में कहा गया कि जवाहर नगर में सार्वजनिक पार्क की जमीन पर अवैध कब्जा व निर्माण कर लिया है, जिसे हटाया जाए। वहीं नगर निगम ने रिपोर्ट पेश कर बताया कि पार्क का क्षेत्रफल 4,575 वर्ग मीटर है, लेकिन मौके पर केवल 3,288.65 वर्ग मीटर है। वहां 222.11 वर्ग मीटर क्षेत्र में पक्का आरसीसी निर्माण और नेट और टिन-शेड वाला एक अस्थायी ढांचा है। इसके अलावा बिना छत वाला दीवारों से घिरा एक ढांचा है, जो 624.07 वर्ग मीटर का है। दूसरी ओर संघ ने कहा कि यह निर्माण आवासन मंडल के साथ पार्क के रख-रखाव के संबंध में किए समझौते से किया था।

जयपुर में दिनभर बादल छाए रहे। दोपहर में शहर में छितराई बारिस हुई जिससे शहर की कई सड़को पर जल भराव के कारण वाहन चालक परेशान होते रहे।

राजस्थान आवासन मण्डल वृत्त- प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक: 2443 **जाहिर आम सूचना** दिनांक 23.07.2026
राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर योजना में आवास/फ्लैट संख्या 104/57 (MIG-B) का आवंटन श्री संजय कुमार जैन पुत्र श्री बैनी प्रसाद जैन को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 6856 दिनांक 08.02.2005 को जारी किया गया था। इनके पक्ष में पंजीयन पत्रों निष्पादन दिनांक 15.11.2006 को कर दिया गया। श्री संजय कुमार जैन पुत्र श्री बैनी प्रसाद जैन द्वारा उक्त आवास का विक्रय कर विक्रय पत्र दिनांक 03.02.2012 को श्री मनीष मित्तल पुत्र श्री राम प्रसाद मित्तल के पक्ष में पंजीकृत करवाया गया। श्री मनीष मित्तल पुत्र श्री राम प्रसाद मित्तल द्वारा उक्त आवास का विक्रय कर विक्रय पत्र दिनांक 07.06.2024 को श्रीमती इन्द्रा गक्खड़ पत्नी श्री गोपाल राम गक्खड़ के पक्ष में पंजीकृत करवाया गया। श्रीमती इन्द्रा गक्खड़ पत्नी श्री गोपाल राम गक्खड़ द्वारा आवासन मण्डल में उक्त आवास पर अपना नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कराने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ती हो तो अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नहीं है, श्रीमती इन्द्रा गक्खड़ पत्नी श्री गोपाल राम गक्खड़ का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा।
संपदा प्रबंधक, वृत प्रथम, राज. आवा. मण्डल, जयपुर

कार्यालय उपायुक्त मालवीय नगर जोन, नगर निगम जयपुर
नई विधानसभा के पास लालकोठी, जयपुर)
क्रमांक एफ ()/न.नि.ज./मा.न. जोन/2026/2601 दि.10.08.2026
सार्वजनिक सूचना:-सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर निगम जयपुर के द्वारा भूखण्ड संख्या 20 पुरोहित जी का बास का पट्टा श्री गुलाब चन्द पुत्र श्री भौरिलाल को क्षेत्रफल 111.63 वर्गगज का दिनांक 17.12.2007 को जारी किया गया है। श्री गुलाब चन्द पुत्र श्री भौरिलाल का स्वर्गवास दिनांक 09.03.2017 को एवं इनकी पत्नि श्रीमती गुलाब देवी का स्वर्गवास दिनांक 28.11.2020 को हो चुका है। श्री गुलाब चन्द पुत्र श्री भौरिलाल के वारिसान श्रीमति कांता देवी एवं श्रीमति प्रेम (बहनों) के द्वारा (अविभाजित) भूखण्ड संख्या 20 पुरोहित जी का बास का रजिस्टर्ड हक त्याग पत्र दिनांक 24.03.2023 के द्वारा अपना-अपना हक आवेदको श्री लालचन्द सैनी एवं श्री तारा चन्द सैनी पुत्रान् श्री गुलाब चन्द सैनी (भाईयो) के हक में निष्पादित किया गया है। आवेदको श्री लालचन्द सैनी एवं श्री तारा चन्द सैनी पुत्रान् श्री गुलाब चन्द सैनी के द्वारा पट्टा, साइट प्लान एवं निष्पादित रजिस्टर्ड हक त्याग पत्र दिनांक 24.03.2023 के आधार पर नगर निगम जयपुर के द्वारा भूखण्ड संख्या 20 पुरोहित जी का बास जयपुर का नाम हस्तान्तरण श्री लालचन्द सैनी एवं श्री तारा चन्द सैनी पुत्रान् श्री गुलाब चन्द सैनी के पक्ष में किया जाना है। इस नाम हस्तान्तरण बाबत् किसी भी व्यक्ति, संस्था, फर्म, कम्पनी को किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो 07 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय (उपायुक्त मालवीय नगर जोन नगर निगम जयपुर) में प्रस्तुत करें। अन्यथा निर्धारित समयावधि की समाप्ति पश्चात् नियमानुसार नाम हस्तान्तरण की कार्यवाही सम्पादित कर दी जावेगी।
उपायुक्त मालवीय नगर जोन नगर निगम जयपुर

नम्बर मिलाइए 8890333139

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

कार्यालय भरतपुर विकास प्राधिकरण, भरतपुर (राज.)
Email:-bdabharatpur@rajasthan.gov.in, bdabharatpur@gmail.com
क्रमांक :- भू0वि0शाखा/2026/ दिनांक :- 10/08/2026
सार्वजनिक विज्ञिप्त
प्राधिकरण की योजना ट्रांसपोर्ट नगर भरतपुर के व्यावसायिक भूखण्ड संख्या-929 (क्षेत्रफल-50.00 वर्गगज) की लीजडीड माह मार्च 2010 को श्री अचल कुमार ताम्बी पुत्र श्री बद्री प्रसाद ताम्बी जाति वैश्य निवासी ताम्बी हाउस कोठी दलवीर सिंह एस.पी. ऑफिस के पास भरतपुर तहसील व जिला भरतपुर (राज0) के पक्ष में निस्पादित की गई थी, जो उप पंजीयक कार्यालय भरतपुर में दिनांक 19.03.2010 को विधिवत रूप से पंजीबद्ध है। प्राधिकरण में प्राप्त दस्तावेजों के आधार पर पट्टाधारक श्री अचल कुमार ताम्बी पुत्र श्री बद्री प्रसाद ताम्बी द्वारा उक्त भूखण्ड का रजिस्टर्ड दान पत्र दिनांक 21.10.2021 को श्रीमती तीक्षा ताम्बी पत्नी श्री रवि ताम्बी जाति वैश्य निवासी ताम्बी हाउस कोठी दलवीर सिंह एस.पी. ऑफिस के पास भरतपुर तहसील व जिला भरतपुर (राज0) को कर दिया गया। उक्त दान-पत्र के आधार पर श्रीमती तीक्षा ताम्बी पत्नी श्री रवि ताम्बी द्वारा उक्त व्यावसायिक भूखण्ड का नाम परिवर्तन किये जाने हेतु सम्बन्धित पोर्टल पर ऑनलाईन आवेदन किया गया है। प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर व्यावसायिक भूखण्ड संख्या-929 का नाम परिवर्तन श्रीमती तीक्षा ताम्बी पत्नी श्री रवि ताम्बी के पक्ष में करने पर किसी व्यक्ति / संस्था को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति सात दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत किया जाना सुनिश्चित करें, अन्यथा बादं गुजरने म्याद भूखण्ड संख्या-929 योजना ट्रांसपोर्ट नगर भरतपुर का नाम परिवर्तन श्रीमती तीक्षा ताम्बी पत्नी श्री रवि ताम्बी जाति वैश्य निवासी ताम्बी हाउस कोठी दलवीर सिंह एस.पी. ऑफिस के पास भरतपुर तहसील व जिला भरतपुर (राज0) के पक्ष में कर दिया जावेगा।
(उपायुक्त) भरतपुर विकास प्राधिकरण, भरतपुर (राज.)

कार्यालय नगर निगम, भरतपुर
क्रमांकः न.नि.भ./ स्कीम /2026-27/10745 **सार्वजनिक विज्ञप्ति** दिनांक :
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्न आवेदकों द्वारा अपने भूखण्ड का नियमन कराने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। उक्त आवेदनों के संबंध में किसी व्यक्ति / संस्था को कोई आपत्ति हो तो इस विज्ञप्ति के प्रकाशन के सात दिवस में इस कार्यालय में प्रस्तुत कर देवें अन्यथा आवेदकों के पक्ष में नियमन की कार्यवाही कर दी जावेगी।

क्र.सं.	ऑनलाइन नं.	आवेदक का नाम	भूसं	योजना	आवेदन
1.	444080	रजनी / पूरन सिंह	77	सुभाष नगर-2	लीजडीड
2.	444101	दयावती / सुभाष	145	केशव नगर	लीजडीड
3.	444182	किशन लाल / बाबू पहलवान	91	तिलक नगर-6	लीजडीड
4.	444192	शिव कुमार गर्ग / महेशचंद गर्ग	63	सुभाष नगर	लीजडीड
5.	444244	सरोज / अतर सिंह	21	संजय नगर-4	लीजडीड
6.	444306	ओमवती / टीकेन्द्र	529A	सुभाष नगर-1	लीजडीड
7.	444314	मांगेलाल / अमर सिंह	123	तिलक नगर	लीजडीड
8.	444377	देवेन्द्र सिंह / महेन्द्र सिंह	62A	गीता कॉलोनी	लीजडीड
9.	444420	लोटन सिंह/प्रेम सिंह	60	बृजनगर-3	लीजडीड
10.	442931	रश्मी, सुशीला / रविन्द्र कुमार, सुरेश चंद अग्रवाल	21 D 3	75 बीघा	लीजडीड
11.	443113	त्रिपाठी, अनिल कुमार / अनिल कुमार, सुरेश चंद	21 D 4	75 बीघा	लीजडीड
12.	443026	अनिल कुमार, रविन्द्र कुमार / सुरेश चंद	21 D 2	75 बीघा	लीजडीड
13.	442033	रविन्द्र कुमार, अनिल कुमार / सुरेश चंद	21 D 1	75 बीघा	लीजडीड
14.	444426	विजय कुमार कटारा / रमेश चंद कटारा	501	न्यू आदर्श कॉलोनी	लीजडीड
15.	444449	लक्ष्मी नारायण/भगवान सिंह	149A	सजय नगर-4	लीजडीड

प्रभारी अधिकारी
नगर निगम, भरतपुर

नाम परिवर्तन
नक्ष जायसवाल पुत्र श्री गणेश माहुर के स्कूल रिकॉर्ड एवम् अंक तालिका में माता का नाम सीता देवी दर्ज हो गया है जो भूलवश दर्ज हो गया था। जिसे सीता जायसवाल करवाना चाहते है। भविष्य में नक्ष के समस्त रिकार्ड में सीता जायसवाल पत्नी श्री गणेश माहुर के नाम से ही जाना जावे। ग्राम-वनस्थली, तहसील निवाई, जिला टोंक (सीता जायसवाल)

सार्वजनिक नोटिस मैं मेरे अभिभाष्यगण राकेश कुमार पुत्र श्री बलदेव सिंह व श्रीमति संतोष देवी धर्मपत्नि श्री राकेश कुमार, निवासीगण ग्राम कोलिन्डा का बास, नार्थ, झुन्झुनू हाल निवासीगण प्लॉट नं. 21, योजना श्री गणेशम, ग्राम चक पीथावास उर्फ बडारामा, जयपुर के निर्देशानुसार आपको यह सार्वजनिक नोटिस इस प्रकार देता हूँ:- यह आम जनता और सभी संबंधित व्यक्तियों की जानकारी के लिये है कि मैं संतोष देवी पत्नी श्री राकेश कुमार निवासी कोलिन्डा का बास, नार्थ, झुन्झुनू को अपनी स्व-अर्जित चल और अचल संपत्ति से अपने पुत्र अनुज कुमार पुत्र श्री राकेश कुमार व पुत्रवधु श्रीमति पूनम पत्नि श्री अनुज कुमार निवासीगण कोलिन्डा का बास, नार्थ, झुन्झुनू को उसके अवांछित, अनुशासनहीन और पारिवारिक मर्यादा के विरूद्ध आचरण के कारण बेदखल (Disown) करता हूँ। आज से हमारे और हमारे परिवार का इस अनुज कुमार व पुत्रवधु पूनम से कोई संबंध नहीं है। भविष्य में यदि कोई व्यक्ति इसके साथ किसी भी प्रकार का लेन-देन या व्यवहार करता है, तो उसके लिए मैं या मेरा परिवार जिम्मेदार नहीं होगा।
Mamraj Jat, Advocate, Mob.: 9413972898

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल महबूब खांन सैफी पुत्र मीनू खां निवासी प्लाट नंबर 12-ए, राठौड नगर, झोटवाडा, जयपुर 302012 का पुत्र सिकन्दर खांन मेरे मुवक्किल के कहने मे नही है तथा बुरी संगत मे है, नशा करता है, लोगो से कर्जा लेता है, मुझसे अनुचित राशि की मांग करता है एवं रिश्तेदारो मे बदनामी करता है, उसने मेरे मुवक्किल का जीना दूभर कर दिया है, इसलिए मेरे मुवक्किल ने अपनी पुत्र सिकन्दर खांन के उक्त आचरण को मध्यनजर रखते हुऐ उसे अपनी समस्त चल-अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है तथा उससे सारे संबंध विच्छेद कर लिये है, अब सिकन्दर खांन का मेरे मुवक्किल व उसकी चल-अचल संपति से कोई संबंध नही है। आज से सिकन्दर खांन द्वारा किये गये किसी भी कृत्य, संव्यवहार, लेन-देन के लिए मेरे मुवक्किल की कोई जिम्मेदारी नही होगी। अतः सूचित रहे।
(दिनेश कुमार वर्मा) एडवोकेट मो.9799749670

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल इमरान पुत्र मीनू खां निवासी प्लाट नंबर 111, उदय नगर, झोटवाडा, जयपुर 302012 का भतीजा सिकन्दर खांन मेरे मुवक्किल के कहने मे नहीं है तथा बुरी संगत मे है, नशा करता है, लोगों से कर्जा लेता है, मुझसे अनुचित राशि की मांग करता है एवं रिश्तेदारो में बदनामी करता है, उसने मेरे मुवक्किल व उसके परिवारजन का जीना दूभर कर दिया है, इसलिए मेरे मुवक्किल ने अपने भतीजे सिकन्दर खांन के उक्त आचरण को मध्यनजर रखते हुऐ उसे अपनी समस्त चल-अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है तथा उससे सारे संबंध विच्छेद कर लिये है, अब सिकन्दर खांन का मेरे मुवक्किल व उसकी चल-अचल संपति से कोई संबंध नही है। आज से सिकन्दर खांन द्वारा किये गये किसी भी कृत्य, संव्यवहार, लेन-देन के लिए मेरे मुवक्किल की कोई जिम्मेदारी नही होगी। अतः सूचित रहे।
(दिनेश कुमार वर्मा) एडवोकेट मो.9799749670

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल अयूब खांन पुत्र मीनू खां निवासी प्लाट नंबर 111, उदय नगर, झोटवाडा, जयपुर 302012 का भतीजा सिकन्दर खांन मेरे मुवक्किल के कहने मे नही है तथा बुरी संगत मे है, नशा करता है, लोगो से कर्जा लेता है, मुझसे अनुचित राशि की मांग करता है एवं रिश्तेदारो मे बदनामी करता है, उसने मेरे मुवक्किल व उसके परिवारजन का जीना दूभर कर दिया है, इसलिए मेरे मुवक्किल ने अपने भतीजे सिकन्दर खांन के उक्त आचरण को मध्यनजर रखते हुऐ उसे अपनी समस्त चल-अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है तथा उससे सारे संबंध विच्छेद कर लिये है, अब सिकन्दर खांन का मेरे मुवक्किल व उसकी चल-अचल संपति से कोई संबंध नही है। आज से सिकन्दर खांन द्वारा किये गये किसी भी कृत्य, संव्यवहार, लेन-देन के लिए मेरे मुवक्किल की कोई जिम्मेदारी नही होगी। अतः सूचित रहे।
(दिनेश कुमार वर्मा) एडवोकेट मो.9799749670

MUNICIPAL CORPORATION JAIPUR
(Pandit Deendayal Uppadhyay Bhawan Lalkothi Tonk Jaipur 302015)
No. F-6(I)DCR-FIRST (J.S)/RO.LIC/N.N.J/2026/1149 Date : 11-08-2026
PUBLIC NOTICE
The licensee M/s/ Indus Tower Limited Jaipur (Particulars of Licensee) has submitted application in this office for granting permission for erection/installation of telecom tower aboveground telegraph infrastructure on the land or building or location mentioned below :-

Sr. No.	Site ID	Address
1	IN 3545466	On Divider Mittal Goverments Ke Samne Main Sodala Chauraha Ward No.47, Jaipur
2	IN 3533048	On Row Yoga Park Bhaskar Colony, Ward No.06, Surya Vihar Vistar, Jhotwara, Jaipur
3	IN 3611625	On Inside Boundary Wall, Imali Wali Bagichi Ratnavali Showroom Ke Pass, Mount Road Shankar Nagar, Ward No.10, Jaipur

Therefore, it is hereby informed to all concerned that if, any body has any objection or suggestion on granting permission for installation or establishment of above mentioned telecom infrastructure on the land/location above, he may submit objection or suggestion along with supporting documents before the undersigned during office hours on any working day within 7 days of the publication of this notice.
In absence of any objection/ suggestion within above stipulated time it any be deemed that nobody has objection/suggestion and matter will be disposed off accordingly.
Deputy Commissioner (Revenue-I)
Municipal Corporation, Jaipur

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत - तृतीय,
जे0एल0एन0 मार्ग, जवाहर सर्किल के पास, जयपुर - 0141-4901853
क्रमांक - 2757 दिनांक 05/08/26
आम जाहिर सूचना
आवासन मण्डल, जयपुर द्वारा विकसित आवासीय भूखण्ड संख्या 5/MA/146 इन्दिरा गांधी नगर, जगतपुरा, जयपुर का आवंटन श्री रामनाथ पुत्र श्री रूगनाथ को किया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 3493 दिनांक 24.02.2007 जारी किया गया था। उक्त आवंटन पत्र अपंजीकृत है। खातेदार श्री रामनाथ पुत्र स्व0श्री रघुनाथ के द्वारा भूखण्ड का मुख्यारनामा आम श्री मोहनलाल शर्मा पुत्र श्री रमेश चन्द को नियुक्त किया गया था। उक्त मुख्यारनामाआम श्री एस0डी0 गुप्ता नोटरी पब्लिक, जयपुर से दिनांक 21.03.2007 सत्यापित है। तत्पश्चात मुख्यारनामाआम धारक श्री मोहनलाल शर्मा पुत्र श्री रमेश चन्द के द्वारा उक्त विकसित आवासीय भूखण्ड का बेचान जरिये विक्रय पत्र श्री अशोक अग्रवाल पुत्र स्व0 श्री एस0एल0 अग्रवाल को कर दिया गया था। उक्त विक्रय पत्र का निष्पादन कार्यालय उपपंजीयक जयपुर प्रथम में दिनांक 07.04.2007 को करवाया गया। तत्पश्चात श्री अशोक अग्रवाल पुत्र स्व0श्री एस0एल0 अग्रवाल के द्वारा उक्त विकसित आवासीय भूखण्ड का बेचान जरिये विक्रय पत्र श्री इन्दर महावना पुत्र श्री रामकिशोर महावना को कर दिया गया। उक्त विक्रय पत्र का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक जयपुर प्रथम में दिनांक 12.06.2020 को करवाया गया। श्री इन्दर महावना पुत्र श्री रामकिशोर महावना के द्वारा आवेदन पत्र के साथ प्रशासनिक शुल्क जमा की रसीद की प्रति, अण्डरटेकिंग, रजिस्टर्ड विक्रय पत्र की छाया प्रति, स्वयं एवं गवाह का पहचान पत्र प्रस्तुत कर उक्त विकसित भूखण्ड का हस्तान्तरण अपने पक्ष में कर उक्त भूखण्ड का नवीन पट्टा अपने पक्ष में जारी करने हेतु आवेदन किया गया है। उक्त हस्तान्तरण के संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस में व्यक्ति गत रूप से उपस्थित होकर साक्ष्य सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त आवेदनकर्ता श्री इन्दर महावना पुत्र श्री रामकिशोर महावना का नाम मण्डल रिकार्ड में दर्ज कर उनके पक्ष में उक्त विकसित आवासीय भूखण्ड का नवीन पट्टा जारी करने की कार्यवाही कर दी जायेगी।
सम्पदा प्रबन्धक, वृत तृतीय रा.आ.म. जयपुर

आम सूचना मैं नासिर खान पुत्र श्री फकीर मोहम्मद, उम्र 51 वर्ष निवासी प्लाट सं. 277, केसर वाटिका, खो-नागोरियान, जगतपुरा, जयपुर, राज0 का निवासी हूँ तथा ग्राम खो-नागोरियान पटवार क्षेत्र खो-नागोरियान भू-अभिलेख निरिक्षक क्षेत्र गोनेर तहसील संगानेर, जिला जयपुर में स्थित खाता नया 708 पुराना 203 में खसरा नं. 3818/2, रकबा 0.3700 हैक्टयर, खसरा नं. 3849/1, रकबा 0.2500 हैक्टयर, खसरा नं. 3855/1, रकबा 0.2000 हैक्टयर, खसरा नं. 3856/2, रकबा 2.1700 हैक्टयर कुल किता 4 कुल रकबा 2.9900 हैक्टयर (12 बीघा) कृषि भूमि स्थित है जिसमे नागरिक गृह निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड के द्वारा आवासीय प्रयोजनार्थ स्कीम केसर वाटिका विस्तार सृजित की जा चुकी है, जिसमें मैं बतौर संयोजक के पद पर हूँ तथा उक्त आराजी कृषि भूमि के संबंध में भू-स्वामी डा0 राजकुमार मेहता व कुमुद मेहता से न्यायिक वाद-विवाद विभिन्न न्यायालयों में लम्बित है। उक्त भू-स्वामी डा0 राजकुमार मेहता के अधिवक्ता निर्मल सोलंकी पुत्र श्री आनंदी प्रसाद सोलंकी निवासी प्लॉट नं. बी 45 अमर नगर खातीपुरा जयपुर के द्वारा मेरे व डा0 राजकुमार मेहता के मध्य राजीनामा करवाने की एवज में भूखण्ड सं. 20, केसर वाटिका विस्तार में स्थित कुल क्षेत्रफल 200 वर्गगज का भूखण्ड का आवंटन पत्र अपनी बहन पुष्पा सोलंकी के नाम से मुझसे धोखाधड़ी कारित कर प्राप्त कर लिये, जिसके संबंध में मेरे द्वारा एक परिवाद न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया जिसकी जाँच पुलिस थाना खो-नागोरियान में वर्तमान में लंबित है तथा उक्त भूखण्ड सं. 20 पर मैं काबिज चला आ रहा हूँ। यदि उक्त वर्णित भूखण्ड सं. 20 के संबंध में निर्मल सोलंकी व पुष्पा सोलंकी के द्वारा किसी भी प्रकार का कोई भी इकरारनामा, पॉवर ऑफ अटॉर्नी, रहन, दान, गिरवी का कोई दस्तावेज हस्ताक्षर कर किसी अन्य व्यक्ति, संस्था या कंपनी से कोई संव्यवहार किया जाता है तो वह गैरकानूनी माना जावेगा और वह आरंभ से ही शुन्य एवं निष्प्रभावी होगा एवं जिसकी समस्त जिम्मेवारी निर्मल सोलंकी, पुष्पा सोलंकी के साथ संव्यवहार करने वाले दीगर व्यक्ति की होगी। सूचित रहे।
अभिनव सक्सेना (एडवोकेट) मो. 9983592338

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 23 के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 69/2026
(नाम, वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि प्रार्थी श्री सुशील कुमार गोदीका ने पंजीकृत प्रन्यास पं. टोडरमल स्मारक, ट्रस्ट, ए-4 बापू नगर, जयपुर जिसका पंजीयन कमांक 797/1963/ जयपुर दिनांक 31.05.1983 है के सम्बन्ध में राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 23 के अन्तर्गत प्रपत्र 8 प्रस्तुत किया। प्रन्यास की मीटिंग दिनांक 15.06.2026 में लिये गये निर्णय के अनुसार श्री अध्यात्म प्रकाश भारिल्ल न्यासी पद से हटाया जाकर निष्कासित किया जाकर न्यास अभिलेख से नाम हटाये जाने हेतू प्रपत्र-8 में आवेदन-पत्र दिया है। अतएवं धारा 23 में प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास में हुये परिवर्तन/संशोधन जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से तीस दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां प्रस्तुत नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 28.7.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 2.9.2026
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त (प्रथम)
देवस्थान विभाग, जयपुर

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 23 के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 71/2026
(नाम, वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि प्रार्थी श्री सुशील कुमार गोदीका ने पंजीकृत प्रन्यास पं. टोडरमल सर्वोदय, ट्रस्ट, ए-4 बापू नगर, जयपुर जिसका पंजीयन कमांक 16/1996/ जयपुर दिनांक 23.10.1996 है के सम्बन्ध में राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 23 के अन्तर्गत प्रपत्र 8 प्रस्तुत किया। प्रन्यास की मीटिंग दिनांक 15.06.2026 में लिये गये निर्णय के अनुसार श्री अध्यात्म प्रकाश भारिल्ल न्यासी पद से हटाया जाकर निष्कासित किया जाकर न्यास अभिलेख से नाम हटाये जाने हेतू प्रपत्र-8 में आवेदन-पत्र दिया है। अतएवं धारा 23 में प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास में हुये परिवर्तन/संशोधन जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से तीस दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां प्रस्तुत नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 28.7.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 2.9.2026
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त (प्रथम)
देवस्थान विभाग, जयपुर

भरतपुर विकास प्राधिकरण, भरतपुर (राज.)
Email:- bdabharatpur@rajasthan.gov.in, bdabharatpur@gmail.com
क्रमांकः आयोजना शाखा/सीएलयू/विज्ञप्ति / 2026-27 दिनाकः यथाहस्ताक्षर
सार्वजनिक विज्ञप्ति
आवेदक श्री सतीश कुमार पुत्र श्री भगवान दास निवासी - 327, सेक्टर-3, भरतपुर द्वारा भूखण्ड संख्या 233-ए क्षेत्रफल 233.33 वर्गगज, योजना सेक्टर-3, भरतपुर का आवासीय भू-उपयोग से मिश्रित भू-उपयोग परिवर्तन (आवासीय से मिश्रित) प्रयोजनार्थ के लिए कार्यालय भरतपुर विकास प्राधिकरण में आवेदन प्रस्तुत किया हैं। अतः आवेदक श्री सतीश कुमार पुत्र श्री भगवान दास के पक्ष में उक्त भूखंड का प्राधिकरण द्वारा आवासीय प्रयोजनार्थ से मिश्रित भू-उपयोग परिवर्तन (आवासीय से मिश्रित) किये जाने पर, किसी व्यक्ति या संस्था आदि को कोई आपत्ति / आक्षेप हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस में प्राधिकरण कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद म्याद गुजरने पश्चात् कोई आपत्ति मान्य नहीं होंगी एवं भूखण्ड का मिश्रित भू-उपयोग परिवर्तन कर दिया जावेगा। - निदेशक नगर आयोजना भरतपुर विकास प्राधिकरण

COLLEGE OF AGRICULTURE
(S.K.N. AGRICULTURE UNIVERSITY)
Kumher, Distt. - Deeg, PIN- 321201
No. :- F. /Farm/COA-K/2026/7714 Date :- 06/08/2026
NOTICE INVITING BID
Bid for open tender regarding Share Farming are invited from interested bidders upto 12.30 PM of 13.08.2026 and the tender will be opened on 13.08.2026 at 02.00 PM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal **(http://sppp.raj.nic.in)** of the Rajasthan state and **www.sknau.ac.in** University Website.
NIB code SKN2627AO0156 and UBN is: SKN2627WSOB00176
Raj.Samwad/C/26/9321 **DEAN**

कार्यालय नगर निगम जयपुर
(पण्डित दीनदयाल उपाध्याय भवन, लालकोठी, टोंक रोड़, जयपुर-15)
क्रमांक :- जसअ / 2026 / 219 दिनांक: 10.08.2026
-: : ई-निविदा सूचना संख्या 11/2026-27 : :-
नगर निगम जयपुर की ओर से विद्युत कार्य हेतु नगर निगम जयपुर में व अन्य विभागों में नये नियमों के अनुसार श्रेणीवार EWSD श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-टेन्डरिंग प्रक्रिया में ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की जाती हैं।
निविदा से सम्बन्धित समस्त विवरण वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in & http://sppp.rajasthan.gov.in पर निम्न UBN No.JMC2627WSOB00451 पर देखा जा सकता हैं।
इच्छुक संवेदकों कोई-निविदा में भाग लेने हेतु वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक हैं।
राज.संवाद / सी / 26 / 9468
अधिशाषी अभियन्ता (विद्युत)
नगर निगम जयपुर-पार्ट प्रथम

Aavas FINANCIERS LTD
SAPNE AAPKE, SAATH HAMAARA
आवास फाइनेंसर्स लिमिटेड
(सीआईएन: L65922RJ2011PLC034297)
पंजीकृत एवं निगमित कार्यालय: 201-202, द्वितीय मंजिल, साउथ एंड स्क्वायर, मानसरोवर इंडस्ट्रीयल एरिया, जयपुर-302020, राजस्थान, भारत | फोन: +91 141 661 8800 फैक्स: +91 141 661 8861 | ईमेल: info@aavas.in | वेबसाइट: www.aavas.in
सार्वजनिक सूचना
भरतपुर शाखा का स्थानांतरण
यह सूचना **15 जुलाई 2026** को प्रकाशित उस नोटिस के संदर्भ में है जिसमें **आवास फाइनेंसर्स लिमिटेड** की भरतपुर शाखा को दूसरी जगह शिफ्ट करने की सूचना दी गई थी। ग्राहकों को सूचित किया जाता है कि नगर निगम की गतिविधियों के कारण, भरतपुर शाखा को **14 अगस्त 2026 से 'पहली मंज़िल, कुमार गेट सर्कल, सर्कुलर रोड, बैंक ऑफ़ बड़ौदा के पास, भरतपुर' से 'श्री टॉवर, प्लॉट नंबर 3, पहली मंज़िल, डीग रोड, भरतपुर, राजस्थान - 321001'** पर शिफ्ट कर दिया गया है। सभी ग्राहकों के अकाउंट और उनसे सम्बन्धित सेवाएँ नई शाखा से सुचारू रूप से संचालित रहेंगी। किसी भी मदद या सवाल के लिए, ग्राहक हमारी कस्टमर केयर हेल्पलाइन 0141-6618888 पर संपर्क कर सकते हैं।
आवास फाइनेंसर्स लिमिटेड के लिए
दिनांकः 12 अगस्त 2026 एसडी/-
स्थानः जयपुर अधिकृत अधिकारी

पंजाब के 26 वर्षीय तेज गेंदबाज गुरनूर बराड़ में लंबे समय तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने की क्षमता दिखाई देती है। उन्हें इतनी जल्दी आगे बढ़ाया जाना अच्छी बात है

-जहीर खान

पूर्व भारतीय खिलाड़ी, गुरनूर बराड़ को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

आशुतोष शर्मा

भारतीय ऑलराउंडर आशुतोष शर्मा चोट के कारण हैम्पशायर के लिए डर्बीशायर के खिलाफ मंगलवार को होने वाले वनडे कप मुकाबले में नहीं खेल पाएंगे। आशुतोष को रविवार को खेले गए मुकाबले के दौरान चोट लगी थी। हालांकि, हैम्पशायर ने उनकी चोट की प्रकृति और गंभीरता के बारे में कोई जानकारी नहीं दी है। टीम ने कहा, आशुतोष शर्मा रविवार के मैच के दौरान लगी चोट के कारण उपलब्ध नहीं है। प्रतियोगिता के शुरुआती तीन मैचों में खेलने वाले तेज गेंदबाज हैरी पेट्री की टीम में वापसी हुई है। आशुतोष की चोट ऐसे समय आई है जब हैम्पशायर के लिए प्रतियोगिता का अगला चरण हासिल करना महत्वपूर्ण है।

क्या आप जानते हैं ?... मेजर ध्यानचंद: हॉकी के जादूगर कहे जाने वाले ध्यानचंद ने अपने करियर में 185 मैचों में 570 से अधिक गोल किए और भारत को शुरुआती तीन ओलंपिक स्वर्ण दिलाए।

अभिषेक पोरेल बलात्कार के आरोप में गिरफ्तार

नई दिल्ली, 11 अगस्त। आईपीएल क्रिकेटर अभिषेक पोरेल को मेडिकल छात्रा से कथित बलात्कार के आरोप में पश्चिम बंगाल में गिरफ्तार कर लिया गया है। कलकत्ता हाई कोर्ट के आदेश पर हुई यह गिरफ्तारी गैर-जमानती धाराओं में दर्ज मामले से जुड़ी है, जिसमें उन पर अवैध रूप से कैद करने के आरोप भी हैं। दिल्ली कैपिटल्स के ओपनर अभिषेक पोरेल को पश्चिम बंगाल के हुगली ज़िले में मोगरा पुलिस स्टेशन में दर्ज एक मामले के सिलसिले में गिरफ़्तार किया गया है। रेप का मामला दर्ज होने के बाद अधिकारियों ने बंगाल के इस क्रिकेटर को गिरफ़्तार किया। हुगली ग्रामीण के पुलिस अधीक्षक कुंवर भूषण सिंह ने बताया कि पोरेल को दम दम पुलिस स्टेशन के तहत आने वाले इमामी सिटी से गिरफ़्तार किया गया। अभिषेक के ख़िलाफ़ 19 धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था, जिनमें से ज़्यादातर ग़ैर-ज़मानती अपराध थे। पिछली सुनवाई के दौरान, कलकत्ता हाई कोर्ट के जस्टिस सौगत भट्टाचार्य ने हुगली के मगरा पुलिस स्टेशन को अभिषेक के पास मौजूद मोबाइल फ़ोन समेत सभी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस ज़ब्त करने का निर्देश दिया था। पुलिस से उनके द्वारा उठाए गए कदमों की जानकारी देने वाली रिपोर्ट भी जमा करने को कहा गया था।

अफ़गानिस्तान का जलवा! वर्ल्ड कप 2027 में सीधे क्वालीफाई, राशिद खान का शानदार खेल

नई दिल्ली, 11 अगस्त। स्टार स्पिनर राशिद खान के शानदार ऑल-राउंड प्रदर्शन की बदौलत अफ़गानिस्तान ने बेलफ़ास्ट में खेले गए तीसरे वनडे मैच में आयरलैंड को तीन विकेट से हराकर 2027 वनडे क्रिकेट वर्ल्ड कप में अपनी जगह पक्की कर ली। सोमवार को मिली इस जीत के साथ, अफ़गानिस्तान पांच मैचों की सीरीज़ में 2-0 से आगे हो गया है। पहला मैच बिना एक भी गेंद फेंके रद्द कर दिया गया था। 2023 के पिछले वनडे वर्ल्ड कप में अफ़गानिस्तान का प्रदर्शन शानदार रहा। वे पॉइंट्स टेबल में चार जीत और पांच हार के साथ छठे स्थान पर रहे और सेमीफाइनल की दौड़ से बहुत कम अंतर से चूक गए। मौजूदा चैंपियन इंग्लैंड, पूर्व चैंपियन श्रीलंका और पाकिस्तान के खिलाफ जीत के साथ, उनका टूर्नामेंट यादगार रहा।

वैभव सूर्यवंशी का नेट्स में जोरदार अभ्यास

नई दिल्ली, 11 अगस्त। ज़िम्बाब्वे के सफल दौरे के बाद, भारतीय बल्लेबाज़ वैभव सूर्यवंशी ने आने वाले घरेलू सीज़न की तैयारी के लिए ज़ोरदार नेट प्रैक्टिस की। सूर्यवंशी ने अपने ऑफ़िशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वे डिफ़ेंसिव और अटैकिंग, दोनों तरह की बल्लेबाज़ी तकनीकों पर अपना ध्यान केंद्रित करते हुए दिखे। पोस्ट का कैप्शन बस इतना ही था: तैयारी। सूर्यवंशी ने 15 साल की उम्र में भारत के इंग्लैंड दौरे पर इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू किया था। उस समय उन्हें चुनौतियों का सामना करना पड़ा था क्योंकि वे अपनी तीन पारियों में 20 रन का आंकड़ा भी पार नहीं कर पाए थे और भारत वह सीरीज़ 1-4 से हार गया था। हालांकि, उनका अगला ज़िम्बाब्वे दौरा काफी सफल रहा; उन्होंने तीन पारियों में 151 रन बनाकर सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट में टॉप किया। इसमें दो फिफ्टी और 196.10 का शानदार स्ट्राइक रेट शामिल था। खास बात यह है कि उनका सबसे ज़्यादा स्कोर 81 रन था, जिसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ़ द सीरीज़ का अवॉर्ड मिला।

मेसी ने फुटबॉल से ब्रेक लिया

नई दिल्ली, 11 अगस्त। लियोनेल मेसी ने पिता की मौत के बाद फुटबॉल से दूरी बना ली है। उन्होंने अनिश्चितकाल के लिए खेल से ब्रेक लिया है। वे अमेरिका के मेजर सॉकर लीग में इंटर मियामी क्लब के लिए खेलते हैं। मेसी ने अर्जेंटीना में अपने परिवार के साथ रहने का फैसला किया है। मेसी के पिता जॉर्ज मेसी का 7 अगस्त को 68 साल की उम्र में निधन हो गया। वे लंबे समय से बीमार थे। कई रिपोर्ट्स ने इस घटना को मेसी के संन्यास से जोड़ा है। हालांकि ऐसे कोई संकेत नहीं है कि वे संन्यास लेने या हमेशा के लिए फुटबॉल से दूर होने की सोच रहे हो।

हॉकी वर्ल्डकप में 19 को भारत - पाकिस्तान मुकाबला : महिला टीम का पहला मैच चीन से

नई दिल्ली, 11 अगस्त। मेंस और विमेंस हॉकी वर्ल्ड कप 15 अगस्त से नीदरलैंड्स और बेल्जियम में खेला जाएगा। 30 अगस्त तक चलने वाले 16 टीमों के टूर्नामेंट का फॉर्मेट बदला गया है। अब क्वार्टर फाइनल नहीं होंगे। भारत को पूल- में इंग्लैंड, पाकिस्तान और वेल्स के साथ रखा गया है। हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी वाली भारतीय टीम 15 अगस्त को वेल्स के खिलाफ अभियान शुरू करेगी। इसके बाद 17 अगस्त को इंग्लैंड और 19 अगस्त को पाकिस्तान से मुकाबला होगा। वर्ल्ड कप में कुल 16 टीमें हिस्सा ले रही हैं। इन्हें चार पूल में बांटा गया है और हर पूल में चार-चार टीमें हैं।

दूसरे स्टेज में 8 टीमें जाएंगी : टूर्नामेंट के फॉर्मेट में सबसे बड़ा बदलाव क्वार्टर फाइनल को हटाना है। शुरुआती चारों पूल से टॉप-2 टीमें अगले ग्रुप स्टेज में जाएंगी। यानी कुल 8 टीमें दूसरे चरण में पहुंचेंगी। दूसरे चरण में इन टीमों को दो ग्रुप में बांटा जाएगा। इसके बाद दोनों ग्रुप की टॉप-2 टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। इस तरह सीधे दूसरे ग्रुप स्टेज से सेमीफाइनल का रास्ता खुलेगा।

भारत के लिए शुरुआती मैच बेहद अहम : नए फॉर्मेट में ग्रुप स्टेज का महत्व बढ़ गया है। भारत को अपने पूल में इंग्लैंड और पाकिस्तान जैसी मजबूत टीमों का सामना करना है। दूसरे चरण में पहुंचने के बाद शुरुआती ग्रुप के आपसी मुकाबलों का असर भी आगे पड़ेगा। भारतीय टीम के कोच क्रेग फुल्टन ने भी शुरुआती पूल मैचों को बेहद महत्वपूर्ण बताया है। उनके मुताबिक, टॉप-2 में पहुंचना जरूरी है और आगे जाने वाली टीमों के बीच हुए मैच का नतीजा अगले चरण में भी अहम भूमिका निभाएगा।

15 अगस्त से शुरू, 30 को फाइनल : वर्ल्ड कप 15 अगस्त से शुरू होगा और फाइनल 30 अगस्त को खेला जाएगा। सेमीफाइनल 28 और 29 अगस्त को होंगे। ब्रॉन्ज मेडल मैच 30 अगस्त को शाम 5:30 बजे और फाइनल रात 8 बजे खेला जाएगा।

1975 में हॉकी वर्ल्ड कप जीता : भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने 1971 में शुरू हुए पहले हॉकी वर्ल्ड कप से ही इस टूर्नामेंट में खेलना शुरू कर दिया था। टीम ने अब तक 15 बार टूर्नामेंट में भाग लिया और केवल एक बार वर्ल्ड कप जीता है। भारत ने 1975 में कुआलालंपुर, मलेशिया में खेले गए वर्ल्ड कप के फाइनल में पाकिस्तान को हराकर यह खिताब अपने नाम किया था।

महिला वर्ल्ड कप भी इसी दौरान : महिला हॉकी वर्ल्ड कप भी 15 अगस्त से नीदरलैंड्स और बेल्जियम में खेला जाएगा। इसमें भी 16 टीमें और चार पूल होंगे। भारतीय महिला टीम को पूल- में चीन, इंग्लैंड और साउथ अफ्रीका के साथ रखा गया है। भारत महिला टीम 16 अगस्त को चीन के खिलाफ अपना पहला मैच खेलेगी। इसके बाद 18 अगस्त को साउथ अफ्रीका और 20 अगस्त को इंग्लैंड से मुकाबला होगा। महिला वर्ल्ड कप का फाइनल 29 अगस्त को शाम 7:30 बजे खेला जाएगा।

अनु प्रिया और श्रुति जोशी ने जीते कांस्य पदक

लागोस, 11 अगस्त। नाइजीरिया के लागोस में चल रही कॉमनवेल्थ फेंसिंग चैंपियनशिप में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) की खिलाड़ियों अनु प्रिया और श्रुति जोशी ने कांस्य पदक जीतकर देश और बल का नाम रोशन किया।

हरियाणा की अनु प्रिया ने महिला व्यक्तिगत एपी स्पर्धा में कांस्य पदक अपने नाम किया, जबकि महाराष्ट्र की श्रुति जोशी ने महिला व्यक्तिगत सेबर स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। चैंपियनशिप की शुरुआत 9 अगस्त को हुई है और प्रतियोगिता 14 अगस्त तक चलेगी। अंतरराष्ट्रीय चैंपियनशिप में सीआईएसएफ का प्रतिनिधित्व कर रहीं दोनों खिलाड़ियों ने अपनी-अपनी स्पर्धाओं में शानदार प्रदर्शन किया। उनके प्रदर्शन से सीआईएसएफ को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है। सीआईएसएफ के महानिदेशक और बल के वरिष्ठ अधिकारियों ने अनु प्रिया और श्रुति जोशी को उनकी उपलब्धि पर बधाई दी तथा चैंपियनशिप में उनके प्रदर्शन की सराहना की।

भारत और अफगानिस्तान के बीच 3 टी-20 मैच खेले जाएंगे

नई दिल्ली, 11 अगस्त। भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन मैचों की टी-20 सीरीज खेली जाएगी। क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार, अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने टी-20 सीरीज की तारीखों को कन्फर्म किया है। मुकाबले 13, 15 और 17 सितंबर को नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले जाएंगे।

बोर्ड ने 10 अगस्त को भेजे लेटर में कहा कि बीसीसीआई ने तारीखों पर सहमति दी है। इस सीरीज के साथ ही भारत के बांग्लादेश दौरा की संभावना लगभग खत्म हो गई है। सीरीज को लेकर बीसीसीआई या अफगानिस्तान बोर्ड से कन्फर्मेशन आना बाकी है। यह पहली बार होगा कि अफगानिस्तान बाइलेटरल सीरीज में आधिकारिक तौर पर भारत की मेजबानी करेगा।

सेंट जेवियर और रमन पब्लिक स्कूल जीते

जयपुर, 11 अगस्त। जयपुर के स्थानीय सोनी क्रिकेट स्टेडियम पर चल रह फादर रेमंड कोएल्हो डायमंड जुबली कप में दिन का पहला मुकाबला सेंट जेवियर सीनियर सेकेंडरी स्कूल व सेंट एनसलम नॉर्थ सिटी स्कूल के मध्य खेला गया। जिसमें सेंट जेवियर सीनियर सेकेंडरी स्कूल ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 18 औवर में 187/4 रन बनाए। जिसमें मानव खंडुजा ने 100रन (रिटायर्ड) व फलक बुखाल ने 54 रनों की पारी खेली। सेंट एनसलम नॉर्थ सिटी स्कूल की ओर से गेंदबाजी में अगस्त्य चौधरी व सक्षम चौधरी ने एक-एक विकेट लिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी सेंट एनसलम नॉर्थ सिटी स्कूल 17.5 ओवर में 50 रन पर ऑल आउट हो गई। जिसमें कान्हा श्रीवास्तव ने 8 रन व मनविजय ने 6 रनों का योगदान दिया। सेंट जेवियर सीनियर सेकेंडरी स्कूल की ओर से गेंदबाजी में हिमांक झालानी ने तीन विकेट व अथर्व अग्रवाल ने दो विकेट लिए। सेंट जेवियर सीनियर सेकेंडरी स्कूल ने 137 रन से मुकाबला जीता।दिन का दूसरा मुकाबला सुबोध पब्लिक स्कूल व रमन पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल के मध्य खेला गया।जिसमें सुबोध पब्लिक स्कूल पहले बल्लेबाजी करते हुए 17.1 ओवर में 90 रन पर ऑल आउट हो गई।

पल्लवी चौहान ने जीता कांस्य पदक

बीकानेर, 11 अगस्त।। रेलवे ग्राउंड बीकानेर में 8 से 10 अगस्त तक आयोजित राजस्थान स्टेट सीनियर आर्चरी चैंपियनशिप 2026 में प्रदेशभर के खिलाड़ियों ने प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में राजस्थान के सभी जिलों से कुल 404 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता की रिकर्व राउंड व्यक्तिगत स्पर्धा में लोक निर्माण विभाग में खेल कोटे के तहत कनिष्ठ सहायक के पद पर कार्यरत पल्लवी चौहान ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया। पल्लवी चौहान की इस उपलब्धि से उनके विभाग और क्षेत्र में खुशी का माहौल है। तीन दिवसीय प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न जिलों से पहुंचे खिलाड़ियों ने तीरंदाजी की अलग-अलग स्पर्धाओं में हिस्सा लिया। कड़े मुकाबलों के बीच पल्लवी ने रिकर्व राउंड व्यक्तिगत वर्ग में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए पदक हासिल किया। पल्लवी चौहान की इस सफलता को खेल और सरकारी सेवा के बीच बेहतर तालमेल का उदाहरण माना जा रहा है।

ओपन कराटे चैम्पियनशिपः कुशाग्र झरवाल ने जीता कांस्य

जयपुर, 11 अगस्त। नेपाल की राजधानी काठमांडू में आयोजित द्वितीय इंटरनेशनल ओपन कराटे चैम्पियनशिप 2026 में जयपुर के कुशाग्र झरवाल ने कांस्य पदक जीतकर देश और प्रदेश का नाम रोशन किया है। कुशाग्र ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन कर कांस्य पदक अपने नाम किया। उनकी इस उपलब्धि पर खेल जगत और परिजनों में खुशी का माहौल है। टीम कोच संसाई मंजू, संसाई अंजू ने खिलाड़ियों को तकनीकी प्रशिक्षण मार्गदर्शन और प्रतियोगिता के दौरान आवश्यक सहयोग प्रदान किया। कोच और खेल प्रेमियों ने कुशाग्र की मेहनत, अनुशासन और निरंतर अभ्यास को सफलता का आधार बताते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

फिलहाल मैं ही पाकिस्तान का कप्तान : शाहीन

नई दिल्ली, 11 अगस्त। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी ने कप्तानी को लेकर बयान दिया है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान शाहीन से पूछा गया- क्या आपको 2027 वर्ल्ड कप तक कप्तान बनाए रखने की कन्फर्मेशन मिली है। इस पर शाहीन ने कहा- फिलहाल वनडे टीम का कप्तान मैं ही हूं। बाबर आजम को हाल ही में टेस्ट टीम की कप्तानी दी गई। उनकी लीडरशिप में टीम ने वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज 1-1 से ड्रॉ खेली। अब बाबर को दोबारा वनडे टीम की बागडोर दिए जाने की भी चर्चा हैष। कई रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि बाबर को दोबारा सभी फॉर्मेट की कप्तानी सौंपी जा सकती है। शाहीन को अक्टूबर 2025 में मोहम्मद रिजवान की जगह पाकिस्तान का वनडे कप्तान बनाया गया था।

बर्फ पर तिरंगा : वसंत कुंज के आरुष तिवारी ने लगातार दूसरी बार एशियन ओपन में पदक जीतकर रचा इतिहास

नई दिल्ली, 11 अगस्त । दिल्ली पब्लिक स्कूल, वसंत कुंज के कक्षा के छात्र आरुष तिवारी ने एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय फिगर स्केटिंग के मंच पर भारत का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया है। 1 से 5 अगस्त 2026 तक जकार्ता, इंडोनेशिया में आयोजित 2026 में आरुष ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक अपने नाम किया।

अपनी इस उपलब्धि पर आरुष ने कहा: "यह रजत पदक मेरे लिए सिर्फ एक पदक नहीं है। इसके पीछे वर्षों की मेहनत, त्याग, अनुशासन और अपने सपने पर विश्वास है। भारत के लिए लगातार दूसरी बार में पदक जीतना मेरे लिए बेहद गर्व की बात है। इस साल मैंने एक उच्च श्रेणी में प्रतिस्पर्धा की, इसलिए यह चुनौती मेरे लिए और भी खास थी। मैं अपने माता-पिता, अपने कोच, अपने स्कूल और उन सभी लोगों का आभारी हूं जिन्होंने हमेशा मेरा विश्वास बढ़ाया। यह रजत मेरे लिए मंजिल नहीं है। यह मुझे और मेहनत करने की प्रेरणा देता है। मेरा सपना है कि एक दिन भारत के लिए गोल्ड मेडल जीतूं और तिरंगे को सबसे ऊंचे पायदान पर देखूं।" इस उपलब्धि के साथ आरुष लगातार दो वर्षों में पदक जीतने वाले एकमात्र भारतीय फिगर स्केटर बन गए हैं। वर्ष 2025 में मनीला, फिलीपींस में उन्होंने श्रेणी में कांस्य पदक जीता था। एक वर्ष बाद, उन्होंने चुनौती को और बड़ा किया और जैसी उच्च श्रेणी में प्रतिस्पर्धा करते हुए रजत पदक हासिल किया।

बीकानेर ने राजस्थान बालक जूनियर फुटबॉल चैंपियनशिप जीती

फरड़ोद (नागौर), 11 अगस्त । राजस्थान फुटबॉल संघ के तत्वावधान में फरड़ोद फुटबॉल क्लब की मेजबानी में फरड़ोद, नागौर में आयोजित राज्यस्तरीय जूनियर बालक फुटबॉल चैंपियनशिप का खिताब बीकानेर ने अपने नाम कर लिया। खेले गए फाइनल मुकाबले में बीकानेर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कोटा को 4-1 से हराकर राजस्थान चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। फाइनल मुकाबले में बीकानेर की टीम ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। बीकानेर की ओर से भरत सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 5,27,60, मिनट मे तीन गोल दागकर हैट्रिक पूरी की ओर 65मिनट में कौस्तुभ ने 1गोल किया कोटा की ओर से जयवर्धन में 1गोल 20वे मिनट मे किया । भरत सिंह के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत बीकानेर ने कोटा को 4-1 से शिकस्त देकर खिताब पर कब्जा जमाया। भरत सिंह को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए बेस्ट प्लेयर ऑफ द फाइनल चुना गया। पूरी प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करने वाले बीकानेर के ही आशु सिंह को प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया। उन्हें पुरस्कार स्वरूप साइकिल प्रदान की गई। फाइनल के पहले तीसरे स्थान के लिए खेलें गये मैच में सीकर ने जयपुर को 1-0 से हराकर तीसरा स्थान प्राप्त किया।

सादुलपुर में 15 से सतीश पूनियां स्मृति खेल महाकुंभ

सादुलपुर (चूरू), 11 अगस्त । एक दशक तक खेल पत्रकारिता करने वाले और सादुलपुर के पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष स्वर्गीय सतीश पूनिया की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर राजगढ़ स्थित अंतरराष्ट्रीय खेल स्टेडियम में आगामी 15 और 16 अगस्त को दो दिवसीय भव्य सतीश पूनियां स्मृति खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है।

पद्मश्री डॉ. कृष्णा पूनिया स्पोर्ट्स फाउंडेशन के तत्वावधान में आयोजित होने वाले इस खेल महाकुंभ के आधिकारिक पोस्टर का विमोचन राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा द्वारा किया गया। पोस्टर विमोचन के साथ ही क्षेत्र के युवाओं और खेल प्रेमियों में खासा उत्साह देखा जा रहा है। सादुलपुर की पूर्व विधायक एवं पद्मश्री डॉ. कृष्णा पूनिया ने बताया कि फाउंडेशन का मुख्य उद्देश्य स्वर्गीय सतीश पूनिया की स्मृति में ग्रामीण व क्षेत्रीय युवा प्रतिभाओं को एक बेहतरीन मंच प्रदान कर उन्हें तराशना है।प्रतियोगिता का औपचारिक उद्घाटन 15 अगस्त को दोपहर 3:00 बजे होगा, जिसके लिए प्रशासनिक अधिकारियों और अतिथियों को आमंत्रित किया गया है।

MUNICIPAL BOARD, NATHDWARA DIST.- RAJSAMAND

S.No./M.B.Nath/Nit/Cont./26/ 5878 Date : 06-08-2026

Notice Inviting Bid

Bids for different works Nit No. 45 /2026-27 of Municipal Board Nathdwara are invited from interested bidders upto date 17-08-2026 on 18:00 Hours. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state govt.

UBN No. – DLB2627WSOB16239

Commissioner Municipal Board Nathdwara

Raj.Samwad/C/26/9425

कार्यालय नगर पालिका मण्डल वजीरपुर जिला-सवाई माधोपुर (राज0)

क्रमांक :-न.पा.व / 2026-27 / 1103 दिनांक 05.08.2026

ई-निविदा सूचना

नगरपालिका वजीरपुर में खुली बोली / कार्य की निविदा यूबीएन नं.निम्न प्रकार है।

1. यूबीएन नं DLB2627WSOB14964

उक्त ई-निविदा आमंत्रित की गई है। ई निविदा सूचना एवं शर्ते राजस्थान लोक उपापन पोर्टल की वेबसाईट http://sppp.raj.nic.in and http:/eproc.rajasthan.gov से डाउनलोड एवं अपलोड की जा सकती है।

अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका वजीरपुर

राज.संवाद / सी / 26 / 9446

महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर

ENGAGEMENT OF INCOME TAX ADVOCATES

Expression of Interest (EoI) is invited from experienced advocates specializing in Income Tax matters to represent Maharaja Ganga Singh University, Bikaner before the Income Tax Department, Appellate Authorities, and Law Courts. Interested advocates can submit their EoI along with all necessary supporting documents to the Office of the Registrar, Maharaja Ganga Singh University, N.H. 15, Jaisalmer Road, Bikaner - 334004 on or before 17.08.2026. For detailed advertisement and further information, please visit the university website (www.mgsubikaner.ac.in), call 0151-2212044.

Registrar, Maharaja Ganga Singh University

Raj.Samwad/C/26/9318

AJMER VIDYUT VITRAN NIGAM LIMITED

Corporate Identification Number (CIN) – U40109RJ2000SGC016482 (Regd. Office: Vidyut Bhawan, Panchsheel Nagar, Makarwali Road, Ajmer-305004) Office of The Superintending Engineer (MM) Vidyut Bhawan, Panchsheel Nagar, Makarwali Road, Ajmer-305004)

"E" TENDRING INVITING TENDER NOTICE

"E"- TENDERING ARE INVITED FOR M.S.CHANNEL 100X50X6 MM & M.S. FLAT 50X6 TN-2152, M.S. ROD TYPE EARTHING SET TN-2153 , A.B. CABLE 3X25+25 SQ.MM & A.B. CABLE 3X50+35 SQ.MM TN-2154, EMD and date of uploading /opening of tender and G.C.C. etc WILL be available at web site www.avvnl.com & http://eproc.rajasthan.gov.in.

Superintending Engineer (MM) AVVNL, Ajmer

Raj.Samwad/C/26/9294

कार्यालय नगरपालिका मण्डल, सायला, जिला - जालोर

क्रमांक : न.पा.सा. / विकास / ई-निविदा / 2026-27 / 1456 दिनांक 05.08.2026

।। ई-निविदा सूचना ।।

नगरपालिका मण्डल, सायला की ओर से वित्तीय वर्ष 2026-27 हेतु मान्यता प्राप्त पंजीकृत ठेकेदारों से निविदा द्वारा 01 विकास कार्य की कुल लागत 190.00 लाख रूपये की निविदा आमंत्रित की जाती है। आंशिक अथवा पूर्णतः निविदा स्वीकृत / अस्वीकृत करने का अधिकार ई-निविदा स्वीकृत अधिकारी को होगा। ई-निविदा की विस्तृत जानकारी व शर्ते कार्यालय में एवं विभाग की वेब साईट www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखी व पढी जा जिनके UBN No. निम्नलिखित है:-

(1) NIB Code:- DLB2627A6319

(2) UBN No.:-DLB2627WSOB15821

Bid Selling Date	07-08-2026

अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका सायला

राज.संवाद / सी / 26 / 9437

राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् उदयपुर

111, सहेली मार्ग, उदयपुर (राज.) पिन 313001 दूरभाष 0294-2415171, E-mail:- director.rscert@rajasthan.gov.in

क्रमांक :- राराशैअप्र-उदय/स्टोर/2026-27/राजकाज 23862972 दिनांक :- 06/08/2026

ई-प्रोक्योरमेंट के माध्यम से खुली बोली आमंत्रण सूचना संख्या 05/2026-27

राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, उदयपुर अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2026-27 में निम्न सेवा हेतु दिनांक 17.08.2026 को 01.00 PM तक इच्छुक बोलीदाताओं से ई-प्रोक्योरमेंट के माध्यम से बोली आमंत्रित की जाती है। बोली की विस्तृत शर्ते एवं बोली दस्तावेज http://sppp.rajasthan.gov.in तथा https://eproc.rajasthan.gov.in पर देखे एवं डाउनलोड किए जा सकते हैं। बोली ई-प्रोक्यारेमेंट साईट के माध्यम से ही स्वीकार की जाएगी।

क्र. सं.	सामग्री / सेवा का विवरण	अनुमानित लागत (लाखों में)	UBN
1	Cameraman, Video Editor, D.T.P. Operator, MIS Person and Consultant on Job Basis	53.00	SCE2627SLRC00012

राज.संवाद/सी/26/9327 निदेशक

राजस्थान राज्य विद्युत प्रसारण निगम लिमिटेड

ई निविदा सूचना संख्या- 11 (2026-27)

केंद्र/ राज्य सरकार के विभागों एवं रा. रा. वि. प्र.नि.लि. के उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत / मान्य व अनुभवी निविदाकारो से ई-निविदा सूचना संख्या-11 (2026-27) के क्र.सं. 01 से 2 अधिशाषी अभियन्ता प्रथम (सिविल), रा०रा०वि०प्रसा०नि०लि० बीकानेर, क्र.सं. 03 से 07 अधिशाषी अभियन्ता द्वितीय (सिविल), रा०रा०वि०प्रसा०नि०लि० बीकानेर, क्र. सं. 08 अधिशाषी अभियन्ता (सिविल), रा०रा०वि०प्रसा०नि०लि० हनुमानगढ, क्र.सं. 09 से 14 अधिशाषी अभियन्ता (सिविल), रा०रा०वि०प्रसा०नि०लि० रतनगढ व क्र.सं. 15 अधिशाषी अभियन्ता (सिविल), रा०रा०वि०प्रसा०नि०लि० भडला के अन्तर्गत कार्यो हेतु प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं।। इन कार्यो की अनुमानित लागत, निविदा शुल्क, निविदा बेचे जाने तथा खुलने की तारीख, धरोहर राशि व निविदा विशिष्टियां आदि का सम्पूर्ण विवरण वेबसाइट http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.nic.in & www.rvpn.co.in पर देखा जा सकता है।

UBN No. : VPN2627WSOB01160, 1161, 1151,1149,1154,1155,1156, 1153, 1145,1146,1147,1148,1150,1152, 1157

अधीक्षण अभियन्ता (सिविल), बीकानेर

राज.संवाद/सी/26/9307 रा.रा.वि.प्र.नि./TR-7731/2026

जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड

प्रभासिम शशि सूर्ययो:

कार्यालय संभागीय मुख्य अभियंता (जयपुर संभाग) पुराना पॉवर हाऊस, बनीपार्क, जयपुर टेलीफैक्स : 0141 - 2201489, ई-मेल: zcejz@jvvnl.org

ई-निविदा सूचना

ई-निविदा दो भागों में (तकनीकी-वाणिज्यिक), जयपुर डिस्कॉम के जयपुर जिला वृत्त-दक्षिण के अधिकार क्षेत्र में टीएन-204 के तहत् एआरसी रेट, 2025 पर योग्य निविदादाताओं से श्रम दर पर आमंत्रित किये जाते है। योग्य निविदादाता सम्पूर्ण निविदा संबंधित दस्तावेज ई- प्रोक्योरमेन्ट पोर्टल http://www.eproc.rajasthan.gov.in पर दिनांक 10 / 08 / 2026 से डाउनलोड कर सकते है। निविदायें ऑनलाईन ई-पोर्टल पर दिनांक 17.08.2026 को सांय 04:00 बजे तक ही स्वीकार की जावेगी। निविदा संबंधी जानकारी कार्य का विवरण इत्यादि जयपुर विद्युत वितरण निगम की वेब साईट www.energy.rajasthan.gov.in/jvvnl, http://www.sppp.rajasthan.gov.in & http://eproc.rajasthan.gov.in से प्राप्त की जा सकती है।

UBN No. : VVN2627WSOB00333

राज.संवाद/सी/26/9293 जेपीआर - 3210 (2026) संभागीय मुख्य अभियंता (जयपुर संभाग)

बिजली शिकायतों के लिए टोल फ्री नम्बर 1800 180 6507

जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड

(पदार्थ प्रबन्ध एवं अनुबन्ध शाखा)

नया पॉवर हाऊस परिसर, हैवी इडंस्ट्रीयल एरीया, जोधपुर- 342003, दूरभाष: 0291-2742223, फैक्स:-0291-2746539

ई-निविदा सूचना

33 के.वी. क्रोस आर्म (एंगल) क्लेंम्प सहित एवं टोप हेम्पर TN-2176 (UBN JVV2627GLOB00363), नोन कोन्टेक्ट टाईप ए.सी. वोल्टेज डिटेक्टर TN-2177 (UBN JVV2627GLOB00358), 11 के.वी. सी. टी. पी.टी. सेट्स विभिन्न रेशियो TN-2185 (UBN JVV2627GLOB00360), एचटी मीटर बॉक्स TN-2186 (UBN JVV2627GLOB00359), इलेक्ट्रिकल इंसुलेटेड रबर हैंड ग्लव्स (वर्ग-1) TN-2188 (UBN JVV2627GLOB00361) सेफ्टी हेल्मेट TN-2191 (UBN JVV2627GSOB00364) की खरीद एवं वीसीबी के स्पेयर पार्टस् उपलब्ध कराने TN-2187 (UBN JVV2627GLRC00362) की दर अनुबंध हेतु ई-निविदा आंमत्रित की जाती हैं।

अन्य विवरण जैसे निविदा मुल्य, धरोहर राशि, निविदा प्रस्तुत करने / खुलने की तिथि का विवरण इत्यादि वेबसाईट energy.rajasthan.gov.in/jdvvnl एवं http://sppp.rajasthan.gov.in द्वारा जानी जा सकती हैं।

अधीक्षण अभिंयता (पदार्थ प्रबन्ध एवं अनुबंध)

बिजली संबंधी शिकायतों के लिए टोल फ्री नम्बर 1800 180 6045

MBM UNIVERSITY, JODHPUR

Faculty of Arts, Education, Social Science, Science, Commerce & Management (State-Funded University – Government of Rajasthan), RAJASTHAN (INDIA) 342011

No. :- MBMU/FoAESSCM/2026/350 Date :- 07/08/2026

ADVERTISEMENT

Applications for admission to the full-time one-year Advance Diploma in Child Guidance & Counselling (ADCGC) course, recognized by the Rehabilitation Council of India (RCI), New Delhi, are invited from Indian citizens on 25 seats for the academic session 2026-27, offered by the Department of Education in the Faculty of Arts, Education, Social Science, Science, Commerce & Management (FoAESSCM). Candidates appearing in the final year examination are also eligible to apply provisionally. The University website (https://www.mbm.ac.in) may be visited for registration.

The filled hard copy of the application form along with the proof of payment receipt and other self-attested documents is required to be submitted by 27 August, 2026, during office hours, to the office of the Head, Department of Education, MBM University, Jodhpur (Rajasthan). For any assistance, the Head of the Department, Dr. Rohit Rawal (7023701661), may be contacted.

Raj.Samwad/C/26/9315 Dean, FoAESSCM

कार्यालय नगर पालिका खाजूवाला जिला-बीकानेर (राज.)

क्रमांक:- न.पा.खा / ई-निविदा / निर्माण / 2026-27 / 1472-73 दिनांक:- 06.08.2026

-: ई-निविदा सूचना 06/2026-27 :-

नगर पालिका खाजूवाला, बीकानेर द्वारा करवाये जाने वाले निर्माण कार्यो की नियमानुसार पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा सम्बन्धित विस्तृत विवरण व जानकारी वेबसाईट WWW.SPPP.RAJASTHAN.GOV.IN व WWW.EPROC.RAJASTHAN.GOV.IN पर देखी एवं डाउनलोड की जा सकती है।

क्र. सं.	कार्य का नाम	अनु. लागत राशि	यूबीएन नम्बर
1	नगर पालिका खाजूवाला वार्ड नम्बर 05 में दन्तौर रोड़ से कैलाशपुरी कॉलोनी की ओर मुस्से खां दहिया के घर की ओर सी.सी. सड़क निर्माण कार्य	14.25	DLB2627WSOB15460
2	नगर पालिका खाजूवाला वार्ड नम्बर 05 मे प्राईवेट बस स्टैण्ड दन्तौर रोड़ के सामने से मुरलीधर जी सारस्वत जी के घर तक सी.सी. सड़क निर्माण कार्य	26.24	DLB2627WSOB15461
3	नगर पालिका खाजूवाला वार्ड नम्बर 09 मे आईटी सेन्टर के पास एवं भागीरथ की चक्की से रामदेव पार्क तक सी.सी. सड़क निर्माण कार्य	11.17	DLB2627WSOB15462
4	नगर पालिका क्षेत्र में स्थित किसान छात्रावास के सामने से रिप्पी मक्कड़ के घर के पास से हेतु हुए आदर्श विद्या मन्दिर से होते हुए जे.बी. मॉडल स्कूल के पास तक सी.सी. सड़क निर्माण कार्य	24.52	DLB2627WSOB15463
5	नगर पालिका खाजूवाला के वार्ड नम्बर 10 में स्थित ओमप्रकाश गोदारा के घर से भागीरथ शर्मा की दुकान तक सी.सी. सड़क निर्माण कार्य	10.26	DLB2627WSOB15464
6	नगर पालिका खाजूवाला के वार्ड नम्बर 05 में दशमेश कॉलोनी में खानूराम भील व धर्मपाल भील के घर के पास व दशमेश कॉलोनी में विभिन्न स्थानों पर सी.सी. इन्टरलोकिंग सड़क निर्माण कार्य।	23.66	DLB2627WSOB15465
7	नगर पालिका खाजूवाला के वार्ड नम्बर 04 में पीएम श्री स्कूल में सी.सी. इन्टरलोकिंग सड़क निर्माण कार्य।	8.34	DLB2627WSOB15474
8	नगर पालिका खाजूवाला के वार्ड नम्बर 20 में शनि मन्दिर व रामदेव मन्दिर के पास सी.सी. इन्टरलोकिंग सड़क व नाली मरम्मत का कार्य निर्माण कार्य।	10.18	DLB2627WSOB15476
9	नगर पालिका खाजूवाला के वार्ड नम्बर 05 तावणियां कॉलोनी मैन रोड़ से बलराम जाखड़ के घर के पास से होते छगनदान के घर तक सी.सी. इन्टरलोकिंग सड़क निर्माण कार्य।	13.30	DLB2627WSOB15479
10	नगर पालिका क्षेत्र में स्थित गुरूद्वारा अमर शहीद बाबा जीवण सिंह जी के पास सामुदायिक भवन निर्माण कार्य	10.00	DLB2627WSOB15482
11	नगर पालिका क्षेत्र के वार्ड नम्बर 05 तावणियां कॉलोनी में स्थित सामुदायिक भवन के पास सार्वजनिक टिनशैड निर्माण कार्य।	9.95	DLB2627WSOB15484
12	नगर पालिका खाजूवाला के वार्ड नम्बर 03 में प्रशान्त सोनी के घर से जसकरण कुम्हार के घर तक सी.सी. इन्टरलोकिंग सड़क निर्माण कार्य।	9.07	DLB2627WSOB15487
13	नगर पालिका खाजूवाला में वार्ड नम्बर 02 में पावली मुख्य रोड़ से दुर्गा माता मन्दिर से होते हुए दुकानो तक सी.सी. इन्टरलोकिंग सड़क निर्माण कार्य।	9.07	DLB2627WSOB15490
14	नगर पालिका खाजूवाला वार्ड नम्बर 02 में चमड़िया जी की दुकान से तुषार बिश्नोई के घर तक सी.सी. सड़क निर्माण कार्य	11.40	DLB2627WSOB15492

क्र. सं.	निविदा ऑनलाईन डाउनलोड व अपलोड करने की दिनांक	निविदा भौतिक प्रपत्र जमा करवाने की अन्तिम दिनांक	ऑनलाईन निविदा खोलने की दिनांक
1	दिनांक 06.08.2026 को प्रातः 11:00 बजे से दिनांक 12.08.2026 सायं 06:00 बजे तक	दिनांक 12.08.2026 को दोपहर 12:00 बजें	दिनांक 12.06.2026 को दोपहर 02:00 बजे से लगातार

अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका, खाजूवाला

राज.संवाद / सी / 26 / 9354

अधिकारी सरकारी सेवा से सेवानिवृत्त होते हैं, सामाजिक दायित्व से कभी नहीं- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के सेवानिवृत्त अधिकारियों के साथ संवाद किया

जयपुर, 11 अगस्त। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि सामाजिक न्याय को नीतियों की आत्मा और योजनाओं का सार मानते हुए राज्य सरकार सबका साथ-सबका विकास की भावना से कार्य कर रही है, जिससे वंचित वर्गों का अभूतपूर्व उत्थान हो रहा है।

मुख्यमंत्री मंगलवार को अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के सेवानिवृत्त अधिकारियों से संवाद कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अधिकारियों ने विभिन्न दायित्वों का निर्वहन करते हुए सरकार की नीतियों और योजनाओं को धरातल तक पहुंचाया और जनसेवा की है।

अधिकारी सरकारी सेवा से सेवानिवृत्त होते हैं, लेकिन सामाजिक जिम्मेदारियों से कभी नहीं। उनका दायित्व है कि वे वर्षों के प्रशासनिक अनुभव, जमीनी परिस्थितियों के व्यावहारिक ज्ञान और अनुभव का उपयोग करते हुए युवाओं को मार्ग दिखाएं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के सेवानिवृत्त अधिकारियों से संवाद किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कहा कि अनुसूचित जाति उत्तर मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के तहत करीब सवा चार लाख और अनुसूचित जनजाति उत्तर मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के तहत 4 लाख 30 हजार विद्यार्थियों को लाभान्वित किया गया है।

- **सेवानिवृत्त अधिकारियों ने छात्रवृत्ति राशि में वृद्धि, निःशुल्क कोचिंग योजना, कौशल विकास सहित विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।**

सेवानिवृत्त अधिकारियों ने छात्रवृत्ति राशि में वृद्धि, निःशुल्क कोचिंग योजना, कौशल विकास सहित, विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।

अमेरिका, ईरान ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

संभावित निशाने के तौर पर अपनी तय मंजिल की ओर उड़ रहे थे।

सिर्फ एक बात संदिग्ध थी कि जब विमान टेक-ऑफ के लिए टैक्सी कर रहा था (रनवे पर चल रहा था), तो मीडिया पूल के सदस्यों से खिड़कियों के शेड नीचे करने को कहा गया। यह काफी असामान्य बात है, क्योंकि उड़ान भरते और उतरते समय आम तौर पर खिड़कियों के शेड खुले रखे जाते हैं।

बाद में जब पत्रकारों ने उड़ान के दौरान हुई अनियमितताओं और हालात के बारे में पूछा, तो राष्ट्रपति ने पुष्टि की कि वे एक खतरनाक उड़ान पर थे। मामले को और नाटकीय बनाते हुए राष्ट्रपति ने मीडिया से कहा कि "अगर वे नहीं रहते, तो वे भी नहीं रहते" और यह भी कहा कि शायद उन्हें अपना पेशा बदलने के बारे में सोचना पड़े।

लेकिन इसका जो भी नतीजा हो, लेकिन सोचने की बात यह है कि अमेरिकी प्रशासन किस तरह के डर में है और अमेरिकी खुफिया एजेंसियों को किस तरह के खतरों का अंदेशा है। शायद ईरान अपनी ताकत के नशे में हैं।

पंजाब में तीर्थ यात्रा की राजनीति ने फिर जोर पकड़ा

पंजाब सरकार मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना का लाभ उठाने की न्यूनतम आयु सीमा 50 वर्ष कर रही है और इसमें सालासर, खाटूश्याम जी, अजमेर शरीफ को भी शामिल किया है

- **शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने सिख जागरण यात्रा शुरु की है तो भाजपा ने गुरु रविदास के जन्मस्थल की मिट्टी की कलश यात्रा शुरु की है।**
- **कांग्रेस एकता यात्रा निकाल रही है, जिसमें कोई धार्मिक रंग नहीं है।**

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 अगस्त। पंजाब, जहाँ अगले वर्ष की शुरुआत में विधानसभा चुनाव होने हैं, इन दिनों 'यात्रा राजनीति' की चपेट में आता दिखाई दे रहा है।

सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) ने अपनी प्रमुख योजना "मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा" का विस्तार किया है। यह सरकार द्वारा वित्तपोषित मुफ्त तीर्थयात्रा कार्यक्रम है, जो मूल रूप से वरिष्ठ नागरिकों पर केन्द्रित था और बाद में 50 वर्ष से अधिक आयु के लोगों तक इसका दायरा बढ़ा दिया गया। इस योजना में सिख तीर्थस्थलों, हिंदू मंदिरों और यहां तक कि अजमेर शरीफ को भी शामिल किया गया है। हाल ही में, इसमें सालासर-खाटू श्यामजी, हरिद्वार-ऋषिकेश और मथुरा-वृंदावन के तीर्थ सर्किट भी जोड़े गए हैं।

अकाल तख्त के संरक्षण में शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) ने मीरी-पीरी खालसा मार्च का आयोजन किया है। इसका उद्देश्य सिख चेतना को मजबूत करना और युवा पीढ़ी को पंथक संस्थाओं से जोड़ना है। वहीं, भाजपा ने वाराणसी स्थित गुरु रविदास की जन्मस्थली की पवित्र मिट्टी लेकर कलश यात्राएं शुरू की हैं। इनका लक्ष्य रविदासिया समुदाय के साथ-साथ व्यापक दलित समुदाय तक पहुंच बनाना है। इससे पहले भाजपा ने अंबेडकर से जुड़े विरासत स्थलों को केन्द्र में रखकर पंच तीर्थ यात्राओं और स्वतंत्र कीर्तन दरबारों का भी आयोजन किया था। कांग्रेस का जोर हालांकि विशुद्ध धार्मिक तीर्थयात्राओं पर कम है, लेकिन उसने सभी विधानसभा क्षेत्रों में नेतृत्व की पहुंच बढ़ाने के लिए राज्यव्यापी एकता बस यात्रा पर चर्चा की है।

ऐसा नहीं है कि पंजाब चुनावों से पहले इस तरह की पहल पहली बार देखने को मिल रही है। वर्ष 2015 में तत्कालीन अकाली दल के नेतृत्व वाली सरकार और एसजीपीसी ने संयुक्त रूप से धार्मिक दर्शन यात्रा आयोजित की थी, जिसमें सिख ऐतिहासिक धरोहरों और अवशेषों को प्रदर्शित किया गया था। पंजाब की राजनीति में धर्म की भूमिका लंबे समय से रही है। शिरोमणि अकाली दल का पंथक आधार और एसजीपीसी का प्रभाव राजनीति में धार्मिक संस्थाओं की अहमियत को दर्शाता है। मौजूदा दौर में यात्राओं की यह लहर किसी पूरी तरह नई रणनीति के बजाय, पहले से स्थापित तरीके के अधिक व्यापक और विविध रूप में सामने आ रही है।

पंजाब की राजनीति में धर्म की ऐतिहासिक रूप से केन्द्रीय भूमिका रही है। सिख संस्थाओं को नैतिक अधिकार प्राप्त है। हालांकि राजनीतिक दल इन यात्राओं को सांस्कृतिक या कल्याणकारी कदम के रूप में पेश करते हैं, लेकिन साथ ही वे चुनाव के समय उपयोगी साबित होने वाले भावनात्मक जुड़ाव और लाभार्थियों के नेटवर्क भी तैयार करते हैं। आलोचक इसे प्रतिस्पर्धात्मक 'तीर्थयात्रा राजनीति' के रूप में देखते हैं, जबकि समर्थकों का कहना है कि ये यात्राएं लोगों की वास्तविक आध्यात्मिक जरूरतों को पूरा करती हैं।

इस बार संगठित यात्राओं में आई तेजी के पीछे राजनीतिक दलों का रणनीतिक गणना अधिक प्रमुख दिखाई देता है, यानी सामाजिक आधार का विस्तार करना, प्रतिद्वंद्वियों का मुकाबला करना और जमीनी स्तर पर लोगों से संपर्क बढ़ाना।

15 अगस्त से ग्रामीण स्कूलों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अगर किसी चीज की सबसे ज्यादा उपेक्षा या अनदेखी हुई है, तो वह हमारे गांवों के सरकारी स्कूल हैं। उन्होंने सवाल किया, हमने नई संसद, नया प्रधानमंत्री आवास बना लिया है। लेकिन हम अपने गांवों में नए स्कूल क्यों नहीं बना पाए? क्या हम किसानों और मजदूरों के बच्चों को अपने देश का भविष्य नहीं मानते? दीपके ने कहा कि गांवों के बच्चों को आज भी स्कूल जाने के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती है और कई जगहों पर उन्हें पीने का पानी और शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाएं भी उपलब्ध नहीं होती हैं।

शाह के संसद में बयान से भाजपा छात्र आंदोलन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रवेश द्वार 'मकर द्वार' की ओर मार्च करते हुए पहुंचे। इससे पहले, उन्होंने गठबंधन की संसदीय दल की साप्ताहिक बैठक 'मंगल मिलन' में हिस्सा लिया था। इस दौरान उन्होंने "राहुल गांधी जवाब दो" और "राहुल गांधी भागो मत" जैसे नारे लगाए।

सूत्रों के अनुसार, दो सप्ताह से अधिक समय से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमित शाह-दोनों की संसद के दोनों सदनों में अनुपस्थिति को लेकर विपक्ष के इंडिया ब्लॉक द्वारा 20 जुलाई को राष्ट्रीय राजधानी में युवाओं के खिलाफ पुलिस की कथित बर्बरता और मनमानी पर गृह मंत्री से बयान दिलाने की प्रतिबद्धता का मुकाबला करने के लिए रणनीति तैयार की गई।

यह रणनीति आज उस समय सामने आई, जब झारखंड पुलिस ने कल प्रदर्शनकारियों पर आंसू गैस के गोले छोड़े और लाठीचार्ज किया। इस संभावना से पूरी तरह इनकार नहीं किया जा सकता कि भाजपा ने इंडिया ब्लॉक की बढ़ती स्वीकार्यता को कमजोर करने के लिए झारखंड में हिंसा भड़काने के लिए प्रत्यक्ष और परोक्ष, दोनों तरह के साधनों का इस्तेमाल किया हो।

सोमवार को सरकार ने घोषणा की थी कि देश के विभिन्न हिस्सों में हुए छात्र प्रदर्शनों पर गृह मंत्री अमित शाह बहस में हिस्सा लेंगे।

लेकिन राहुल गांधी ने कहा कि देश संसद में "सामान्य विषयों" पर शाह की राय जानने में रुचि नहीं रखता। देश यह जानना चाहता है कि क्या उन्होंने प्रदर्शनकारी छात्रों पर पैलेट गन से गोली चलाने का आदेश दिया था।

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कहा कि राहुल गांधी की मानसिकता दुनिया के सामने उजागर हो गई है। उन्होंने दावा किया कि झारखंड में भूख हड़ताल पर बैठे देवेन्द्र नाथ महतो के साथ राज्य में मारपीट की गई।

ज्ञातव्य है कि झारखंड में कांग्रेस गठबंधन सरकार का हिस्सा है।

भाजपा सांसद कंगना रानाउत ने कहा कि झारखंड में बच्चों के साथ कथित तौर पर अत्याचार किया जा रहा है। उन्होंने कहा, उनके साथ बर्बरता से मारपीट की गई है और उनके खिलाफ पानी की बौछारों तथा आंसू गैस का इस्तेमाल किया गया है। हमें इस बारे में आवाज उठानी होगी। हम इस पर जवाब मांग रहे हैं।

इस बीच, कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा और समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव सहित, विपक्षी सांसदों ने भी अयोध्या में राम मंदिर के लिए मिले चंदे की कथित चोरी और 20 जुलाई को राष्ट्रीय राजधानी में नीट पेपर लीक के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस की कथित ज्यादती को लेकर संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन किया।

इसी बीच, कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके ने आज झारखंड लोक सेवा परीक्षा में अनियमितताओं के खिलाफ आंदोलन का नेतृत्व कर रहे छात्र नेता देवेन्द्र नाथ महतो को प्रेरणा की आवाज बताया। यह बयान ऐसे समय आया है, जब भाजपा ने रांची में छात्रों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई को लेकर कांग्रेस पर हमला तेज कर दिया है।

दीपके ने सोमवार को कई दिनों से भूख हड़ताल पर रहने के बावजूद झारखंड विधानसभा तक मार्च में शामिल हुए महतो से फोन पर बातचीत की। महतो ने सोमवार देर रात सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, "देर रात सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके जी से हमारी बातचीत हुई। उन्होंने हमारा हालचाल जाना और अपना पूरा समर्थन दिया।"

दीपके ने मंगलवार सुबह इस संदेश का जवाब हिन्दी में देते हुए लिखा, "देवेन्द्र भाई, आपके साहस और जज़्बे को हमारा सलाम! आप झारखंड के युवाओं की आवाज और प्रेरणा हैं।"

उन्होंने आगे कहा, "इस लड़ाई में हम पूरी ताकत के साथ मजबूती से आपके साथ खड़े हैं। देश को आप जैसे साहसी और दृढ़ संकल्प वाले युवाओं की जरूरत है। हम आपके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं। देश को आपकी जरूरत हैं।

छात्र आंदोलनों के बीच यह एकजुटता ऐसे समय सामने आई है, जब सत्तारूढ़ भाजपा ने झारखंड की जेएमएम के नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ अपना हमला तेज कर दिया है। इस सरकार में कांग्रेस भी गठबंधन सहयोगी है। भाजपा राज्य लोक सेवा परीक्षा में कथित अनियमितताओं के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पानी की बौछार, आंसू गैस और लाठीचार्ज किए जाने को लेकर राज्य सरकार को निशाना बना रही है।

कम डाउन पेमेंट | ₹5 999/-^

Hero GoodLife चांदी का सिक्का जीतने का मौका*

pine labs कैशबैक ₹5 000/- तक#

टोल फ्री 1800 266 0018

INDIA'S FIRST 5 YEAR WARRANTY* *Conditions apply

Hero MotoCorp Ltd, Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No. 2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj Phase - II. New Delhi-110070, India. ICIN: L35911DL1984PLC0173541. For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorised outlet or CALL TOLL-FREE 1800 266 0018 or visit us on www.heromotocorp.com. Accessories and features shown may not be part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. ^Finance offers are at the sole discretion of the financier, subject to its respective T&Cs. *Offer valid only on purchase of new Hero Two Wheeler & Hero GoodLife Enrollment on the corresponding purchase till 31st Aug. 2026. #The Cashback of 5% upto ₹5000 is applicable on the transaction between ₹30 000 to ₹1 00 000. The new revised ex-showroom price is valid for a limited period only. Hero MotoCorp reserves the right to modify or withdraw any or all offers without prior notice. ~Ex-showroom price of HF Deluxe Canvas variant applicable in Rajasthan.*Terms & Conditions apply.

अधिकृत डीलर: जयपुर: सूर्या हीरो, सीकर रोड़, लेन नं. 8, वीकेआईए, 9289922901, सुप्रीम हीरो, गोविन्द मार्ग, राजापार्क, 9289922197, आकड़ हीरो, अजमेर रोड, 9289922192, शुभम हीरो, सहकार मार्ग, 9289922207, कोटपूतली: चौधरी हीरो, 9289922797, एसोशिएट डीलर: मानसरोवर: आर.एल. मोटर्स, 9579258884, जगतपुरा: टीनिटी मोटर्स, 8003088062, करबला (जयपुर): सुपर मोटर्स, 8824088678, सिरसी रोड़ मीनावाला: रजत स्पीड जोन, 9261499995, बगरू: लाम्बा मोटर्स, 97728 81888, भांकरोटा: हरितवाल ऑटोमोबाइल्स, 9314013185, चाकसू: नाकोडा ऑटोमोबाइल, 9950560918, बस्सी: वरधानी ऑटोमोबाइल्स, 9414312552, सर्राफ ऑटोमोबाइल्स, 9414751333, दूदू: श्री गणेश ऑटोमोबाइल्स, 9352727667, शाहपुरा: सत्यम मोटर्स, 8104361919, हरमाड़ा: बी.एल. ऑटोमोबाईल्स, 9314050594, फुलेरा: अग्रवाल ऑटोमोबाइल्स, 9414818930, जमवा रामगढ़: उदय ऑटोमोबाइल्स, 9828090676, जोबनेर: केशव ऑटोमोबाईल्स, 8769505565, पावटा: पंकज मोटर्स, 96104 26700, कानोता: के.पी. ऑटोमोबाइल्स, 9414228404, मनोहरपुर: श्री कृष्णा मोटर्स, 8560000816, 9414643816, अचरोल: हैप्पी ऑटोमोबाइल, 9829321200, 7073888288 आंतेला: सैनी ऑटोमोबाइल्स, 7790999997, जयपुर: हार्दिक मोटर, 9828085118, रेनवाल मांजी: सालासर मोटर्स, 9001094391, मेढ़: किरण मोटर्स, 9314039090, वाटिका: बालाजी मोटर्स, 8875558222, 9549997999, तुंगा: जय बालाजी मोटर्स, 8094528008, 9549652279, कोटखावादा: श्री राम मोटर्स, 9414866716, विराटनगर: बागड़ा मोटर्स, 9928776482, वैशाली नगर: सिद्धिक मोटर्स, 9610444469, कुकस: आदित्य मोटर्स, 9829494009, दौलतपुरा: त्रिवेणी मोटर्स 6377644292, प्रताप नगर: आनंद मोटर्स 9773343232, सांगानेर: मुहाना मोटर्स, 9351591591, रायसर: श्री बालाजी मोटर्स, 9414493720, झोटवाड़ा: प्राइम मोटर्स, 9358048181, एम आर मोटर्स, 0141-2348111, बेनर रोड: पूनिया मोटर्स, 9928868990.

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908